@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

शनिवार, 6 जून 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 212 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

त्रिपुरा हो या फिर बंगाल-बिहार, हम जनसांख्यिकीय बदलाव नहीं होने देंगे: अमित शाह

• कुछ लोग बड़े से बड़े काम करने के बाद भी प्रसिद्धि की परवाह नहीं करते : केंद्रीय गृह मंत्री

'बीएसएफ के पास पाकिस्तान बॉर्डर और बांग्लादेश बॉर्डर सीमाओं की सुरक्षा का जिम्मा है।'

एजेंसी

त्रिपुरा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को त्रिपुरा में भारत-बांग्लादेश सीमा पर लंकामुरा बॉर्डर आउटपोस्ट पर बीएसएफ जवानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा फ्रंटियर हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। चाहे त्रिपुरा हो या बंगाल या फिर बिहार, हम जनसांख्यिकीय बदलाव नहीं होने देंगे। यह हमारा अटूट संकल्प है। अमित शाह ने कहा कि बीएसएफ के पास पाकिस्तान बॉर्डर और बांग्लादेश बॉर्डर सीमाओं की सुरक्षा का जिम्मा है। इतने विस्तृत बॉर्डर पर हर सीमा की एक अलग प्रकार की चुनौती है। कहीं नशे का व्यापार है, कहीं ह्यूमन ट्रैफिकिंग का सवाल है, कहीं हथियारों की स्मगलिंग का सवाल है, कहीं पर ड्रग्स की तस्करी और नकली करेंसी की तस्करी होती है। हर सीमा के अपने अलग-अलग प्रश्न हैं। हमने तय किया है कि बीएसएफ जहां-जहां पर है, वहां स्मार्ट बॉर्डर का निर्माण करना है और एक चतुष्कोणीय सुरक्षा रणनीति के तहत स्थानीय प्रशासन को साथ में रखते हुए तथा टेक्नोलॉजी और जवानों का सहयोग लेते हुए सीमाओं को अभेद्य बनाना है।

उन्होंने कहा कि मैं हमेशा कहता हूं कि यदि किसी आवास में लगी एक ट्यूबलाइट भी मेरे सीमा प्रहरियों की सुविधा बढ़ाती है तो उसके लिए भी मैं समय देने को तैयार हूं। इसी भावना के साथ हमने सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों की सुविधाओं और सुरक्षा की चिंता की है। अमित शाह ने कहा, 'मैं हर बार जब बीएसएफ के कैंप में जाता हूं, तब कहता हूं कि देश की जनता और विशेषकर भारत का गृह मंत्री रात में सो पाता है, क्योंकि सीमा प्रहरी बॉर्डर पर रात को जगकर हमारे देश की सुरक्षा कर रहे हैं। यह बहुत बड़ा काम है। देश की जनता इसे बहुत सम्मान के साथ देखती है। गृह मंत्रालय भी इस समर्पित भावना को सम्मान के साथ देखता है। विश्व पर्यावरण दिवस का जिक्र करते हुए शाह ने

कहा कि मुझे खुशी है कि सीएपीएफ और बीएसएफ के सभी जवान पूरे समर्पण के साथ एक पेड़ को अपना भाई, बहन या बच्चा मानकर उसकी देखभाल कर रहे हैं। यह कार्यक्रम सिर्फ सरकारी आदेशों से प्रेरित नहीं होना चाहिए। यह हमारी स्वाभाविक आदत बननी चाहिए। यही स्वाभाविक आदत हमें बचा सकती है। हमें सोचना चाहिए कि हमारी सुरक्षा करने वाली बीएसएफ की चौकी बनाने के लिए कितने पेड़ काटे गए थे और उससे कहीं ज्यादा पेड़ लगाना हमारी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि पृथ्वी के बढ़ते तापमान, जलवायु परिवर्तन और ओजोन परत में बड़े-बड़े छिद्र इस धरती को जीने योग्य नहीं छोड़ेंगे, यदि हम आज जागरूक होकर इसकी क्षति की पूर्ति की दिशा में कार्य नहीं करेंगे। हमारे प्रधानमंत्री जी ने कई प्रकार के उपाय एक साथ शुरू किए हैं। कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम हो, इको-फ्रेंडली बिजली किस प्रकार से बनाई जाए, ऊर्जा की खपत कम से कम कैसे हो, इसके लिए अनेक उपाय एक साथ किए गए हैं। एक प्रकार से भारत के मॉडल को पेरिस सम्मेलन में आदर्श मॉडल के तौर पर स्वीकार किया गया। अमित शाह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक गुरुजी माधव सदाशिवराव गोलवलकर की पुण्यतिथि का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ लोग बड़े से बड़े काम करने के बाद भी प्रसिद्धि की परवाह नहीं करते। पूज्य गुरुजी भी ऐसे ही थे। उन्होंने पूरे जीवन असीम धैर्य, अतुलनीय परिश्रम और मातृभूमि के प्रति भक्ति की भावना के साथ कार्य किया।

आत्मनिर्भर भारत का मजाक उड़ाने वालों ने देश को दूसरों पर निर्भर बनाए रखा था : मोदी

• दुनिया अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रही है : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

एजेंसी

सूरत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के सूरत में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करते हुए कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की आलोचना करने वाले वही लोग हैं, जिन्होंने देश को लंबे समय तक दूसरे देशों पर निर्भर बनाए रखा और आज भी भारत के संकल्पों को कमजोर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। कोरोना महामारी, विभिन्न क्षेत्रों में युद्ध और वैश्विक ऊर्जा संकट ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में उतार-चढ़ाव और गैस आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बावजूद भारत ने 140 करोड़ नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से इन चुनौतियों का मजबूती से सामना किया है।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और पिछले 12 वर्षों में देश ने जो क्षमता विकसित की है, उसका महत्व मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में स्पष्ट दिखाई

देता है। मोदी ने कहा कि गुजरात ने रिफाइनिंग, सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में अपनी क्षमता बढ़ाकर देश को मजबूत आधार दिया है। भारत की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 250 गीगावाट तक पहुंच चुकी है, जिसमें अकेले गुजरात का योगदान 50 गीगावाट है। देश की हरित ऊर्जा का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरात से आता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब देश ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया जैसे भविष्य के ऊर्जा क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और इसमें भी गुजरात की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि हजीरा को देश के बड़े समुद्री औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है और यह आत्मनिर्भर भारत का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है। मोदी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति देने के लिए सरकार ने कनेक्टिविटी पर विशेष ध्यान दिया है। वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस-वे, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) और बुलेट ट्रेन जैसी परियोजनाएं इसी सोच का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने राजनीतिक विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की जनता विकास को प्राथमिकता देने वाली सरकार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि हाल के पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी चुनावों सहित विभिन्न पंचायत, नगर निकाय और निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को व्यापक जनसमर्थन मिला है। उनके अनुसार, जनता ने अराजकता, अनिश्चितता और नकारात्मक राजनीति को नकार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पिछले 12 वर्षों से अराजकता और अनिश्चितता का माहौल बनाकर राजनीतिक अवसर तलाश रही है, लेकिन जनता लगातार उसे जवाब दे रही है। मोदी ने कहा कि गुजरात में कांग्रेस हाशिये पर पहुंच चुकी है और जिन राज्यों में उसकी सरकारें हैं, वहां भी जनता उसके शासन से असंतुष्ट है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के स्थानीय निकाय चुनावों का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां भी कांग्रेस को झटके लगे हैं। कर्नाटक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार के प्रति लोगों में नाराजगी है और इसी कारण पार्टी को अपना मुख्यमंत्री बदलना पड़ा।

तमिलनाडु में भाजपा छोड़ते ही अन्नामलाई ने नई पार्टी बनाई

• अगला चुनाव लड़ने का ऐलान; कहा- मतभेद थे

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने शुक्रवार को नई पार्टी बनाने का ऐलान किया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज में अन्नामलाई ने कहा कि आज हम एक आंदोलन शुरू करने जा रहे हैं। हमारी राजनीतिक पार्टी तमिलनाडु में 2031 में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

मेरे लिए यह तय करना बहुत मुश्किल था कि मैं बीजेपी का सदस्य रहूं या तमिल लोगों से जुड़ा रहूं। मैंने 4 दिसंबर 2025 को पार्टी को बताया कि मैं इस्तीफा देने जा रहा हूं। पार्टी ने मुझसे कहा कि पहले चुनाव हो जाने दें, फिर जाएं।

अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा से इस्तीफा दिया था। लेटर शुक्रवार को सामने आया। उन्होंने इस्तीफे की वजह बताते हुए लिखा कि पिछले 18 महीनों से आलाकमान के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। अब उनके विचार एक जैसे नहीं रहे।

अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के IPS अधिकारी रहे हैं। नौकरी छोड़कर 2020 में भाजपा से जुड़े। पार्टी ने पहले उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष और फिर अध्यक्ष बनाया। अन्नामलाई के रहते हुए बीजेपी ने 2021 और 2026 विधानसभा चुनाव लड़ा। दोनों ही चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 2फीसदी से ज्यादा नहीं बढ़ सका।

मोदी से प्रभावित होकर भाजपा में आया था

पीएम मोदी जी के नेतृत्व से प्रेरित होकर मैं 6 साल पहले भाजपा में शामिल हुआ था। मेरा मकसद तमिलनाडु में बदलाव लाना और राज्य में राजनीति के तौर-तरीकों को बेहतर बनाना था।

बदलाव की लहरें उठीं, लेकिन टिकी नहीं

मैं बीजेपी नेतृत्व का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझ जैसे युवा और अनुभवहीन व्यक्ति पर भरोसा करके बड़ी जिम्मेदारियां और नेतृत्व के पद सौंपे। राज्य की जनता कई दशकों से चली आ रही आम राजनीतिक चर्चाओं से ऊब चुकी थी और बदलाव चाहती थी। पिछले दशक में कई बार बदलाव की लहरें उठीं, लेकिन वे टिक नहीं पाईं।

पंजाब में प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी पर सख्ती

• केजरीवाल बोले-भगवंत मान सरकार का फैसला ऐतिहासिक

एजेंसी

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब सरकार के प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी पर रोक लगाने वाले फैसले की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर नकेल कसी है। पंजाब सरकार ने ज्यादा बढ़ाई गई फीस रिफंड करने के आदेश दिए हैं। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने पंजाब सरकार के इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि भगवंत मान सरकार ने एक बहुत अच्छा निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ऐसा कानून ला रही है, जिसके तहत कोई भी प्राइवेट

स्कूल एक साल में 5 प्रतिशत से ज्यादा फीस नहीं बढ़ा पाएगा। पिछले 3 साल में जिन स्कूलों ने 15फीसदी से ज्यादा फीस बढ़ाई है, उन्हें अभिभावकों को पैसे रिफंड करने पड़ेंगे। केजरीवाल ने कहा कि कभी सुना था कि किसी प्राइवेट स्कूल को आपके बैंक अकाउंट में रिफंड करना पड़ा। पहले दिल्ली में हुआ था, जब हमारी वहां सरकार बनी थी और बच्चों की फीस के पैसे रिफंड करवाए थे। अब पंजाब में होने जा रहा है। पंजाब सरकार ने निजी स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है, जिन्होंने निर्धारित सीमा से अधिक फीस वसूली है। सरकार ने ऐसे स्कूलों को अतिरिक्त वसूली गई फीस अभिभावकों को वापस करने के आदेश जारी किए हैं। अभिभावक संगठनों और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े कई लोगों ने सरकार के इस कदम का स्वागत किया है।

एमपी-यूपी में तेज आंधी के साथ बारिश

• राजस्थान में ओले: सड़कों पर पेड़ गिरे, कई जगह गाड़ियां दबीं

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के 11 राज्यों में आंधी-बारिश ने तबाही मचाई। मध्य प्रदेश के भोपाल में 70kmph की रफ्तार से तूफान आया। इससे कई इलाकों में 80 से ज्यादा पेड़ गिरे।

उत्तर प्रदेश के भी 12 शहरों में बारिश हुई, नोएडा में भी दोपहर बाद तेज हवाओं के कारण 400 पेड़ उखड़ गए। पेड़ गिरने कई जगह गाड़ियां दब गईं। रास्ते घंटों जाम रहे। राजस्थान के जयपुर में दिल्ली से 4 फ्लाइट डायवर्ट करनी पड़ीं। श्रीगंगानगर में ओले गिरे। दिल्ली-एनसीआर में भी खराब मौसम के कारण 11 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। इधर, हरियाणा के फरीदाबाद में फ्लाईओवर बनाने लगाई गई क्रेन तेज हवाओं के कारण पलट गई। इसमें 3 मजदूरों की मौत हो गई। बिहार के भागलपुर में बिजली गिरने से मां-बेटी की मौत हो गई। मौसम विभाग ने देश के 27 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, छत्तीसगढ़ भी शामिल हैं।

मध्य प्रदेश के भोपाल में करीब एक घंटे की बारिश के बाद सड़कें पानी में डूब गईं।

गर्मी खत्म नहीं हुई, राजस्थान के 11 जिलों में पारा 40°C पार

राजस्थान, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु के कुछ जिलों में अभी भी गर्मी के तेवर कम नहीं हुए हैं। राजस्थान के 11 जिलों में पारा 40 डिग्री से ऊपर रिकॉर्ड किया गया। श्रीगंगानर में पारा 44°C से ज्यादा रहा।

'मानवता और न्याय के सामने एआई सबसे बड़ी कानूनी चुनौती'

सीजेआई बोले- इस दशक के फैसले तय करेंगे भविष्य

• 'एआई शासन, व्यापार, युद्ध, संचार, सार्वजनिक प्रशासन और यहां तक कि न्यायिक एवं संप्रभु शक्तियों के इस्तेमाल को भी तेजी से प्रभावित कर रहा है।'

एजेंसी

भुवनेश्वर। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने एआई को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि एआई अब केवल एक कल्पनात्मक तकनीक नहीं, बल्कि एक वास्तविकता बन चुकी है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस दशक में लिए जाने वाले निर्णय तकनीक, शक्ति, स्वतंत्रता और न्याय के बीच

भविष्य के संबंधों को निर्धारित करेंगे। कानून की जिम्मेदारी बताई ब्रिटेन के बर्कबेक, लंदन विश्वविद्यालय में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड इंटरनेशनल लॉ' विषय पर आयोजित सार्वजनिक व्याख्यान में सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि तकनीक न तो स्वभाव से अच्छी होती है और न ही बुरी। इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि समाज उसे किस कानूनी, राजनीतिक और नैतिक ढांचे के भीतर उपयोग करता है। कानून की जिम्मेदारी तकनीकी प्रगति का विरोध करना या उसके सामने बिना सवाल झुक जाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी शक्ति संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक वैधता और मानवीय गरिमा के प्रति जवाबदेह बनी रहे। उन्होंने कहा कि एआई शासन, व्यापार, युद्ध, संचार, सार्वजनिक प्रशासन और यहां तक कि न्यायिक एवं संप्रभु शक्तियों के इस्तेमाल को भी तेजी से प्रभावित कर रहा है। सरकारें अब कल्याणकारी योजनाओं के आवंटन, आव्रजन आवेदनों के मूल्यांकन, सीमा निगरानी, वित्तीय नियमन और पुलिसिंग जैसे कार्यों में एल्गोरिदमिक प्रणालियों का उपयोग कर रही हैं। वहीं सेनाएं स्वायत्त सैन्य क्षमताओं का विकास कर रही हैं और अदालतें एआई से जुड़े साक्ष्यों, स्वचालित निर्णयों तथा डिजिटल न्यायिक प्रक्रिया जैसे सवालों से जूझ रही हैं।

मार्शल आशुतोष दीक्षित होंगे वाइस चीफ ऑफ द एयर स्टाफ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना में उच्च स्तर पर महत्वपूर्ण नियुक्ति की गई है। वर्तमान में चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (सीआईएससी) के पद पर कार्यरत एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को भारतीय वायुसेना का अगला वाइस चीफ ऑफ द एयर स्टाफ नियुक्त किया गया है। वह 1 जुलाई 2026 को अपना नया कार्यभार संभालेंगे। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित भारतीय वायुसेना के अत्यंत अनुभवी लड़ाकू पायलटों में गिने जाते हैं। दिसंबर 1986 में फाइटर स्ट्रीम में कमीशन प्राप्त करने के बाद उन्होंने लगभग चार दशक लंबे सैन्य करियर में

अनेक महत्वपूर्ण परिचालन, प्रशिक्षण और रणनीतिक जिम्मेदारियां निभाई हैं। उनके पास 3,300 से अधिक उड़ान घंटों का अनुभव है और उन्होंने विभिन्न लड़ाकू विमानों का संचालन किया है। अपने सैन्य जीवन के दौरान उन्होंने वायुसेना के कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दी हैं।

पटना फायरिंग केस: खान सर की बढ़ीं मुश्किलें
आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज

एजेंसी

पटना। पटना में दो कोचिंग संस्थानों के बीच चल रहे विवाद ने अब नया मोड़ ले लिया है। चर्चित शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई उनके कोचिंग संस्थान खान ग्लोबल स्टडीज (केजीएस) में हुई तोड़फोड़, पथराव और फायरिंग की घटना के बाद की गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही खान सर से भी पूछताछ की जा सकती है। इसके लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है। घटना मंगलवार देर रात की है, जब कुछ लोगों ने कथित तौर पर खान ग्लोबल स्टडीज परिसर में घुसकर तोड़फोड़ और पथराव किया। शुरुआती बयान में खान सर ने आरोप लगाया था कि प्रतिद्वंद्वी कोचिंग संस्थान से जुड़े लोगों ने फायरिंग की है। हालांकि बाद में उन्होंने कहा कि फायरिंग हुई थी या नहीं, इसकी पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। जांच के दौरान सामने आया कि घटना के समय संस्थान में तैनात दो सुरक्षा गार्डों ने राइफल से हवाई फायरिंग की थी। सोशल मीडिया पर फायरिंग का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने दोनों गार्डों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में गार्डों ने स्वीकार किया कि उन्होंने तोड़फोड़ और हमले से बचाव के लिए हवाई फायरिंग की थी। पुलिस ने उनके

हथियार जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिए हैं। पुलिस ने इस मामले में दहशत फैलाने और अवैध रूप से हथियारों के इस्तेमाल को लेकर अलग से एफआईआर दर्ज की है। वहीं, प्रतिद्वंद्वी कोचिंग संस्थान के निदेशक समेत तीन लोगों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। दूसरी ओर, विरोधी पक्ष ने आरोप लगाया है कि पूरी घटना की साजिश खुद खान सर ने रची थी और फायरिंग की कहानी गढ़ी गई थी।

बसपा प्रमुख मायावती ने हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में पार्टी संगठन की समीक्षा की

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर इकाइयों की समीक्षा बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने तथा चुनावी सफलता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बहुजन समाज के लोगों को अपने वोट की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का आह्वान करते हुए कहा कि वोट की हिफाजत आत्मसम्मान, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के समान है। लखनऊ स्थित बसपा के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित बैठक में दोनों राज्यों की संगठनात्मक गतिविधियों और जनाधार विस्तार की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की गई। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के अधूरे मिशन को पूरा करने के लिए बहुजन समाज को एकजुट करना और बसपा को मजबूत बनाना समय की आवश्यकता है। बैठक में हिमाचल प्रदेश में हाल ही में संपन्न स्थानीय निकाय चुनावों के बाद बने राजनीतिक परिदृश्य पर भी चर्चा हुई। पार्टी नेताओं ने दावा किया कि राज्य में कांग्रेस और भाजपा दोनों के प्रति जनता में असंतोष बढ़ रहा है, ऐसे में बसपा के सामने खुद को एक मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में स्थापित करने का अवसर है। जम्मू-कश्मीर इकाई की समीक्षा के दौरान पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किए जाने में हो रही देरी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा।

मेयर को ईमेल से बम की धमकी, एमसीडी मुख्यालय में मचा हड़कंप ; तलाशी में नहीं मिला कुछ संदिग्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर की आधिकारिक ईमेल आईडी पर बम धमाकों की धमकी मिलने के बाद प्रशासनिक और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। धमकी भरे ईमेल में दिल्ली और उसके आसपास के कुछ क्षेत्रों में विस्फोट होने का दावा किया था, इसके बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट मोड में आ गईं। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) और डॉग स्क्वॉड की टीमों को मौके पर भेजा गया। सुरक्षा बलों ने एमसीडी मुख्यालय, मेयर कार्यालय, भवन के कॉमन एरिया, पार्किंग परिसर और अन्य संवेदनशील स्थानों की व्यापक तलाशी ली। कई घंटों तक चले सघन सर्च अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु, विस्फोटक सामग्री या खतरे से जुड़ा कोई संकेत नहीं मिला। एमसीडी अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर परिसर में आने-जाने वाले लोगों की गतिविधियों पर भी नजर रखी गई और सुरक्षा व्यवस्था को अस्थायी रूप से और कड़ा किया गया। जांच पूरी होने के बाद स्थिति को सामान्य घोषित कर दिया गया, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां सतर्क बनी हुई हैं। मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस ने तकनीकी और साइबर जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञ ईमेल भेजने वाले व्यक्ति की पहचान करने और उसके स्रोत का पता लगाने में जुटे हैं। जांच एजेंसियां खंगाल रही हैं कि धमकी भरा संदेश देश के भीतर से भेजा गया या इसके लिए किसी विदेशी सर्वर का इस्तेमाल हुआ। प्रारंभिक जांच में किसी वास्तविक खतरे के संकेत नहीं मिले हैं। अधिकारियों का मानना है कि यह शरारत, अफवाह फैलाने या सुरक्षा एजेंसियों को भ्रमित करने की कोशिश हो सकती है। हालांकि, जांच पूरी होने तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से बचा जा रहा है।

अमेरिका में नीलाम हुआ चंडीगढ़ की विरासत से जुड़ा दुर्लभ फर्नीचर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ की विश्वप्रसिद्ध वास्तु और डिजाइन विरासत से जुड़ी मूल फर्नीचर वस्तुओं की अमेरिका में हुई नीलामी ने फिर संरक्षण और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। विरासत संरक्षण के लिए सक्रिय एडवोकेट अजय जग्गा ने मामले में केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने विदेश मंत्री और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री को पत्र लिखकर नीलाम की गई वस्तुओं की जांच कराने का आग्रह किया है। जग्गा के अनुसार, अमेरिका के राइट ऑक्शन हाउस में आयोजित नीलामी की जानकारी उन्होंने पहले ही संबंधित मंत्रालयों को दे दी थी। इसके बावजूद चंडीगढ़ की विरासत से जुड़ी सात दुर्लभ फर्नीचर वस्तुएं नीलाम कर दी गईं। ये सभी वस्तुएं प्रसिद्ध वास्तुकार और डिजाइनर पियरे जेनरे द्वारा डिजाइन की गई थीं, जिनका चंडीगढ़ के निर्माण और डिजाइन इतिहास में विशेष महत्व माना जाता है। जानकारी के मुताबिक, नीलामी में इन वस्तुओं की कुल बिक्री करीब 1.16 करोड़ रुपये में हुई। इनमें सबसे अधिक कीमत एक जोड़ी लाउंज चेयर को मिली, जो लगभग 37.80 लाख रुपये में बिकी। इन वस्तुओं को चंडीगढ़ की आधुनिक वास्तुकला और डिजाइन विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। जग्गा ने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों से विरासत फर्नीचर गायब होकर विदेशी नीलामी घरों और निजी संग्रहकर्ताओं तक पहुंच रहा है। उन्होंने मांग की है कि नीलाम की गई वस्तुओं के स्रोत और स्वामित्व की विस्तृत जांच कराई जाए। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए भारतीय दूतावासों को सतर्क किया जाए और चंडीगढ़ में मौजूद विरासत फर्नीचर को 'आर्ट ट्रेजर' घोषित कर विशेष कानूनी संरक्षण प्रदान किया जाए। इस घटनाक्रम ने देश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

मथुरा में आईआईटी गुरु गिरफ्तार, महिलाओं के शोषण और ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप

मथुरा (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मथुरा में धर्म और अध्यात्म की आड़ में महिलाओं के कथित शोषण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने ओडिशा निवासी 29 वर्षीय अभिषेक मिश्रा को गिरफ्तार किया है, जो खुद को 卐आदिकर्ता नारायण दास卐 नाम से धार्मिक गुरु और कथावाचक के रूप में दिखाता था। उस पर महिलाओं को अपने प्रभाव में लेकर उनका यौन शोषण करने, आपत्तिजनक सामग्री के जरिए ब्लैकमेल करने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप है। पुलिस के अनुसार, आरोपी मिश्रा ने आईआईटी रुड़की से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। इसके बाद आरोपी ने मथुरा के राधाकुंज क्षेत्र में रहकर धार्मिक प्रवचन देना शुरू। आरोपी सोशल मीडिया और 'राधा कृपा अमृत' नामक यूट्यूब चैनल के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच बनाई और खुद को आध्यात्मिक मार्गदर्शक के रूप में स्थापित किया। लेकिन पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया और धार्मिक कार्यक्रमों के जरिए युवतियों से संपर्क करता था। पुलिस का आरोप है कि वह धीरे-धीरे उन्हें अपने प्रभाव में लेकर परिवार से दूरी बनाने के लिए प्रेरित करता और फिर अपने साथ रहने के लिए तैयार कर लेता था। बताया जा रहा है कि उसके ठिकाने पर एक समय कई युवक और युवतियां साथ रह रहे थे।

लखनऊ गैंगरेप का मुख्य आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, पुलिस कार्रवाई में पैर में लगी गोली

लखनऊ (एजेंसी)। ,उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मॉल कर्मचारी युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुख्य आरोपी उपदेश लोधी उर्फ गहना को देर रात हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान निगोहां क्षेत्र में उसकी घेराबंदी की गई, जहां आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हुआ और गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, रामादेई खेड़ा मार्ग पर चेकिंग अभियान के दौरान सर्विलांस टीम और पुलिस को आरोपी के आने की सूचना मिली थी। बताया गया कि उपदेश लोधी ऑटो से भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस को देखकर लोधी ने ऑटो भागने का प्रयास किया, लेकिन वाहन असंतुलित होकर पलट गया। इसके बाद आरोपी ने कथित रूप से पुलिस पर गोली चलाई, जिसके जवाब में पुलिस ने कार्रवाई की। इस दौरान उसके पैर में गोली लगी और आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया गया।

पीएम मोदी के खिलाफ बयानबाजी कर सुर्खियों में आए खेड़ा को मिला राज्यसभा का टिकट

सीएम सरमा की पत्नी को लेकर विवादों में रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस द्वारा राज्यसभा चुनाव के लिए घोषित उम्मीदवारों की सूची में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा का नाम शामिल हो गया है। जिसकी राजनैतिक गलियारों में खूब चर्चा है। कर्नाटक से राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाए गए खेड़ा का संसद के उच्च सदन में पहुंचना लगभग तय है। पार्टी के इस फैसले को कांग्रेस नेतृत्व द्वारा अपने सबसे सक्रिय, मुखर और संघर्षशील नेता को दिया गया महत्वपूर्ण राजनीतिक सम्मान बताया जा रहा है।

पवन खेड़ा बीते कई वर्षों से कांग्रेस की ओर से भाजपा और केंद्र सरकार के खिलाफ सबसे प्रमुख आवाजों में शामिल रहे हैं। टीवी बहसों, प्रेस कॉन्फ्रेंसों और सार्वजनिक मंचों पर उन्होंने लगातार पार्टी का पक्ष मजबूती से रखा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हाल के वर्षों में उन्होंने खुद को कांग्रेस के प्रमुख प्रवक्ताओं में स्थापित किया है, जिसके चलते संगठन में उनका कद लगातार बढ़ा है।

वर्ष 2022 के राज्यसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद खेड़ा ने सोशल मीडिया पर निराशा जाहिर कर लिखा था कि शायद उनकी तपस्या में कोई कमी रही। उस समय उन्हें राज्यसभा नहीं भेजने को लेकर पार्टी के भीतर भी चर्चाएं हुई थीं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने संगठनात्मक और राजनीतिक स्तर पर अपनी सक्रियता को और बढ़ाया तथा कांग्रेस नेतृत्व के भरोसेमंद चेहरों में अपनी जगह मजबूत की।

बीते कुछ वर्षों में खेड़ा कई राजनीतिक और कानूनी विवादों के केंद्र में भी रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़े बयान को लेकर उनकी गिरफ्तारी राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रही थी। इसके अलावा असम में दर्ज विभिन्न मामलों और कानूनी चुनौतियों के दौरान भी कांग्रेस नेतृत्व उनके समर्थन में खुलकर खड़ा दिखाई दिया। पार्टी के भीतर धारणा बनी कि खेड़ा ने कठिन परिस्थितियों में भी संगठन का पक्ष मजबूती से रखा और राजनीतिक दबावों का सामना किया।

कांग्रेस के लिए राज्यसभा में प्रभावी वक्ताओं की जरूरत भी इस फैसले की एक महत्वपूर्ण वजह मानी जा रही है। खेड़ा अपनी तार्किक शैली, राजनीतिक मुद्दों पर पकड़ और आक्रामक प्रस्तुति के लिए जाने जाते हैं। माना जा रहा है कि संसद में वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता जयराम रमेश जैसे नेताओं के साथ मिलकर विपक्ष की आवाज को और मजबूत किया जाएगा।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के करीबी माने जाने वाले खेड़ा लंबे समय से कांग्रेस संगठन का हिस्सा हैं। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कार्यकाल से सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले खेड़ा ने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखी है। कर्नाटक जैसी सुरक्षित सीट से उम्मीदवार बनाए जाने को इस बात का संकेत माना जा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका देना चाहता है। राज्यसभा का यह टिकट न केवल उनकी राजनीतिक यात्रा का अहम पड़ाव है, बल्कि कांग्रेस की संगठनात्मक प्राथमिकताओं और नेतृत्व की रणनीति को भी दर्शाता है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने क्यों कहा... इस तरह से हाईकोर्ट की इमारत भी सुरक्षित नहीं रहेगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में पुलिस विभाग के आवासीय क्वार्टरों की जमीन पर निजी मालिकाना हक के दावे और कथित बिक्री से जुड़े मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने कड़ा रुख दिखाया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने याचिकाकर्ता की दलीलों पर तीखी टिप्पणी कर कहा कि यदि इसतरह के दावों को स्वीकार किया, तब भविष्य में सार्वजनिक संस्थानों की संपत्तियां भी सुरक्षित नहीं रहेगी। मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने कहा कि जिस जमीन पर वर्षों से पुलिस विभाग का कब्जा है और जहां पुलिसकर्मी रह रहे हैं, उस जमीन को बेचने का दावा करना गंभीर मामला है। अदालत ने कहा, 卐अगर इस तरह की चीजों की अनुमति दी गई, तब आगे चलकर हाईकोर्ट की इमारत भी सुरक्षित नहीं रहेगी। यह मामला शिवमोगा निवासी श्रीनाथ नगरगद्दे से जुड़ा है, जो पुलिस क्वार्टर की जमीन के कथित बिक्री प्रकरण में आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान उनके वकील ने तर्क दिया कि जमीन पर उनके मुवक्किल का वैध मालिकाना हक है और पुलिस का वहां रहना पूरी तरह से अनधिकृत है। इस पर अदालत ने नाराजगी जताकर कहा कि मामले की जांच जारी है और न्यायालय तथ्यों के आधार पर निर्णय लेगा। आरोपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एम. अरुण श्याम ने दावा किया कि जमीन वास्तव में एक अन्य आरोपी एम.आर. महालक्ष्मी की है। उनके अनुसार, महालक्ष्मी ने स्वयं को वैध मालिक बताकर कुछ लोगों के साथ बिक्री समझौते किए थे, जिन्हें बाद में आपराधिक मामले में आरोपी बनाया गया। वकील ने कहा कि सरकारी रिकॉर्ड और एन्कम्ब्रेन्स सर्टिफिकेट में भी संपत्ति का नाम कथित मालिकों के पक्ष में दर्ज है। बचाव पक्ष का कहना है कि 1950 से जमीन के रिकॉर्ड आरोपियों और उनके पूर्वजों के नाम पर दर्ज हैं। उन्होंने अदालत में चुनौती देकर कहा कि यदि राज्य सरकार जमीन पर अपने स्वामित्व का एक भी ठोस दस्तावेज पेश कर दे, तब उनके मुवक्किल मुकदमा वापस लेने को तैयार हैं। साथ ही, इस भूमि विवाद से जुड़े दो दीवानी मामले पहले से अदालतों में लंबित हैं।

लाखों अमरनाथ यात्रियों को मिलेगा डिजिटल सुरक्षा कवच

-जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लांच किया 'पहचान एप

जम्मू (एजेंसी)। आगामी अमरनाथ यात्रा को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 'पहचान' नामक विशेष मोबाइल एप लांच किया है। क्यूआर कोड आधारित डिजिटल पहल का उद्देश्य यात्रा मार्ग पर सेवाएं प्रदान करने वाले लोगों की पहचान और सत्यापन को आसान बनाना है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और भरोसेमंद सेवाएं मिल सकें।

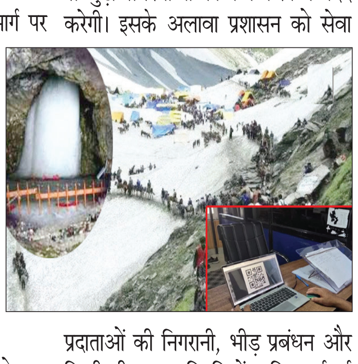

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एप के तहत घोड़े वाले, पिट्ठू, पालकी संचालक, दुकानदार, स्थानीय सेवा प्रदाता और यात्रा से जुड़े अन्य लोगों का पंजीकरण होगा। पंजीकरण के बाद प्रत्येक व्यक्ति को एक विशिष्ट क्यूआर कोड दिया जाएगा। श्रद्धालु या अधिकारी इस कोड को स्कैन कर संबंधित व्यक्ति की पहचान, पंजीकरण स्थिति और अन्य आवश्यक जानकारियों का तुरंत सत्यापन कर सकते है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हर वर्ष अमरनाथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं, जिसके चलते सुरक्षा और प्रबंधन की चुनौतियां भी बढ़ जाती हैं। इसतरह 'पहचान' एप फर्जी पहचान वाले लोगों और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे यात्रियों को केवल सत्यापित और अधिकृत सेवा प्रदाताओं से ही सेवाएं प्राप्त होंगी, जिससे उनकी सुरक्षा और विश्वास दोनों मजबूत होगा।

जम्मू-कश्मीर पुलिस का मानना है कि यह व्यवस्था यात्रियों से अधिक शुल्क वसूलने, सेवा संबंधी विवादों और पहचान से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मदद करेगी। इसके अलावा प्रशासन को सेवा प्रदाताओं की निगरानी, भीड़ प्रबंधन और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने में सुविधा मिलेगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा कि यात्रा प्रबंधन में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया जा रहा है। 'पहचान' एप इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाएगा। अधिकारियों को उम्मीद है कि नई डिजिटल प्रणाली से अमरनाथ यात्रा पहले से अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और श्रद्धालु-अनुकूल बनेगी तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रदर्शन पर हाईकोर्ट की तत्काल सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर भीड़ नियंत्रण संबंधी निर्देश जारी करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इंकार किया है। याचिका में पुलिस को प्रदर्शन स्थल और आसपास के प्रवेश मार्गों पर विशेष सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

यह मामला तब चर्चा में आया है जब व्यंग्यात्मक संगठन 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दिपके भारत पहुंचने वाले हैं। बताया जा रहा है कि वह शनिवार को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने के लिए अमेरिका से रवाना हुए हैं। हालांकि, प्रदर्शन के लिए औपचारिक अनुमति लिए जाने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

सेव इंडिया फाउंडेशन की ओर से दायर याचिका का उल्लेख अवकाशकालीन पीठ के समक्ष किया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से मामले की तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया, लेकिन अदालत ने अनुरोध को स्वीकार नहीं किया। इसके बाद प्रदर्शन और उससे जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

दिपके ने मई में ऑनलाइन अभियान की शुरुआत की थी, जिसने सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रियता हासिल की। यह अभियान न्यायपालिका से जुड़ी टिप्पणी के बाद शुरू हुआ था और देखते ही देखते बड़ी संख्या में युवाओं का ध्यान आकर्षित करने लगा। संगठन ने हाल ही में अपने प्रवक्ताओं की भी नियुक्ति की है और राजधानी में एक प्रेसवार्ता आयोजित कर अपनी गतिविधियों को सार्वजनिक रूप से सामने रखा।

दिपके ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने समर्थकों से अपील की है कि वे दिल्ली हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए एकत्रित न हों। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य शांतिपूर्ण और कानून के दायरे में रहकर अपनी बात रखना है। उन्होंने संकेत दिया कि वह संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर प्रदर्शन के लिए आवश्यक अनुमति प्राप्त करने का प्रयास करने वाले है। इस बीच, प्रशासन संभावित भीड़ को देखते हुए स्थिति पर नजर बनाए हुए है। पुलिस और अन्य एजेंसियां कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक तैयारियों का आकलन कर रही हैं। फिलहाल सभी की निगाहें शनिवार को प्रस्तावित कार्यक्रम और उससे जुड़े घटनाक्रम पर टिकी हुई हैं।

उमर की गोपनीय बैठक से बढ़ीं राजनीतिक चर्चाएं, विधायकों संग तय की आगे की रणनीति

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित की गई विशेष बैठक ने प्रदेश की राजनीति में नई सुगबुगाहट पैदा कर दी है। श्रीनगर से करीब 22 किलोमीटर दूर स्थित क्षेत्र को बैठक के लिए चुनने और वहां सीमित संचार सुविधा होने के कारण राजनीतिक हलकों में कई तरह के कयास लग रहे हैं। बैठक में नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों, मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बैठक को सरकार और संगठन के कामकाज की समीक्षा के लिए आयोजित बताया। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह केवल प्रशासनिक समीक्षा तक सीमित नहीं थी, बल्कि राज्य का दर्जा बहाल करने, पार्टी के राजनीतिक एजेंडे और संगठन के भीतर उभर रही चुनौतियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिलाने के मुद्दे पर विशेष जोर दिया गया। पार्टी नेताओं ने माना कि जनता ने जिन उम्मीदों के साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस को समर्थन दिया था, उन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए राज्य के अधिकारों की बहाली को लेकर और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की जरुरत है।

दीदी के नाम पर मलाई चाटने वाले नेता धोखेबाज निकले: महुआ

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सत्ता हाथ से निकलने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर छिड़ा आंतरिक कलह अब एक बड़े राजनीतिक संकट में तब्दील हो चुका है। पार्टी के बागी विधायकों के खेमे ने ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुन लिया है। इस बीच ममता बनर्जी को उस समय एक बड़ा झटका लगा, जब विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ बोस ने पार्टी से निष्कासित विधायक ऋतब्रत बंदोपाध्याय के नेतृत्व वाले 58 विधायकों के गुट को मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता दे दी। इस पूरे घटनाक्रम पर अब टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा का तीखा बयान सामने आया है, जिन्होंने बागी विधायकों पर बेहद कड़ा प्रहार किया है।सांसद महुआ मोइत्रा ने बागी गुट के नेताओं और ऋतब्रत बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन नेताओं ने सालों तक ममता बनर्जी के नाम पर मलाई खाई, वही आज पार्टी की पीठ में छुरा घोंप रहे हैं।

महुआ ने साफ शब्दों में कहा कि इन नेताओं को सिर्फ सत्ता में बने रहने की आदत हो चुकी है, यही वजह है कि ये लोग विपक्ष में रहकर संघर्ष करने के बजाय अपने लिए एक सेफ रूट तलाश रहे हैं। बागी विधायकों को खरी-खोटी सुनाते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग किसी काम के नहीं हैं और पार्टी में रहकर सिर्फ ममता दीदी के करिश्मे के भरोसे आगे बढ़ते रहे। उन्होंने बागियों को चुनौती देते हुए कहा, जाना है तो आज ही जाइए। ऋतब्रत कांग्रेस में शामिल हो जाइए या जो मन आए वो करिए, लेकिन खुद को तृणमूल कांग्रेस कहने का अधिकार आपको बिल्कुल नहीं है। इस दौरान महुआ मोइत्रा ने भाजपा पर पार्टी को तोड़ने की बड़ी साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि वे कभी तृणमूल के सिपाही हुआ करते थे, इसलिए उन्हें हर एक विधायक की कमजोरी अच्छी तरह पता है और भाजपा इसी का फायदा उठा रही है।

मोइत्रा ने दावा किया कि सबीना यास्मिन और जावेद खान जैसे नेताओं को केंद्रीय एजेंसियों और गिरफ्तारी की धमकियां देकर डराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सबीना यास्मिन को मोताबारी हिंसा के मामले में एनआईए द्वारा पकड़े जाने का डर दिखाया गया, जबकि जावेद खान को इलाके में अवैध निर्माण के मामले में उनके बेटे सहित गिरफ्तार करने की धमकी दी गई। उन्होंने कहा कि इन नेताओं में 15 साल तक सत्ता में रहने के बाद विपक्ष में बैठने की हिम्मत नहीं बची है।पार्टी के भीतर मचे इस भारी घमासान के बावजूद महुआ मोइत्रा ने भरोसा जताया कि टीएमसी बिखरने वाली नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ममता बनर्जी और उनका कोर ग्रुप ही असली पार्टी है और वे सभी मिलकर नए सिरे से शुरुआत करेंगे। चुनाव आयोग द्वारा बागी गुट को मान्यता दिए जाने और भविष्य में पार्टी सिंबल छिनने के खतरे पर मोइत्रा ने दृढ़ता से कहा, जब ममता बनर्जी ने कांग्रेस छोड़ी थी, तब उन्होंने सिर्फ एक पेन और कागज उठाकर खुद यह सिंबल बनाया था और जीत हासिल की थी। जो महिला खुद अपना सिंबल बनाकर चुनाव लड़ सकती है और तीन बार मुख्यमंत्री बन सकती है, वह दोबारा लड़कर नया सिंबल भी बना लेगी। हमें इसकी कोई परवाह नहीं है, वे कोई भी तस्वीर या सिंबल ले लें, लेकिन वे कभी भी असली तृणमूल कांग्रेस नहीं बन पाएंगे।

गडकरी के हाथों होगा एशिया की सबसे लंबी जोजिला सुरंग का शिलान्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 9 जून को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की सीमा पर स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जोजिला सुरंग के शिलान्यास समारोह में शामिल हो रहे है। राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोजिला दर्रे को काटकर बनाई जाने वाली यह सुरंग कश्मीर के गांदरबल जिले के बाल्टल को लद्दाख के कारगिल जिले के मीनामर्ग से जोड़ेगी।

यह 13.15 किलोमीटर लंबी सुरंग तीन घंटे से अधिक के सफर को घटाकर मात्र 15 मिनट का करेगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 6,808.69 करोड़ है। पूरा होने पर, यह भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग होने के साथ-साथ 11,578 फीट की ऊंचाई पर स्थित एशिया की सबसे लंबी द्विदिशात्मक सुरंग भी बनेगी। यह परियोजना श्रीनगर और लेह के बीच सर्व-मौसम संपर्क स्थापित करने की भारत की योजना के लिए केंद्रीय महत्व रखती है। इस सुरंग से लद्दाख क्षेत्र में तैनात बलों के लिए सैन्य गतिशीलता और रसद सहायता में उल्लेखनीय सुधार होगा, साथ ही यह क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। रणनीतिक दृष्टि से, यह नियंत्रण रेखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा के निकट स्थित सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों और आपूर्ति की आवाजाही को भी तेज करेगी।

हालांकि, परियोजना ने अतीत में कई बाधाओं का सामना किया है। मई 2018 में प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी आधारशिला रखी थी, लेकिन इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएल एंड एफएस) को मिला ठेका जनवरी 2019 में कंपनी के वित्तीय संकट के कारण रद्द हुआ था। इसके बाद, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने परियोजना को विशेषज्ञ समूह द्वारा समीक्षा के लिए भेजा, और रिपोर्ट को मंजूरी मिलने के बाद, जून 2020 में नए सिरे से बोलियां आमंत्रित की गईं। महामारी, पास के सोनमर्ग सुरंग परियोजना पर हुए आतंकवादी हमले और खराब मौसम जैसी चुनौतियों के कारण भी परियोजना की प्रगति प्रभावित हुई है। हालांकि, अधिकारी ने फरवरी 2028 की समय सीमा से पहले पहुंच मार्ग और वेंटिलेशन सिस्टम सहित पूरी सड़क परियोजना के चालू होने पर कोई अतिरिक्त जानकारी देने से इंकार किया।

बंगाल की बगावत से गदगद भाजपा, बदलेंगे संसद में समीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर असंतोष इस कदर बढ़ गया है कि पार्टी अब टूटने की कगार पर पहुंच गई है। टीएमसी के इस उभरते आंतरिक संकट ने न केवल राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है, बल्कि भारतीय जनता पार्टी भी इसे राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़े अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि यदि टीएमसी में विभाजन होता है, तो इसका सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार को संसद में मिल सकता है, जहां कई महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन विधेयकों को पारित कराने के लिए अतिरिक्त संख्या बल की आवश्यकता है।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करना ही एकमात्र लक्ष्य नहीं है, बल्कि असली ध्यान संसद में अपनी स्थिति को मजबूत करने पर है। यदि टीएमसी का असंतुष्ट गुट अलग होकर नया समूह बनाता है, तो उसके सांसद राष्ट्रीय हितों से जुड़े मसलों पर एनडीए सरकार का समर्थन कर सकते हैं। टीएमसी के भीतर मतभेद उस समय खुलकर सामने आए जब कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित किए गए नेता रितब्रत बनर्जी ने पार्टी के 80 में से 58 विधायकों के समर्थन का दावा करते हुए विपक्ष के नेता पद पर अपना दावा ठोक दिया। बाद में उन्होंने इस संख्या के 60 तक होने की बात कही, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए एक गंभीर राजनीतिक चुनौती है।

बीजेपी इस स्थिति की तुलना महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विभाजन से कर रही है, जिसने वहां राजनीतिक समीकरण बदल दिए थे। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी (आप) में हुए हालिया घटनाक्रम का भी हवाला दिया जा रहा है, जहां राज्यसभा के कई सांसद अलग होकर सरकार के करीब आए। संसद में संख्या बल बढ़ाने की यह कवायद इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अप्रैल में लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण और सदन की सदस्य संख्या 545 से बढ़ाकर 850 करने से संबंधित संविधान (131वां संशोधन) विधेयक आवश्यक दो-तिहाई बहुमत न मिलने के कारण पारित नहीं हो सका था। इसके अलावा सरकार वन नेशन, वन इलेक्शन विधेयक को भी आगे बढ़ाने की तैयारी में है।

इसी रणनीति के तहत भाजपा दक्षिण भारत में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के साथ भी संपर्क बढ़ाने की कोशिशों में जुटी है। गृह मंत्रालय परिसीमन विधेयक का ऐसा नया मसौदा तैयार कर रहा है, जिससे दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर किया जा सके। पूर्व में कांग्रेस, टीएमसी और डीएमके समेत पूरे विपक्षी गठबंधन ने एकजुट होकर इस विधेयक का विरोध किया था। वर्तमान में टीएमसी के 28 और डीएमके के 22 सांसद हैं। यदि विपक्षी दलों में मतभेद उभरते हैं और टीएमसी का असंतुष्ट गुट एनडीए के पक्ष में आता है, तो सरकार के लिए संवैधानिक संशोधनों के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत का लक्ष्य हासिल करना बेहद आसान हो जाएगा।

फोटो देख खौला पति का खून, काट डाला था प्रेमी, पेट्रोल से जलाया शव

कौमी पत्रिका

फतेहपुर। फतेहपुर में प्रेम-प्रसंग के एक ऐसे खौफनाक अध्याय का खुलासा हुआ है, जिसे सुनकर पुलिस के भी होश उड़ गए। सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक आपत्तिजनक फोटो ने एक पति के अंदर का दरिंदा जगा दिया, जिसके बाद पति-पत्नी ने मिलकर मौत की ऐसी पटकथा लिखी जो किसी सस्पेंस फिल्म को भी मात दे दे। यूट्यूब से सबूत मिटाने के तरीके सीखने से लेकर ग्राइंडर मशीन से शव के टुकड़े करने तक, इस दंपती ने कत्ल की एक ऐसी मास्टरक्लास रची, जिसे देख कानून के रखवालों की भी रूह कांप गई। आठ महीने चले प्रेम का अंत एक ऐसे भयावह मंजर पर हुआ, जहां प्यार की जगह सिर्फ खून, पेट्रोल और जलते हुए अवशेष ही बचे। आइए जानते हैं पूरी कहानीज सिर्फ एक बार ही विजय और किरन की नजरें मिली थीं। इसके बाद दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया। पति के गुजरात में होने पर दोनों आठ माह तक खूब मिले। साथ जीने मरने की कसमें खाईं और अलग दुनिया बसाने की भी सोचने लगे। इसी बीच सोशल मीडिया पर वायरल हुई पत्नी की फोटो पति के पास पहुंच गई। इस पर पति घर आया और पत्नी को जमकर खरीखोटी सुनाई। इस तकरार के बाद पत्नी का प्रेम पति से उमड़ पड़ा और उसने प्रेमी विजय को घर बुलाया। यहां पति के साथ मिलकर उसे ग्राइंडर मशीन से काट डाला। इसके बाद शव के टुकड़ों को बोरे में भरकर पेट्रोल डालकर जंगल में आग लगा दी। एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने सोमवार को पुलिस लाइन में खुलासा करते हुए बताया कि बकेवर थाना क्षेत्र के टिकरा गांव निवासी विजय निषाद (20) पुत्र इंद्रपाल आठ मई को घर से हमीरपुर जाने की बात कहकर निकला था। इसके बाद से वह लापता हो गया। 10 मई को परिजन की तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज की गई थी। जांच में हमीरपुर जिले के कुरारा थाना क्षेत्र के मनकी गांव निवासी कामता निषाद और पत्नी किरन पर संदेह हुआ। पूछताछ में सामने आया कि किरन और विजय के बीच करीब आठ माह से प्रेम-प्रसंग था। पति को जानकारी होने पर वह गुजरात से नौकरी छोड़कर गांव लौट आया। पति-पत्नी के बीच प्रेम-प्रसंग की बात पर विवाद बढ़ गया। इसके बाद दोनों ने मिलकर विजय की हत्या की साजिश रची। पुलिस के अनुसार आठ मई को किरन ने फोन कर विजय को घर बुलाया। यहां पहले से मौजूद पति कामता ने लकड़ी के चौखट से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। शव को घर में छिपाकर रखा गया। देर रात शव को ठिकाने लगाने के लिए बोरे में भरा गया, लेकिन गर्मी अधिक होने के कारण हाथ-पैर अकड़ गए। इसके बाद दंपती बाजार से ग्राइंडर मशीन खरीदकर लाए और हाथ-पैर घर में ही काटे। शव को कानपुर क्षेत्र के रेउना थाना क्षेत्र के तहरापुर गुरैया जंगल में ले जाकर पेट्रोल डालकर जला दिया गया। आरोपियों ने विजय का मोबाइल, पैनकार्ड, एटीएम कार्ड, जूते और चश्मा भी नष्ट कर खेतों में छिपा दिया था। पुलिस ने कॉल डिटेल और अंतिम लोकेशन की मदद से आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद दोनों को न्यायालय में पेश किया गया। यहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। एसपी ने पुलिस टीम को 25 हजार रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी दंपती ने हत्या की साजिश यूट्यूब देखकर रची थी। पूछताछ में दोनों ने जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि उन्होंने इंटरनेट और यूट्यूब के जरिये हत्या के बाद सबूत मिटाने के तरीके, पकड़े जाने पर लगने वाली धाराओं, उनसे बचने के उपाय, सजा की अवधि और जेल में मिलने वाली सुविधाओं तक की जानकारी सर्च की थी। आरोपी महिला ने पुलिस को बताया कि विजय की उसके पड़ोसी के यहां रिश्तेदारी थी। इसके चलते उसका गांव आना-जाना था और इसी दौरान दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग हो गया। विजय बार-बार उसके मोबाइल पर फोन करता था। इससे पति-पत्नी के बीच विवाद होने लगा। महिला ने बताया कि परेशान होकर उसने पति के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। महिला का आरोप है कि विजय ने कुछ महीने पहले किसी तीसरे के शक में उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल कर दी थीं। यह तस्वीर सोशल मीडिया के जरिये गुजरात में रह रहे उसके पति तक पहुंच गई थीं। इसके बाद पति ने नौकरी छोड़कर गांव लौटने के बाद विवाद बढ़ गया। विजय निषाद के परिजन ने पुलिस जांच पर सवाल उठाते हुए दावा किया है कि हत्या में केवल दंपती ही नहीं बल्कि अन्य लोग भी शामिल हैं। परिजन का कहना है कि गांव के लोगों ने विजय को कई लोगों द्वारा पीटे जाने की बात बताई थी। उनका यह भी आरोप है कि आरोपी महिला गर्भवती है और पति के पैर में रॉड लगी है। ऐसे में दोनों अकेले पूरी घटना को अंजाम नहीं दे सकते। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद पुलिस ने विजय का फोन ट्रेस किया, जिसकी लोकेशन बार-बार बदल रही थी। कॉल डिटेल में किरन और विजय के बीच कई बार बातचीत सामने आई। जब पुलिस ने किरन को फोन किया, तो वह घबरा गई और कॉल काट दिया। इसके बाद पुलिस ने शक के आधार पर दंपती को गिरफ्तार कर लिया। दोनों की निशानदेही पर शव के अवशेष, घटना में प्रयुक्त बाइक, मोबाइल, ग्राइंडर मशीन और लकड़ी का चौखट बरामद किया गया है। जांच में सामने आया है कि विजय का किरन देवी से प्रेम-प्रसंग था। इसे लेकर पति कामता प्रसाद निषाद उससे रंजिश रखता था। आठ मई को किरन ने विजय को घर बुलाया। यहां पहले से मौजूद कामता प्रसाद ने लकड़ी के चौखट से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद ग्राइंडर मशीन से हाथ-पैर काटकर शव को बोरे में भरकर पेट्रोल डालकर जंगल में जला दिया था।

दो बीवियों के चक्कर में पड़ कर पुलिस वाले ने नौकरी गंवाई, सुप्रीम कोर्ट में प्रख्यात वकील डॉ. ए पी सिंह की चली दलीलें

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। एसटीफ में अनुसूचित जाति के कार्यरत पुलिस कर्मी का प्रेम प्रसंग शुरू हुआ और उसने 8 जून 2012 को उससे शादी करी, फिर एक साल बाद उसने दूसरी शादी 2 जून 2013 को दूसरी लड़की के साथ की, पहली पत्नी के मायके वालो ने पुलिस अधीक्षक, एस टी एफ मे शिकायत दर्ज कराई, विभागीय जांच में पाया गया कि एक पत्नी के जीवित रहते दूसरा विवाह करना पुलिस हस्तक नियम 707 ए (1) एवं सरकारी सेवक आचार नियमावली 1976 का नियम 23 का उल्लंघन, अनुशासन हीनता, स्वेच्छाचारिता, सरकारी सेवक आचार नियमावली आदि का उल्लंघन एवं अच्छे पुलिस कर्मी नहीं होने के कारण उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया, दिनांक 6 जनवरी 2021 को पुलिस उप महानिरीक्षक, एस टी एफ ने मामले की समीक्षा की और पाया कि अपचारी के विरुद्ध लगाया गया आरोप पूर्णतया प्रमाणित है तथा अपचारी को पूर्णतया दोषी पाया गया, इस प्रमाणित आरोप के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा पारित सेवा से बर्खास्तगी का दंडादेश उचित एवं पर्याप्त पाया गया तथा पुनरीक्षण अभ्यावेदन निरस्त किया गया, बर्खास्त पुलिस कर्मी हाई कोर्ट की शरण में गया वहां भी उसे कोई राहत नहीं मिली और याचिका खारिज कर दी गई, बर्खास्त पुलिस कर्मी ने हाई कोर्ट की डबल बेंच के समक्ष अपील की जिसको जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंदा सेन की दो जजों की विशेष खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध हुआ लेकिन दिनांक 2 अगस्त 2023 को उन्होंने बर्खास्त पुलिसकर्मी को किसी प्रकार की राहत देने से साफ इनकार कर दिया सभी जगह से थक हार कर बर्खास्त पुलिसकर्मी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख करना बेहतर समझा और सुप्रीम कोर्ट के जाने माने वकील डॉ. ए पी सिंह के माध्यम से स्पेशल लीव पिटिशन सिविल दायर की मामले में राज्य सरकार के प्रिंसिपल सचिव, डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस एवं पुलिस अधीक्षक को प्रतिवादी बनाया गया, मामला सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस उज्जवल भूयन के समक्ष सूचीबद्ध हुआ, वकील डॉ. ए पी सिंह ने बर्खास्त पुलिस कर्मी की कर्तव्य निष्ठा का हवाला दिया और कहा कि उसे कई बार वरीय पदाधिकारियों से पुरस्कृत किया गया, बम डिस्पोजल टीम में कार्यरत रहने के दौरान इसके द्वारा कई अवसरों पर निपुणता पूर्वक बम निष्क्रिय किए गए उन्होंने कहा कि उनके मुवक्किल के साथ विभाग द्वारा सरासर अन्याय हुआ है। नियमों को ताक पर रखकर अनुशासनहीनता का ठप्पा लगाकर कैरियर बर्बाद करने की कोशिश की गई, एक ईमानदार पुलिस कर्मी को साजिशन फंसाया गया। डॉ. सिंह की दलीलों को मद्देनजर रखते हुए जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस उज्जवल भूयन की बेंच ने सभी प्रतिवादियो को नोटिस जारी करते हुए पुलिस कर्मी की बर्खास्तगी पर जवाब मांगा है, बर्खास्त पुलिस कर्मी को अब जाकर न्याय की उम्मीद लगी, और उसने राहत की सांस ली।

सिलबट्टे से की पत्नी-बेटियों की हत्या, कोर्ट ने सुनाया फांसी का फरमान

महोबा। महोबा जिले में पत्नी व दो बेटियों की सिलबट्टे से कूंचकर हत्या करने के करीब तीन साल पुराने मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/एफटीसी अपर्णा त्रिपाठी-द्वितीय ने दोषी देवेंद्र को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। अदालत ने इस मामले को दुर्लभ से दुर्लभतम मामला मानते हुए सजा सुनाई। ग्राम नौरंगा निवासी हरिप्रसाद पांचाल ने शहर कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि उसने अपनी पुत्री रामकुमारी की शादी करीब 12 साल पहले देवेंद्र विश्वकर्मा के साथ की थी। शादी के बाद दामाद पुत्री से अच्छा व्यवहार करता था, लेकिन एक साल पहले से वह उसे परेशान करने लगा था। 17 जुलाई 2023 की रात्रि करीब आठ बजे देवेंद्र ने विवाद के चलते पत्नी व बच्चियों नौ वर्षीय आयुषि व छह वर्षीय सोनाक्षी की सिलबट्टे से कूंचकर हत्या कर दी। इसके बाद वह फरार हो गया। वह कपड़ों आदि की फेरी लगाने का काम करता था। उधर घटना के दिन देवेंद्र के पिता ठाकुरदीन का कहना था कि इनके बीच खाने को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और विवेचना के बाद आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किए। बुधवार को मामले की सुनवाई के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/एफटीसी अपर्णा त्रिपाठी-द्वितीय ने दोषी देवेंद्र को फांसी की सजा सुनाई है।

बरेली में पकड़ा गया सॉल्वर, डेढ़ लाख में सौदा कर दूसरे की जगह देने आया था परीक्षा

बरेली। बरेली में ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर (टीजीटी) परीक्षा के पहले ही दिन सॉल्वर ने सेंध लगा दी। बुधवार को पहली पाली के दौरान इस्लामिया गर्ल्स इंटर कॉलेज में एक सॉल्वर पकड़ा गया है। आरोपी प्रमोद आजमगढ़ जिले का निवासी है। यह युवक विमल सिंह नामक परीक्षार्थी की जगह परीक्षा दे रहा था। सुरक्षा एजेंसी द्वारा की जा रही बायोमेट्रिक जांच में उसकी पोल खुल गई। पूछताछ में प्रमोद ने कबूल किया कि यह सौदा डेढ़ लाख रुपये में तय हुआ था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोतवाली ले आई। पुलिस उससे गहन पूछताछ कर रही है। जांच पूरी होने तक उसे मीडिया से दूर रखा गया है। सॉल्वर के पकड़े जाने की सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी कॉलेज पहुंचे और घटना की पुष्टि की। बताया कि आरोपी ने दूसरे के आधार कार्ड पर अपना फोटो लगा रखा था। बरेली जिले में बुधवार को बीस केंद्रों पर टीजीटी परीक्षा आयोजित की गई। यह परीक्षा दो दिन में चार पालियों में होनी है। इसके लिए कुल 32,365 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। प्रशासन ने कड़ी निगरानी के दावे किए थे। इसके बावजूद पहली पाली में ही सॉल्वर पकड़ा गया। परीक्षार्थियों को केंद्रों पर कड़ी तलाशी के बाद ही प्रवेश दिया गया था। सुबह नौ बजे से शुरू हुई यह पाली 11:30 बजे तक चली। परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों ने प्रश्नपत्र का स्तर सामान्य बताया। बरेली कॉलेज में अपर जिलाधिकारी (शहर) अविनाश त्रिपाठी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था। परीक्षा केंद्रों को चार जोन में बांटा गया था। इन जोनों में अपर जिलाधिकारी (वित्त), अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), नगर मजिस्ट्रेट और उपायुक्त, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को तैनात किया गया था। परीक्षा छूटने के बाद बरेली कॉलेज समेत अन्य केंद्रों के बाहर भीषण जाम लग गया। रेलवे स्टेशन और रोडवेज बस अड्डे पर भी भारी भीड़ देखी गई।

शवों के पास गत्ते पर लिखा था; सामूहिक मर्डर मिस्ट्री में नया मोड़

प्रयागराज। प्रयागराज के साउथ मलाका स्थित बंद मकान में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या के मामले में जांच के दौरान नया मोड़ सामने आया है। पुलिस को घटनास्थल के पास एक गत्ता रखा मिला जिस पर लिखा था, बंटी बबली बहू ने मारा है। इस सुराग के बाद पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। लिखावट का मिलान कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, ताकि पता लगाया जा सके कि यह किसने लिखा था। जांच में यह भी सामने आया कि मृतक वीरेंद्र कुमार वैश्य के छोटे बेटे अश्विनी ने करीब 15 वर्ष पहले रितु यादव नाम की युवती से प्रेम विवाह किया था। अश्विनी और रितु वर्ष 2024 में धोखाधड़ी के एक मामले में कौशांबी जेल भी जा चुके हैं। उन पर मेट्रिमोनियल साइट के जरिये लोगों से ठगी करने का आरोप लगा था। स्थानीय स्तर पर दोनों को बंटी-बबली नाम से जाना जाता था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पारिवारिक संबंधों में लंबे समय से तनाव था। करीब 15 महीने पहले वीरेंद्र कुमार वैश्य ने अपने छोटे बेटे अश्विनी को संपत्ति से बेदखल कर दिया था। ऐसे में पुलिस संपत्ति विवाद, पारिवारिक रंजिश और घटनास्थल से मिले संदेश को जोड़कर जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही हत्या के कारणों की स्थिति सामने आएगी। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि अश्विनी और रितु के खिलाफ मंझनपुर और पश्चिमशरीरा कोतवाली में एफआईआर दर्ज हैं। अश्विनी और रितु ने प्रतिष्ठित मेट्रिमोनियल वेबसाइटों पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों को अपने जाल में फंसाया। फिर करोड़ों रुपये की ठगी की। दोनों आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। वर्ष 2024 में पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। फिलहाल अश्विनी कौशाम्बी जेल में बंद है, जबकि पत्नी का पता नहीं चल सका है। बंटी-बबली बहू ने मारा... पुलिस को आशंका है कि यह की स्थिति सामने आएगी। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि अश्विनी और रितु के खिलाफ मंझनपुर और पश्चिमशरीरा कोतवाली में एफआईआर दर्ज हैं। अश्विनी और रितु ने प्रतिष्ठित मेट्रिमोनियल वेबसाइटों पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर सुराग कहीं जांच की दिशा भटकाने के लिए तो नहीं छोड़ा गया। जांच से जुड़े सूत्रों का कहना है कि यह भी संभव है कि हत्यारों ने जानबूझकर किसी व्यक्ति या परिवार को संदेह के घेरे में लाने के लिए यह खेल किया हो।

NAME CHANGE

I, Km. Rinki D/o Virendra Singh R/o 382/5, Third Floor, Left side Portion , Govind Puri, Kalkaji, New Delhi-110019 have changed my name to Rinki Tomar for all future purposes

NAME CHANGE

I,MUNNA SINGH S/O JAGDISH SINGH R/O H.NO - 198 Haddu Mohalla, Madanpur Khadar, Near Shiv Mandir, Sarita Vihar, Sarita Vihar, South Delhi, Delhi -110076 have changed the name of my minor Daughter SONI aged 17 years and she shall hereafter be known as SONI SINGH .

NAME CHANGE

I, ANNAMMA Mother of JC-442027M, Rank-SUB, Name-BE BALARAJU residing at H.NO-1/73, VILL-MUDDANAGERI, PO-ALUR, TEHSIL & DIST-KURNOOL, ANDHRA PRADESH-518395, have changed my name from ANNAMMA to ERLA ANNAMMA for all future purposes vide Affidavit dated 05/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, E MARIAPPA father JC-442027M, Rank-SUB, Name-BE BALARAJU residing at H.NO-1/73, VILL-MUDDANAGERI, PO-ALUR, TEHSIL & DIST-KURNOOL, ANDHRA PRADESH-518395, have changed my name E MARIAPPA to ERLA MARIYAPPA for all future purposes vide Affidavit Dated 05/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Kasif Elahi S/o Manzoor Elahi R/o 10001, Gali Nal Wali, Nawab Ganj, Azad Market, Delhi-110006 have changed my name to Kashif Elahi for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Nayma Kasif w/o Kashif Elahi R/o 10001, Gali Nal Wali, Nawab Ganj, Azad Market, Delhi-110006 have changed my name to Naima Kashif for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NAVIN KUMAR S/O SHIV LAL GUPTA R/O FLAT NO-152, VEDANTA, PLOT NO-6C, NEAR PARAMOUNT INTERNATIONAL SCHOOL, SECTOR-23,DWARKA-110075, HAVE CHANGED MY NAME TO NAVEEN KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, NAVNEET BHATIA W/O TEJINDER SINGH R/O HOUSE NO-47,GROUND FLOOR, BACK SIDE, INDRAPRASTHA COLONY, SECTOR-30-33, FARIDABAD, HARYANA-121003, HAVE CHANGED MY NAME TO NAVNEET KAUR FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE

Public at large is hereby informed that my clients (1) Sh. Rajesh Gupta S/o Late Sh. Chatar Pal Gupta (2) Smt. Usha Gupta W/o Sh. Rajesh Gupta, both R/o A-9, Anand Vihar, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have severed all their relations and debarred/disowned their son Sh. Ashwani S/o Sh. Rajesh Gupta and his wife Smt. Leena Gera, both R/o A-9, Anand Vihar, Uttam Nagar, New Delhi-110059 due to their disobedience, misconduct and misbehavior from their moveable & immoveable properties. If anyone deals with them on behalf of my clients, he/she will do so at his/her own risk, cost and consequences. My clients shall not be responsible in any manner whatsoever for the same and shall have no liability and responsibilities

PRAGATI SHIVAJI ADVOCATE
Chamber No.L-12A,
Tis Hazari Courts,
New Delhi-110054

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय श्रीमती सीता, वार्ड संख्या XII, आर्य पुरा, सब्जी मंडी, दिल्ली-110007 में स्थित संपत्ति संख्या 3215-19 पर निर्मित तीसरी मंजिल (छत के अधिकार सहित) की 46.80 वर्ग मीटर क्षेत्रफल की स्वामी थीं, जिसका विक्रय बिलेख दिनांक 06.03.2013 (दस्तावेज़ संख्या 1969) श्री सचिन कुमार पुत्र श्री चंदर सेन और श्री परवीन कुमार पुत्र श्री पेट प्रकाश द्वारा निष्पादित किया गया था। स्वर्गीय सीता का एसएमसी (अतिरिक्त स्वामित्व दस्तावेज) वर्तमान में उपलब्ध नहीं है, जिसे श्री विक्की पुत्र राम, श्रीमती अमृता पत्नी श्री संजीव कुमार पुत्री श्री राम और श्रीगती प्रीति पत्नी श्री राजीव कुमार द्वारा श्रीमती प्रीति सोनी पत्नी श्री राजेश कुमार के पक्ष में दिनांक 23.05.2025 (दस्तावेज़ संख्या 2025/19/1/6262) के विक्रय विलेख द्वारा निष्पादित किया गया था। उक्त संपत्ति श्रीमती निशा शर्मा, पत्नी श्री संतोष कुमार शर्मा को बेची जाएगी और इसका वित्तपोषण शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में मुझे सूचित करें।.

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि श्री अमित कुमार पुत्र श्री राजेश सिंह उपरोक्त संपत्ति के वैध स्वामी हैं, जो कि 32 वर्ग गज (26.75 वर्ग मीटर) भूमि, खसरा संख्या 92 मिन, स्थित ग्राम रूपवास, परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में है, उक्त संपत्ति श्री अमित कुमार ने विक्रय विलेख दिनांक 06.12.2025 के माध्यम से श्री रवेन्द्र कुमार झा से क्रय की थी, जो दस्तावेज संख्या 60915, पुस्तक संख्या 01, वॉल्यूम संख्या 33325, पृष्ठ संख्या 377 से 396, दिनांक 06.12.2025 को उप-पंजीयक कार्यालय, दादरी, गौतम बुद्ध नगर में विधिवत पंजीकृत है। तत्पश्चात उक्त विक्रय विलेख के संबंध में शुद्धिपत्र विलेख दिनांक 11.05.2026, दस्तावेज संख्या 23559, पुस्तक संख्या 01, वॉल्यूम संख्या 34919, पृष्ठ संख्या 205 से 224, दिनांक 11.05.2026 को उप-पंजीयक कार्यालय दादरी, गौतम बुद्ध नगर में पंजीकृत कराया गया, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति की शीर्षक श्रृंखला में शामिल मूल विक्रय विलेख दिनांक 03.12.2018, जो श्रीमती सुनीता झा द्वारा निष्पादित किया गया था तथा दस्तावेज संख्या 23031, पुस्तक संख्या 01, वॉल्यूम संख्या 12728, पृष्ठ संख्या 255 से 272, दिनांक 03.12.2018 को उप-पंजीयक कार्यालय दादरी, गौतम बुद्ध नगर में पंजीकृत हुआ था, विक्रेता के पास से कहीं गुम/खो गया है। उक्त मूल दस्तावेज के संबंध में ऑनलाइन एफ.आई.आर. संख्या 348108/2026 दर्ज कराई जा चुकी है, अब उक्त संपत्ति को श्री बंटी पुत्र श्री धीर सिंह के पक्ष में विक्रय किया जाना प्रस्तावित है तथा उक्त संपत्ति के विरुद्ध आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जानी प्रस्तावित है। अत: यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, वित्तीय संस्थान अथवा अन्य किसी पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, दावा, हित, बंधक, ऋण, चार्ज, आपत्ति या विवाद हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपने दावे के समर्थन में दस्तावेजी प्रमाण सहित अधोहस्ताक्षरी/कंपनी के समक्ष प्रस्तुत करे। अन्यथा यह माना जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति पर कोई दावा या आपत्ति नहीं है और संपत्ति का प्रस्तावित विक्रय एवं वित्तपोषण बिना किसी अन्य सूचना के आगे बढ़ाया जाएगा। बाद में प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, Ashutosh Kumar Gupta S/o Ved Nath Gupta R/o AM- 414, Block - A, Raj Empire, Guru Dronacharya Road, Near SG Grand Society, Raj Nagar Extension, Raj Nagar Extension, PO: Raj Nagar Extension, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201017 have changed the name of my minor daughter Baby one of Varuna aged 9 years and she shall hereafter be known as Vedakshi Gupta

NAME CHANGE

I SHIVRAJ SINGH S/O RAMESHWAR DAYAL R/O C 218, Sanjay, Ghaziabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201002 have changed the name of my minor Daughter TANIYA SINGH aged 11 years and She shall hereafter be known as TANIYA.

NAME CHANGE

I, HARSHIT BHUTANI S/o JAGDISH RAJ BHUTANI R/o FLAT NO-83-A, L.I.G, DDA FLATS, MOTIA KHAN, PAHAR GANJ, DELHI-110055 changed my name to HARSHIT SINGH BHUTANI.

NAME CHANGE

I, NAVED AHMED SIDDIQI s/o AFSAR AHMED SIDDIQI R/o B-27, Ghafoor Nagar, Jamia Nagar, Okhla, Delhi-110025, have changed my name to NAVED SIDDIQUI permanently

NAME CHANGE

I, PUSHPANJALI GAIKWAD wife of No.-14853422K, Rank-HAV, Name-GAIKWAD SACHIN DADASAHEB residing at VPO-NIGDI (KHURD), TEHSIL-JATH, DIST-SANGLI, MAHARASHTRA-416404, have changed my name from PUSHPANJALI GAIKWAD to PUSHPANJALI SACHIN GAIKWAD for all future purposes vide Affidavit dated 05/06/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NASEEM AHMAD S/o NASIR AHMED R/o RZ-6A, Khushi Ram Park, Om Vihar, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name from NASEEM AHMAD to NASEEM AHMED permanently.

NAME CHANGE

I, NASIR AHMAD S/o Ali Hasan R/o RZ-6A, Khushi Ram Park, Om Vihar, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name from NASIR AHMAD to NASIR AHMED permanently

NAME CHANGE

I, JITENDER CHOUDHARY S/o Bhola Choudhary R/o H.No.25, Kh No.271,272, Bhagat Singh Park, Delhi-110042, have changed my name from JITENDER CHOUDHARY to JITENDER KUMAR CHOUDHARY permanently.

NAME CHANGE

I, RANJU W/o JITENDER KUMAR CHOUDHARY R/o H.No.25, Kh No.271,272, Bhagat Singh Park, Delhi-110042, have changed my name from RANJU to RANJU DEVI permanently.

NAME CHANGE

I, PRANAV S/o JITENDER KUMAR CHOUDHARY R/o H.No.25, Kh No.271,272, Bhagat Singh Park, Delhi-110042, have changed my name from PRANAV to PRANAV CHOUDHARY permanently

NAME CHANGE

I, Rajni KARAN, W/O Pramod Kumar, R/O B-10, Gidwani Road, Adarsh Nagar, PO: N.S. Mandi, Dist: North West Delhi, Delhi – 110033, hereby give notice that I have changed my name from RAJNI KARAN to RAJNI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Rajender kumar S/o Om Prakash Taneja R/ o Flat - 531 Plot No 15 Sector 9 Azad hind C.G.H.S Dwarka South West Delhi have changed my name to Rajender Kumar Taneja for all future purpose

NAME CHANGE

I,Sandhya Malik D/o Virender Singh Malik R/o House No F-12/54 Sector 15 Rohini North West Delhi have changed my name to Sandhya Aswani for all future purpose

NAME CHANGE

I, Monika, W/O Kapil, R/O House No. 2/88, Arya Nagar, Near Old Tehsheel, Patel Park Ke Pas, Sonipat, Haryana – 131001, hereby give notice that I have changed my name from MONIKA to MONIKA SINGLA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, ROOBA BHADANA W/o Harsh Kumar R/o 250, Khanpur Village, Dr. Ambedkar Nagar, Delhi-110062, have changed my name from ROOBA BHADANA to ROOBA permanently.

NAME CHANGE

I, MUJEEBUR RAHMAN S/O KHALIL UR RAHMAN residing at H NO- 3144, 1ST FLOOR, GALI AZIZUDDIN VAKIL WALI, KUCHA PANDIT, LAL KUAN, DELHI-110006. have changed my name to MUJEEBUR REHMAN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD SHAKEEL S/o Muhammad Jalil R/o House No.1448, Gali No.48/2, Jafrabad, Delhi-110053, have changed my name to MOHD SHAKEEL permanently.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD SHAREEF S/o Muhammad Jalil R/o House No.1448, Gali No.48/2, Jafrabad, Delhi-110053, have changed my name to MOHD SHAKEEL permanently.

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD UZAIR S/o MOHD SHAKEEL R/o House No.1448, Gali No.48/2, Jafrabad, Delhi-110053, have changed my name to MOHD UZAIR permanently.

NAME CHANGE

I, Bharat Bhushan Jagota S/o Bhim Sen Jagota R/o H.No.B-77, First Floor, Preet Vihar, Shakarpur, Delhi-110092 have changed my name to Bharat Bhushan

NAME CHANGE

I,JITENDRA TRIVEDI/o SRI NIWAS TRIVEDI R/o Plot Ni-89 1st Floor, Sector-11, Rajnagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh '201002, have changed the name of my minor daughter SUPRIYA TRIVEDI aged 09 years and she shall hereafter be known as SUDEVI TRIVEDI.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रामवती एवं श्री सिप्पातार संपत्ति के भूतल के स्वामी हैं, जो संपत्ति संख्या 207/6-, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, राजस्व संपदा गांव गढ़ी झरिया मारिया, कॉलोनी प्रकाश मोहल्ला, गढ़ी, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 में स्थित है। उक्त संपत्ति का स्वामित्व दिनांक 01.04.2025 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से प्राप्त हुआ, जिसे श्रीमती सीमा ठाकुर द्वारा निष्पादित किया गया था तथा जो दस्तावेज संख्या 2025/9/I/2003, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 4193, पृष्ठ संख्या 121-142, कार्यालय उप-पंजीयक, दक्षिण-पूर्व, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली में पंजीकृत है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति की दस्तावेजी श्रृंखला में निम्नलिखित दस्तावेज सम्मिलित हैं, श्रीमती सोहाग वंती द्वारा निष्पादित दिनांक 19.09.1980 का सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयतनामा, स्वर्गीय श्री लक्ष्मण सिंह द्वारा निष्पादित दिनांक 23.07.2014 का वसीयतनामा, स्वर्गीय श्री लक्ष्मण सिंह का मृत्यु प्रमाण-पत्र तथा उक्त दिनांक 23.07.2014 के वसीयतनामे से संबंधित प्रोबेट आदेश, उपरोक्त दस्तावेज वर्तमान स्वामियों श्रीमती रामवती एवं श्री सिप्पातार के पास उपलब्ध नहीं हैं। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति पर आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, कनॉट प्लेस शाखा, नई दिल्ली द्वारा ऋण/वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है, यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, आपत्ति, बंधक, प्रभार, विवाद अथवा अन्य कोई दावा हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति को संबंधित दस्तावेजों सहित लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता/सकती है, उक्त दावा/आपत्ति पंजीकृत डाक (Registered Post) द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नीचे दिए गए पते पर तथा ई-मेल के माध्यम से भेजी जा सकती है।यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा अथवा आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार, हित या दावा नहीं है तथा इसके पश्चात प्राप्त होने वाला कोई भी दावा या आपत्ति उक्त संपत्ति के संबंध में अमान्य एवं अप्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **नाजिम, पुत्रः** तरीकत, **पताः** ग्राम सिकेड़ा, पोस्ट सिम्भावली, जिला हापुड़, यूपी ने **FIR No. 351/2018 U/S 323/341/34 IPC थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नाजिम,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नाजिम,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 351/2018 U/S 323/341/34 IPC थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **नाजिम,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री वैभव गर्ग
जेएमएफसी–11, कमरा नंबर 138, पहली मंजिल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/7490/N/2026
(Court Matter)

RAMGARHIA CO-OPERATIVE BANK LTD.,
¼, Desh Bandhu Gupta Road, Paharganj, New Delhi – 110 055.

PHYSICAL POSSESSION NOTICE [SECTION 13(4)]
(For Immovable property)

Whereas :

The undersigned being the Authorised Officer of the **Ramgarhia Co-operative Bank Ltd.** under Securitization And Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (Act 54 of 2002 (hereinafter referred to as "the Act") and in exercise of powers conferred under Section 13(2) read with Rule 3 of the Security Interest (Enforcement) Rules 2002, issued a Demand Notice details given as below we had pasted the same notice on the property calling upon the Borrower/Guarantor Borrower/ Co Borrower to repay the amount mentioned in the notice, respectively within 60 days from the date of receipt of the said notice.

The borrower having failed to repay the amount, notice is hereby given to the borrower and the public in general that the undersigned has taken possession of the property described herein below in exercise of powers conferred on him / her under section 13(4) of the said Act, read with Rule 8 & 9 of the said Rule on this **5th day of June of the year 2026.**

S. No	Name of the Borrower/ Guarantor/ Borrower/Co-Borrower	Property Details	Date of issuing 13(2)	Date of issuing 13(4)	Amount
1.	**Pawan Cycle Store Proprietor Mr. Jitender Kumar Rungta, (Guarantor) Mr. Harvinder Singh, Mr. Jorawar Singh, Mr. Harpreet Singh Mrs. Ranjana Rungta, Mr. Trilochan Singh**	**The details of Immovable property is property No.B-1/102, At Ground Floor, L-Type(Shop) Without Roof Right Vishnu Garden, New Delhi-110018**	25/02/2026	03/06/2026	**Rs.20,63,239.38 (Rupees Twenty Lakh, Sixty Three Thousand, Two Hundred Thirty Nine and Paisa Thirty Eight only) as on 31/01/2026 + further interest and legal charges**

The borrower's attention is invited to the provisions of Section 13(8) of the Act, in respect of time available, to redeem the secured assets.

Authorized Representative
Phone : 011- 40192447, 011- 45595302
E-mail : rcbl_ho@ramgarhiabank.com

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सोनीपत में पीएम केयर्स योजना से लाभान्वित बच्चों ने उपायुक्त नेहा से की मुलाकात

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना से लाभान्वित बच्चों ने उपायुक्त नेहा सिंह से उनके कार्यालय में मुलाकात की। बच्चों ने योजना के तहत मिल रही सुविधाओं और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए अपने अनुभव साझा किए। उपायुक्त ने बच्चों से उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। उपायुक्त ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू की गई पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना कोविड-19 महामारी के दौरान अपने माता-पिता या अभिभावकों को खो चुके बच्चों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बनी है। योजना के तहत बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सहायता और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर और सशक्त बन सकें। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ऐसे बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना और उनके भविष्य को बेहतर बनाना है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को देशभर में मिली 17वीं रैंक

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए इंडिया इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) 2026 में केंद्रीय विश्वविद्यालयों की श्रेणी में देशभर में 17वां स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता और राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती पहचान को और मजबूत किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो टंकेशवर कुमार ने इस उपलब्धि पर सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और हितधारकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय परिवार के सामूहिक समर्पण, कठिन परिश्रम और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने कम समय में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है और यह रैंकिंग गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने के प्रयासों की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा कि आईआईआरएफ रैंकिंग में प्राप्त यह स्थान विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान संस्कृति और विद्यार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण का परिणाम है। यह उपलब्धि भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा का कार्य करेगी। आईक्यूएसी के निदेशक प्रो सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि आईआईआरएफ 2026 में 17वीं रैंक विश्वविद्यालय की बढ़ती शैक्षणिक विश्वसनीयता और गुणवत्ता मानकों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भीषण गर्मी में पेयजल आपूर्ति को लेकर सख्त हुआ जिला प्रशासन

कैथल। भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने पेयजल आपूर्ति को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उपायुक्त अपराजिता ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में कहीं भी पानी की किल्लत नहीं होनी चाहिए और आमजन को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराया जाए। बैठक में पेयजल आपूर्ति, जल निकासी, ड्रेनेज सिस्टम और जल संरक्षण से जुड़े मुद्दों की विस्तृत समीक्षा की गई। डीसी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में ट्यूबवेल खराब हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तुरंत ठीक कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी इलाके में जलापूर्ति बाधित होने की शिकायत मिलती है तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। डीसी ने जल संरक्षण पर भी जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे क्षेत्रों की पहचान कर योजना बनाई जाए जहां जल संचयन की जरूरत है। साथ ही अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड में जाकर हालात का जायजा लेने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में शहर की ड्रेनेज व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। आगामी मानसून को देखते हुए डीसी ने सभी नालों और ड्रेनों की समयबद्ध सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि बारिश के दौरान जलभराव की समस्या न हो।

दिल्ली अग्निकांड में मारे एक ही परिवार के पांच सदस्यों का एक साथ अंतिम संस्कार

गुरुग्राम। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित होटल फ्लोरिश स्टे में लगी आग में जिंदा जले गुरुग्राम के अग्रवाल परिवार के पांचों सदस्यों का सेक्टर-32 श्मशान घाट में नम आंखों के बीच अंतिम संस्कार कर दिया गया। एक साथ परिवार के पांच सदस्यों की मौत सेक्टर-46 से लेकर पूरे गुरुग्राम में शोक की लहर है।हादसे में जान गंवाने वाले सीए विवेक अग्रवाल को उनके चचेरे भाई, पत्नी तर्जनी अग्रवाल को भाई, मां प्रेमलता अग्रवाल को देवर, और दोनों बेटियों जीविशा और वारिया को चचेरे भाइयों ने मुखाग्नि दी। पांचों परिजन मंगलवार को बीमार पिता राधेश्याम अग्रवाल को देखने दिल्ली पहुंचे थे। साकेत के मैक्स अस्पताल में भर्ती पिता का हाल जानने के बाद परिवार मालवीय नगर के होटल फ्लोरिश में ठहरा था। बुधवार सुबह ब्रेकफास्ट के समय होटल में लगी भीषण आग में सभी झुलस गए। आग में फंसे विवेक अग्रवाल को परिवार को बचाने का जब कोई रास्ता नहीं मिला तो उन्होंने अपने मामा के बेटे को रोते हुए फोन करके कहा था कि-हम चारों तरफ से भीषण आग में फंस गए हैं, दम घुट रहा है।

प्रदेश में सभी पात्र परिवारों को दी जाएगी आवास सुविधा : मुख्यमंत्री सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रत्येक प्रदेशवासी को रहने के लिए छत देना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और वर्तमान केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा यह कार्य मिशन मोड में किया जा रहा है। उन्होंने हाउसिंग फोर ऑल विभाग को निर्देश दिए कि वे शेष बचे सभी पात्र परिवारों की पहचान कर उन्हें आवास उपलब्ध करवाने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करें। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश बृहस्पतिवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में हरियाणा विजन-2047 के तहत हाउसिंग फोर ऑल विभाग के अगले 5 साल के रोडमैप व कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी अपात्र व्यक्ति या परिवार को योजना का लाभ दिया जाता है तो संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हाउसिंग फोर ऑल के महानिदेशक जे गणेशन ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), प्रधानमंत्री

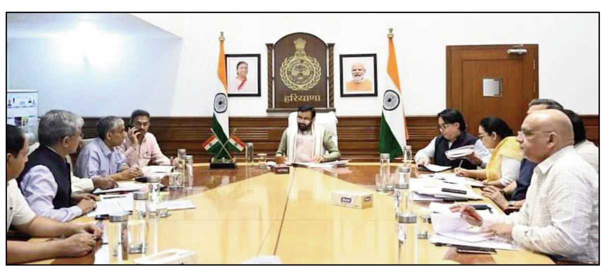

आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 तथा लाइसेंसी कालोनियों में ईडब्ल्यूएस आवासों के वितरण के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री के आदेशानुसार विभाग द्वारा आगामी समय में बचे हुए पात्र परिवारों को आवास सुविधाएं उपलब्ध करवाने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

उन्होंने बताया कि अब तक 5 योजनाओं के तहत प्रदेश में 2,31,215 परिवारों को आवास उपलब्ध करवाने के लिए लगभग 2375 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। इनके अलावा 10649 प्लाट व फ्लैट वितरित करने हेतु तैयार है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन प्लाट व फ्लैट के आबंटन का कार्य जल्द पात्र परिवारों को किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कोशिश है कि हर पात्र परिवार को सरकारी मदद से छत मुहैया करवाई जाए, लेकिन यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक है कि योजना का दुरुपयोग न हो।

उन्होंने कहा कि सभी लाभार्थियों की सूची ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक की जाए ताकि तसदीक हो सके कि लाभ लेने वाले परिवार वास्तव में योजना के लिए पात्र थे या नहीं। यदि यह साबित होता है कि अपात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ दिया गया है तो संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने घुमंतु जाति के ऐसे गरीब परिवारों के लिए पंजीकरण शुल्क में रियायत देने के भी निर्देश दिए जिनकी आर्थिक स्थिति खराब है।

हरियाणा सरकार ने 23 खिलाड़ियों को दी कोच की नौकरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने हरियाणा में नए ओलंपिक चैंपियन गढ़ने की रणनीति तैयार की है। मिशन ओलंपिक-2036 के तहत प्रतिभावान खिलाड़ियों को तराश जाएगा। इसी कड़ी में खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने चंडीगढ़ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 23 खिलाड़ियों को कोच के नियुक्ति पत्र सौंपे।पत्रकारों से बातचीत करते हुए खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि वर्ष 2036 के ओलंपिक में हरियाणा के खिलाड़ियों के माध्यम से 36 पदक जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें नवनियुक्त कोचों की भूमिका निर्णायक होगी। उन्होंने खिलाड़ियों को सुरक्षित भविष्य की गारंटी देते हुए गांवों और कस्बों में छिपी प्रतिभाओं को तराशकर ओलंपिक, एशियन गेम्स और विश्व चैंपियनशिप स्तर के खिलाड़ी तैयार करने का आह्वान किया। खेल मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार प्रदेश को खेलों के क्षेत्र में विश्वस्तरीय सुविधाओं वाला अग्रणी राज्य बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश की खेल नीति के अंतर्गत उत्कृष्ट खिलाड़ियों को डी ग्रुप की नौकरियों में 10 प्रतिशत तथा सी ग्रुप की नौकरियों में 3 प्रतिशत खेल कोटा प्रदान किया जाता है। गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा की मिट्टी में खेल प्रतिभा स्वाभाविक रूप से मौजूद है। यहां का युवा केवल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए नहीं, बल्कि तिरंगे का मान बढ़ाने के लिए मैदान में उतरता है। ओलंपिक से लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं तक हरियाणा के खिलाड़ियों ने देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि सरकार की 'पदक लाओ, पद पाओ' नीति का उद्देश्य खिलाड़ियों को भविष्य की चिंता से मुक्त करना है।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी को हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन के मुख्य आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी को हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग (हरियाणा राइट टू सर्विस कमीशन) के मुख्य आयुक्त (चीफ कमिश्नर) का अतिरिक्त कार्यभार सौंप दिया है। इस संबंध में सरकार द्वारा आदेश जारी किए गए हैं। इससे पहले मुख्य आयुक्त का जिम्मा सेवानिवृत आईएएस टीसी गुप्ता संभाल रहे थे। अनुराग रस्तोगी राज्य प्रशासन के वरिष्ठ और अनुभवी अधिकारियों में गिने जाते हैं। मुख्य सचिव के रूप में वे पहले से ही विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने और शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग राज्य में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा नागरिकों को निर्धारित समय सीमा में सेवाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था की निगरानी करता है। आयोग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आम नागरिकों को सरकारी सेवाएं पारदर्शी, जवाबदेह और समयबद्ध तरीके से प्राप्त हों। यदि किसी विभाग द्वारा तय समय सीमा के भीतर सेवा उपलब्ध नहीं कराई जाती, तो आयोग संबंधित मामलों की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई भी कर सकता है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ हरियाणा एसीबी का डिजिटल वारः जल्द लॉन्च होगा मोबाइल ऐप, हर दूसरे दिन एक रेड

एजेंसी

चंडीगढ़। भ्रष्टाचार के खिलाफ आमजन की भागीदारी बढ़ाने और शिकायत प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं सरल बनाने की दिशा में राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवी एंड एसीबी) जल्द ही एक अत्याधुनिक मोबाइल ऐप लॉन्च करने जा रहा है। इस ऐप के माध्यम से नागरिक भ्रष्ट अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ वीडियो, फोटो और अन्य साक्ष्य सीधे ब्यूरो तक पहुंचा सकेंगे। यह जानकारी आज पंचकूला स्थित एसीबी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान ब्यूरो प्रमुख ए.एस. चावला ने दी। मोबाइल ऐप से सीधे दर्ज होंगी भ्रष्टाचार की शिकायतें चावला ने बताया कि प्रस्तावित मोबाइल ऐप को आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बेहद सरल बनाया जा रहा है। ऐप के माध्यम से शिकायतकर्ता भ्रष्टाचार से संबंधित

वीडियो एवं फोटो अपलोड कर सकेंगे, हेल्पलाइन से सीधे संपर्क कर सकेंगे तथा संबंधित जिले की एसीबी यूनिट के अधिकारियों की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। शिकायतकर्ता अपनी पहचान गोपनीय रखते हुए भी भ्रष्टाचार की सूचना दे सकेंगे, जबकि प्राप्त सूचनाओं का सत्यापन कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 के पहले पांच महीनों में ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ उल्लेखनीय अभियान चलाते हुए कुल 83 आपराधिक मामले दर्ज किए, जिनमें 67 ट्रैप ऑपरेशन के दौरान रिश्वत लेते हुए अधिकारियों, कर्मचारियों एवं निजी व्यक्तियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। यह आंकड़ा दर्शाता है कि ब्यूरो ने जनवरी से मई तक के 117 कार्यदिवसों में औसतन हर दूसरे दिन एक सफल रेड की है। चावला ने बताया कि 1 जनवरी से 31 मई 2026 के दौरान ब्यूरो ने भ्रष्टाचार से संबंधित 40 विभागीय जांचें दर्ज कीं, जिनमें नगर योजनाकार, तहसीलदार, बीडीपीओ, वरिष्ठ लेखा अधिकारी, चिकित्सक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हैं। इस अवधि में 36 जांचें पूरी की गईं, जिनके आधार पर 63 राजपत्रित अधिकारियों तथा 10 अराजपत्रित कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की सिफारिश की गई है। वहीं, चार मामलों में 3 राजपत्रित अधिकारियों, 1 अराजपत्रित कर्मचारी तथा 16 निजी व्यक्तियों के विरुद्ध आपराधिक मुकदमे दर्ज करने की अनुशंसा की गई है। ब्यूरो प्रमुख ने बताया कि दर्ज 67 ट्रैप मामलों में गिरफ्तार आरोपियों में 8 ग्रुप-बी अधिकारी, 51 ग्रुप-सी कर्मचारी तथा 9 निजी व्यक्ति शामिल हैं। सभी मामलों में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत मुकदमे दर्ज कर जांच की जा रही है।

किलोवाट उपभोक्ताओं के घर बिना बैंक गारंटी लगेगा सोलर सिस्टम, बिजली बिल होगा शून्य : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि राज्य सरकार एक नई योजना पर कार्य कर रही है, जिसके तहत 1 किलोवाट लोड वाले घरेलू उपभोक्ताओं को भी सौर ऊर्जा प्रणाली उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस योजना की विशेषता यह होगी कि लाभार्थियों को बैंक ऋण या गारंटी के लिए किसी बैंक के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

विभाग के कर्मचारी स्वयं उपभोक्ताओं के घर जाकर प्रक्रिया पूरी करेंगे और उनकी छतों पर सोलर सिस्टम स्थापित करवाएंगे। इसके बाद ऐसे उपभोक्ताओं का बिजली बिल लगभग शून्य हो जाएगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा में 1 किलोवाट तक के लोड वाले 7 लाख से अधिक उपभोक्ता हैं, जिन्हें इस योजना का लाभ मिल सकता है। विज मीडिया कर्मियो के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने आगे बताया कि नियमित रूप से बिजली बिल जमा करने वाले 5

किलोवाट तक के उपभोक्ताओं के लिए भी इसी प्रकार की व्यवस्था प्रस्तावित है। इस योजना में मिलने वाली सरकारी सब्सिडी के अतिरिक्त शेष राशि उपभोक्ताओं से आसान किस्तों में ली जाएगी तथा इसके लिए भी बैंक ऋण की आवश्यकता नहीं होगी। इसी प्रकार, विज ने कहा कि हाल ही में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल के समक्ष उन्होंने एक प्रस्ताव भी रखा है, जिसके तहत ऐसे किसान जिनकी भूमि खाली पड़ी है और जिनके परिवार के सदस्य बाहर रहते हैं, वे अपनी भूमि पर स्वयं के खर्च पर सोलर प्लांट स्थापित कर सकेंगे। इसके बाद सरकार निर्धारित दरों पर उनसे उत्पादित बिजली खरीदेगी। इससे किसानों को अतिरिक्त आय का स्रोत मिलेगा और राज्य में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए हरियाणा को आज राष्ट्रीय स्तर पर तीन प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुरस्कार सिफारिशों के आधार पर नहीं, बल्कि कार्य के आधार पर मिलते हैं और सरकार हमेशा बेहतर प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित करती है। विज ने बताया कि केंद्र सरकार ने हरियाणा को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दिशा में और अधिक प्रयास करेगी तथा हरियाणा को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है।

विज ने कहा कि उन्हें सरकार में जहां भी जिम्मेदारी दी गई, उन्होंने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य किया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एवं गृह जैसे महत्वपूर्ण विभागों में कार्य करते हुए उन्होंने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं और स्वास्थ्य विभाग में उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें अभिनेता अमिताभ बच्चन के हाथों सम्मानित भी किया गया था। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में आज प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत हरियाणा को केंद्र सरकार द्वारा सम्मानित किया जा रहा है।

लंबित मांगों को लेकर 11 जून को शिक्षा मंत्री आवास का घेराव करेंगे कंप्यूटर लैब अटेंडेंट

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रदेश भर के सरकारी स्कूलों में कार्यरत कंप्यूटर लैब अटेंडेंटों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर 11 जून को शिक्षा मंत्री के पानीपत स्थित निवास पर जोरदार प्रदर्शन करने की घोषणा की है। यह निर्णय कंप्यूटर लैब अटेंडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक में लिया गया। एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष करमजीत संधू ने बताया कि कंप्यूटर लैब अटेंडेंट पिछले 14 वर्षों से अधिक समय से प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें वर्तमान में मात्र 12 हजार रुपये मासिक वेतन दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्मचारियों को केवल साढ़े दस माह का वेतन मिलता है, जबकि गर्मी और सर्दी की छुट्टियों का वेतन काट लिया जाता है। प्रदेश महासचिव मनोज अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2024 में लागू हरियाणा सर्विस सिक्योरिटी एक्ट के तहत कच्चे कर्मचारियों को 58 वर्ष तक सेवा सुरक्षा देने का प्रावधान किया गया था। उन्होंने दावा किया कि कंप्यूटर लैब अटेंडेंट इस योजना के पात्र हैं, लेकिन अधिकारियों की ओर से ओटीपी जारी नहीं किए जाने के कारण वे सर्विस सिक्योरिटी पोर्टल पर आवेदन नहीं कर सके। आवेदन की अंतिम तिथि 15 अप्रैल 2026 थी, जो अब समाप्त हो चुकी है।

कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में सर्विस सिक्योरिटी पोर्टल पर आवेदन की तिथि बढ़ाना, ओटीपी जारी कर आवेदन करवाना, सम्मानजनक वेतन वृद्धि, गर्मी और सर्दी की छुट्टियों का वेतन भुगतान तथा समय पर वेतन जारी करना शामिल है।

एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। प्रदेशभर से बड़ी संख्या में कंप्यूटर लैब अटेंडेंट 11 जून को पानीपत पहुंचकर सरकार के समक्ष अपनी मांगें रखेंगे।

राज्य सरकार प्रदेश के सरकारी अस्पतालों को अत्याधुनिक सुविधाएं देने के लिए उठा रही है कदम : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सरकारी अस्पतालों को अत्याधुनिक सुविधाएं देने के लिए लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में हरियाणा के जनस्वास्थ्य ढांचे को एक बड़ी मजबूती देते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अंबाला नागरिक अस्पताल (Civil Hospital) में अत्याधुनिक पेट (PET) और स्पेक्ट (SPECT) सुविधाएं शुरू करने को औपचारिक मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार का यह बड़ा कदम सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है। इस अपग्रेडेशन के बाद सरकारी अस्पताल भी सुपर-स्पेशियलिटी निजी अस्पतालों की तर्ज पर उच्च स्तरीय डायग्नोस्टिक सेवाएं देने में सक्षम हो सकेंगे।

इस न्यूक्लियर मेडिसिन सुविधा की शुरुआत से अस्पताल में भर्ती गंभीर मरीजों, विशेषकर कैंसर, न्यूरोलॉजिकल (मस्तिष्क संबंधी) और हृदय रोगों से पीड़ित लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। पेट और स्पेक्ट जैसी उन्नत तकनीकें शरीर के भीतर कोशिकीय गतिविधियों और रक्त प्रवाह की सटीक मैपिंग करती हैं, जिससे डॉक्टरों को ट्यूमर और अन्य

गंभीर विकृतियों का बेहद शुरुआती चरणों में पता लगाने में मदद मिलती है। इसके शुरू होने से गंभीर मरीजों को आपातकालीन स्थिति में तुरंत सटीक इलाज मिल सकेगा।

इससे पहले, अंबाला और उसके आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को इन विशेष स्कैन के लिए महंगे निजी डायग्नोस्टिक केंद्रों पर निर्भर रहना पड़ता था या फिर चंडीगढ़ के पीजीआई (PGIMER) जैसे बड़े संस्थानों के चक्कर लगाने पड़ते थे। इस फैसले से अब यह खाई पूरी तरह पट जाएगी और एक ही छत के नीचे सस्ती व विश्वस्तरीय जांच सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे स्थानीय परिवारों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ काफी कम होगा और समय पर इलाज मिलने से मरीजों की जान बचाई जा सकेगी।

यह मंजूरी जिला स्तर के अस्पतालों को आधुनिक चिकित्सा तकनीक से लैस करने की हरियाणा सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। अंबाला नागरिक अस्पताल जैसे क्षेत्रीय केंद्रों को अपग्रेड करके, राज्य सरकार का उद्देश्य विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाओं का विकेंद्रीकरण करना है। इससे न केवल बड़े रेफरल अस्पतालों पर मरीजों का दबाव कम होगा, बल्कि उत्तरी हरियाणा में गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के बचने और उनके जल्द ठीक होने की दर में भी बड़ा सुधार आएगा।

हरियाणा में अचानक बदला मौसम, आंधी और बूंदाबांदी ने दिलाई गर्मी से राहत

एजेंसी

हिसार। भीषण गर्मी से जूझ रहे प्रदेश के लोगों को शाम मौसम में आए अचानक बदलाव से राहत मिली। राजस्थान की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में आई तेज आंधी के कारण धूल भरा गुबार भी छा गया। देखते ही देखते आसमान धूल और बादलों से ढक गया तथा कई क्षेत्रों में दृश्यता भी प्रभावित हुई। बदले मौसम की वजह से तापमान में गिरावट आई है। दोपहर तक तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो रहा था, लेकिन शाम के समय मौसम ने अचानक करवट ली। तेज हवाओं के साथ धूल भरी आंधी चलने लगी, जिससे बाजारों और सड़कों पर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर दुकानदारों ने अपनी दुकानों के शटर आंशिक रूप से बंद कर दिए, जबकि वाहन चालकों को भी सावधानी बरतनी पड़ी। आंधी के बाद कई क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी भी दर्ज की गई। बूंदाबांदी और तेज हवाओं के कारण तापमान में गिरावट आई, जिससे मौसम अपेक्षाकृत सुहावना हो गया। गर्मी और उमस से परेशान लोगों ने राहत की सांस ली। मौसम में आए इस बदलाव का असर जनजीवन पर भी दिखाई दिया। दिनभर गर्मी से बेहाल रहे लोगों को शाम के समय ठंडी हवाओं का एहसास हुआ। हालांकि धूल भरी आंधी के कारण कुछ समय के लिए वातावरण में धूल का स्तर बढ़ गया, लेकिन बाद में हवाओं और हल्की बारिश से स्थिति सामान्य होने लगी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार राजस्थान क्षेत्र में बने मौसमी तंत्र और पश्चिमी प्रभावों के कारण मौसम में बदलाव देखने को मिला है। आने वाले दिनों में भी मौसम परिवर्तनशील रहने तथा कहीं-कहीं हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। राजकीय महाविद्यालय नारनौल के पर्यावरण क्लब के नोडल अधिकारी एवं मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्रमोहन का कहना है कि पाकिस्तान पर लगातार नये बादलों का फुटाब और निर्माण जारी है जिसे हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर और बड़े पैमाने पर गतिविधियों की संभावना बन रही है वहीं लगातार पश्चिमी हिस्सों सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और मध्यवर्ती जिलों में आंधी अंधड़ की गतिविधियों की संभावना बन रही है।

प्रदेश के सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों में शुरू होंगे नए रोजगारोन्मुखी कोर्स : महीपाल ढांडा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान करने और प्रदेश की तकनीकी शिक्षा को आधुनिक बनाने के लिए सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। सरकार द्वारा आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से राज्य के विभिन्न राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों में कई नए आधुनिक, उद्योगोन्मुखी डिप्लोमा एवं तकनीकी पाठ्यक्रम (कोर्स) प्रारम्भ किए जा रहे हैं। उद्योगों की आधुनिक मांग के अनुरूप तैयार किए गए कोर्स शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने बताया कि तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा यह कदम उद्योगों की वर्तमान एवं भविष्य की आवश्यकताओं, तकनीकों तथा कौशल आधारित रोजगार के अवसरों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। उन्होंने कहा कि आज का युग तेजी से बदलती तकनीक का है, इसलिए हमारे युवाओं के पास ऐसे हुनर होने चाहिए जो उन्हें तुरंत रोजगार दिला सकें।

नए सत्र से शुरू होने वाले ये हैं मुख्य पाठ्यक्रम

उन्होंने बताया कि राजकीय संस्थानों में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग (वीएलएसआई डिज़ाइन एवं टेक्नोलॉजी), साइबर फॉरेंसिक्स

एवं सूचना सुरक्षा, टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, आर्टिफिसर ट्रेनिंग (इलेक्ट्रिकल), पर्यावरण इंजीनियरिंग, जियो इन्फॉर्मेटिक्स एवं सर्वेक्षण प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रिक व्हीकल टेक्नोलॉजी, टेक्नीशियन एक्स-रे टेक्नोलॉजी, पत्रकारिता एवं जनसंचार, शुगर टेक्नोलॉजी तथा एपैरल डिज़ाइन एवं फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स शुरू होंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और उद्योग 4.0 पर फोकस

महीपाल ढांडा ने कहा कि इन सभी नए पाठ्यक्रमों में प्रत्येक कोर्स के लिए 60-60 विद्यार्थियों के प्रवेश की व्यवस्था की गई है। इन पाठ्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीकों, डिजिटल सुरक्षा, हरित प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवाओं, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी तथा विशेष औद्योगिक क्षेत्रों से संबंधित व्यावहारिक व रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी-2020) तथा उद्योग 4.0 की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम साबित होगी। तकनीकी शिक्षा विभाग का यह प्रयास न केवल युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि उद्योगों के लिए राज्य में ही कुशल और योग्य मानव संसाधन भी तैयार करेगा।

हरियाणा के सरकारी स्कूलों की बदहाल स्थिति सरकार के शिक्षा मॉडल की पोल खोलती है : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। सिरसा लोकसभा क्षेत्र की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने हरियाणा के सरकारी विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं की गंभीर कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल विपरीत है। कुमारी सैलजा ने कहा कि हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा के हजारों सरकारी विद्यालयों में शौचालय, बाउंड्री वॉल, दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाएं तथा अन्य मूलभूत संसाधनों का अभाव है। रिपोर्ट में सामने आया है कि प्रदेश के 2,064 विद्यालयों में शौचालय मरम्मत योग्य स्थिति में हैं, 2,220 विद्यालयों की बाउंड्री वॉल जर्जर है तथा हजारों विद्यालयों में छात्राओं और दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। सांसद ने कहा कि सरकार हर मंच से ई-लाइब्रेरी, स्मार्ट बोर्ड, डिजिटल शिक्षा और कंप्यूटर एजुकेशन के दावे करती है, लेकिन जब विद्यालयों में बच्चों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ शौचालय तक उपलब्ध नहीं हैं, तब ऐसे दावे केवल प्रचार तक सीमित दिखाई देते हैं। विशेष रूप से छात्राओं के लिए शौचालयों की कमी अत्यंत चिंताजनक विषय है, क्योंकि इससे उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों प्रभावित होते हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि शिक्षा केवल तकनीकी उपकरणों की उपलब्धता का नाम नहीं है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सबसे पहले विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का होना आवश्यक है। यदि बच्चों को सुरक्षित वातावरण, स्वच्छ पेयजल, शौचालय और चारदीवारी जैसी मूलभूत सुविधाएं ही उपलब्ध नहीं होंगी, तो शिक्षा के स्तर में सुधार की कल्पना नहीं की जा सकती। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह रिपोर्ट स्पष्ट संकेत देती है कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों में सब कुछ ठीक नहीं है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 116, निफ्टी 49 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजार से मिले कमजोर संकेंतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसकी कारण दिन भर कर के कारोबार के बाद 30शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 116.67 अंक नीचे आकर 74243.34 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 49.85 अंकों की गिरावट के साथ ही 23366.7 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एक समय पर सेंसेक्स करीब 355 अंक उछलकर 74,717.57 के स्तर पर पहुंच गया था पर इसके बाद अचानक ही इसमें गिरावट आने लगी। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के जिन शेयरों में अच्छी खरीदारी रही। वे हैं अडानी पोर्ट, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और एमएंडएम। वहीं दूसरी ओर टाटा स्टील, टीसीएस और एचसीएल टेक के शेयरों मे गिरावट रही जबकि निफ्टी के साथ ही मिड और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली हावी रही। इस कारण निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.37 फीसदी नीचे आ गयाजबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.13 फीसदी गिरा।

आज कारोबार के दौरान अधिकतर इंडेक्स लाभ के साथ बंद हुए। आज सबसे ज्यादा खरीदारी निफ्टी मीडिया में रही और यह करीब 3.50 फीसदी तक ऊपर आया। इसके अलावा निफ्टी ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, पीएसयू बैंक, निजी बैंक, रियल्टी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स के शेयर भी लाभ के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी मेटल इंडेक्स करीब 1.50 फीसदी और निफ्टी आईटी करीब एक फीसदी गिरा। बाजार जानकारों के अनुसार ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत को लेकर संशय के बची ही विदेशी निवेशकों के बाजार से दूरी बनाने के अलावा आरबीआई के आर्थिक विकास दर के कम होने और महंगाई बढ़ने की आशंका से भी बाजार गिरा है।

मोदी-ट्रंप की मुलाकात से बनेगी व्यापार समझौते पर बात

जी-7 देशों की बैठक में मिल सकते हैं दोनों

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चल रहे व्यापारिक मतभेदों के बीच समझौते की संभावनाएं मजबूत होती दिख रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों का जिक्र कर विश्वास जताया है कि दोनों देश जल्द ही एक व्यापक व्यापार समझौते पर सहमति बनने वाले है। उनके इस बयान को दोनों देशों के आर्थिक संबंधों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी उनके अच्छे मित्र हैं और दोनों देशों के रिश्ते बेहद मजबूत हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत और अमेरिका के बीच जारी व्यापार वार्ताएं सफल होंगी और निकट भविष्य में एक लाभकारी समझौते का रास्ता साफ होगा। हालांकि, ट्रंप ने कहा कि भारत ने लंबे समय तक अमेरिकी उत्पादों और कंपनियों पर ऊंचे आयात शुल्क लगाए, जिससे अमेरिकी कारोबारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ट्रंप ने विशेष रूप से अमेरिकी मोटरसाइकिल निर्माता हार्ले-डेविडसन का उदाहरण देकर कहा कि भारी आयात शुल्क के कारण कंपनी के लिए भारतीय बाजार में कारोबार करना चुनौतीपूर्ण हो गया था। उनके अनुसार, इसी वजह से कंपनी को भारत में उत्पादन इकाइयां स्थापित करनी पड़ीं। उन्होंने दावा किया कि भारतीय कंपनियों को अमेरिकी बाजार में अपेक्षाकृत कम बाधाओं का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा हैं कि जी-7 देशों की बैठक में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच मुलाकात हो सकती है। इस बीच, हाल ही में भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच चार दिनों तक चली व्यापार वार्ता संपन्न हुई है। भारत के वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, बातचीत सकारात्मक माहौल में हुई और दोनों पक्षों ने व्यापार तथा आर्थिक सहयोग को नई गति देने की प्रतिबद्धता दोहराई। मंत्रालय का कहना है कि दोनों देश इसतरह के समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जिससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं को लाभ मिल सके। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई अपनी हालिया टेलीफोन वार्ता का उल्लेख किया, जिसमें व्यापारिक सहयोग बढ़ाने और लंबित मुद्दों के समाधान पर चर्चा हुई थी। इसके बाद दोनों देशों ने अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा पर काम तेज किया। हालांकि अमेरिकी न्यायालय के कुछ फैसलों और शुल्क नीति में हुए बदलावों के कारण वार्ताओं की प्रक्रिया प्रभावित हुई है। इसके बावजूद दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और विशेषज्ञों का मानना है कि रणनीतिक साझेदारी, निवेश और बढ़ते आर्थिक सहयोग को देखते हुए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की संभावनाएं पहले से अधिक मजबूत हुई हैं। यदि टैरिफ और बाजार पहुंच जैसे प्रमुख मुद्दों पर सहमति बनती है तो यह समझौता दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

भारतीय कंपनियां अमेरिका में बड़े ब्रांड की मालिक बनने की ओर अग्रसर

न्यूयॉर्क ।

ओयो की मूल कंपनी प्रिज़्म के एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय कंपनियां अब अमेरिका में बड़े ब्रांडों की मालिक बनने की ओर अग्रसर हैं जिससे भारतीय सॉफ्ट पावर बॉलीवुड और आईटी से आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि भारत एफएएएनजी यानी मेटा, अमेजन, एप्पल, नेटफ्लिक्स और गूगल जैसी प्रमुख अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए दूसरा सबसे बड़ा कार्यालय केंद्र है। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से विस्तार किया है और अब अमेरिका में उसकी सबसे अधिक बिक्री होती है। हम यहां मोटेल सिक्स के अधिग्रहण के साथ अमेरिका में सबसे बड़े इकोनॉमी होटल ब्रांड मालिक भी हैं। साल 2024 में ओयो ने 52.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर में जी6 हॉस्पिटैलिटी का अधिग्रहण पूरा किया था, जो अमेरिका के होटल ब्रांड मोटेल 6 की मूल कंपनी है और उत्तरी अमेरिका की सबसे बड़ी स्वामित्व एवं संचालित होटल श्रृंखला है। उन्होंने कहा` कि मुझे लगता है कि बहुत जल्द भारतीय कंपनियां अमेरिका में बड़ी ब्रांड मालिक बनेंगी। इसका मतलब है कि पहली बार अमेरिकी उपभोक्ता भारतीय ब्रांड का उपयोग करेंगे और हमारे देश की 'सॉफ्ट पावर' को बॉलीवुड और सॉफ्टवेयर सेवाओं से आगे समझेंगे। यह सब प्रौद्योगिकी के कारण संभव होगा।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 77 अंकों की गिरावट के साथ ही 94.97 पर बंद हुआ। आज सुबह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति निर्णय से पहले रुपया शुरुआती कारोबार में 11 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.63 पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.72 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 95.63 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की मजबूती दिखाता है। रुपया गुरुवार को दो पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.74 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ 99.41 पर रहा।

घाटे के बाद भी 39 लिस्टेड कंपनियों ने बांटा डिविडेंड

शेयर बाजार के चल रहे घोटाले से विदेशी निवेशक गायब

मुंबई ।

शेयर बाजार में एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। वित्त वर्ष 2025-26 में घाटे में चल रही 39 सूचीबद्ध कंपनियों ने अपने निवेशकों को 450 फीसदी तक डिविडेंड वितरित किया। इनमें कई ऐसी कंपनियां शामिल हैं, जिनका सालाना प्रदर्शन कमजोर रहा, फिर भी उन्होंने भारी लाभांश देकर बाजार को हैरान कर दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि घाटे में रहने के बावजूद ऊंचा डिविडेंड देना कंपनी की वित्तीय स्थिति पर सवाल खड़े करता है। आलोचकों का आरोप है कि बाजार नियामक सेबी ऐसे मामलों पर प्रभावी निगरानी नहीं रख पा रहा है। लगातार सामने आ रही अनियमितताओं और कॉरपोरेट गवर्नेंस से जुड़े मामलों ने निवेशकों का भरोसा कमजोर किया है। इसका असर विदेशी निवेश पर भी दिखाई दे रहा है, जहां विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय बाजार से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पारदर्शिता और कड़ी निगरानी के बिना बाजार में निवेशकों का विश्वास बहाल करना मुश्किल होगा। ऐसे मामलों की गहन जांच और सख्त कार्रवाई की मांग तेज हो रही है।

अमेरिकी कोयला उद्योग को बड़ा सहारा, ट्रंप ने 6700 करोड़ रुपये निवेश का ऐलान किया

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के कोयला उद्योग को नई मजबूती देने के उद्देश्य से 700 मिलियन डॉलर (करीब 6700 करोड़ रुपये) के निवेश पैकेज की घोषणा की है। व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि यह पहल ऊर्जा लागत कम करने, बिजली आपूर्ति को स्थिर बनाने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका की ऊर्जा सुरक्षा के लिए कोयला बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने दावा किया कि नए निवेश के जरिए 14 कोयला आधारित बिजलीघरों और 42 कोयला खदानों को संरक्षण मिलेगा। इसके अलावा दो नए कोयला बिजलीघर और एक बड़े निर्यात टर्मिनल का निर्माण होगा। उनके अनुसार इस परियोजना से कोयला उत्पादक क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा मिलेगा और करीब 14 हजार नौकरियों को समर्थन मिलेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इस योजना से अमेरिकी उपभोक्ताओं के बिजली खर्च में करीब 50 अरब डॉलर तक की बचत संभव होगी। उन्होंने घोषणा की कि कई कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को चालू रखने के लिए सरकार आपातकालीन अधिकारों का उपयोग करेगी। ट्रंप के मुताबिक वेस्ट वर्जीनिया, केंटकी, नॉर्थ कैरोलाइना, इंडियाना, टेनेसी, एरिजोना, अर्कांसस, ओक्लाहोमा, नॉर्थ डकोटा और विस्कॉन्सिन सहित कई राज्यों के 13 कोयला बिजलीघरों को फैसले से राहत मिलेगी।

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इन बिजलीघरों के आधुनिकीकरण से उनकी संचालन क्षमता कई दशकों तक बनी रहेगी और देश के बिजली ग्रिड की विश्वसनीयता बढ़ेगी। ट्रंप ने एक बड़े निर्यात

कार्यक्रम की भी घोषणा करते हुए कहा कि वेस्ट गेटवे प्रोजेक्ट का निर्माण इस वर्ष गर्मियों में शुरू होगा। परियोजना के पूरा होने के बाद 2028 से प्रतिवर्ष 1.2 करोड़ टन उच्च गुणवत्ता वाला अमेरिकी कोयला वैश्विक बाजारों में निर्यात किया जाएगा। अमेरिकी गृह मंत्री डग बर्गम ने कहा कि सरकार ने ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी मंजूरी प्रक्रियाओं को तेज किया है और कई नियामकीय बाधाओं को कम किया गया है। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकार के कार्यकाल में कोई नया कोयला पट्टा जारी नहीं हुआ था, जबकि वर्तमान प्रशासन ने 76 परमिट और लीज को मंजूरी दी है।

ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने भी कोयले को आधुनिक औद्योगिक विकास और बिजली उत्पादन का अहम आधार बताया। ट्रंप ने कहा कि विनिर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और घरेलू उद्योगों के विस्तार के लिए विश्वसनीय ऊर्जा आपूर्ति आवश्यक है और कोयला इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 682 अरब डॉलर पर, 11 महीने के आयात के लिए पर्याप्त आरबीआई

दो जनवरी, 2026 को समाप्त सप्ताह में 686.801 अरब डॉलर था

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर है जो लगभग 11 महीनों के आयात के लिए पर्याप्त है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो जनवरी, 2026 को समाप्त सप्ताह में 686.801 अरब डॉलर था।उन्होंने बताया कि इन उपायों में प्रमुख व्यापार साझेदारों के साथ हाल के समझौते, बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति, एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम, ऊर्जा बदलाव को बढ़ावा, सीमावर्ती देशों के लिए एफडीआई नियमों में ढील, बाह्य यानी विदेशों से वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) ढांचे का उदारीकरण और अन्य कदम शामिल हैं। उन्होंने कहा` कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 29 मई 2026 तक 682.3 अरब डॉलर के मजबूत स्तर पर था, जो लगभग 11 महीने के आयात और विदेशी ऋण (89.1 प्रतिशत) जैसे भंडार पर्याप्तता के मानकों के हिसाब से पर्याप्त है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि विभिन्न नीतिगत पहल भुगतान संतुलन को मजबूत करने में मदद करेंगी। गवर्नर ने कहा` कि हमारा विदेशी मुद्रा भंडार बाहरी झटकों से सुरक्षा प्रदान करता है। हमारे पास नियामकीय तथा बाजार-आधारित कई साधन हैं जिनसे आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं। इस संदर्भ में हम सतर्क हैं और व्यवस्थित बाजार स्थिति बनाए रखने के लिए जो भी आवश्यक होगा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 22 मई को समाप्त सप्ताह में 7.51 अरब डॉलर घटकर 681.38 अरब डॉलर रहा।इस वर्ष 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में यह भंडार 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा था, लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद कई सप्ताह तक इसमें गिरावट आई। इसका कारण रुपये पर दबाव बढ़ा और भारतीय रिजर्व बैंक को डॉलर बेचकर विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा।

चांदी के गहनों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य

नई दिल्ली ।

देश में चांदी के गहनों और कलाकृतियों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य करने की तैयारी शुरू हो गई है। उपभोक्ताओं को शुद्धता की गारंटी देने और बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया जा रहा है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने इसके लिए नियामकीय और तकनीकी ढांचे का अध्ययन शुरू कर दिया है। बीआईएस के अनुसार, व्यवस्था को पूरी तरह तैयार करने और संभावित कमियों को दूर करने के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। वर्तमान में सोने के आभूषणों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य है, जबकि चांदी पर यह व्यवस्था लंबे समय से स्वैच्छिक रूप में लागू है। प्रस्तावित नियम लागू होने के बाद चांदी के गहनों की शुद्धता की प्रमाणिकता सुनिश्चित होगी और ग्राहकों का विश्वास भी बढ़ेगा।

सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात घटाने बनाए छह क्षेत्रीय समूह

समूहों की अध्यक्षता डीपीआईआईटी के सचिव करेंगे

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता घटाने के लिए कम से कम 100 उत्पादों की पहचान करने हेतु छह क्षेत्र-विशेष कार्य समूहों का गठन किया है। एक अधिकारी ने कहा` कि इसका उद्देश्य इन उत्पादों के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देना है। ये समूह संबंधित वस्तुओं की सूची पर चर्चा करेंगे और उनके द्वारा तैयार अंतिम सूची तीन सप्ताह के भीतर मंत्रिमंडल सचिवालय को सौंपी जाएगी। ये छह समूह औषधि, जैव-प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा उपकरण, रसायन व पेट्रो-रसायन, वस्त्र व जूते चप्पल, पूंजीगत वस्तुएं, मोटर वाहन व इलेक्ट्रिक वाहन, उन्नत पूंजीगत वस्तुएं, ऊर्जा, निर्माण उपकरण व अवसंरचना तथा रक्षा व वैमानिकी (केवल नागरिक उपयोग वाले उत्पादों के लिए) और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। इन समूहों में वाणिज्य, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), नीति आयोग, औषधि, आर्थिक मामलों, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रसायन, वस्त्र, भारी उद्योग, बंदरगाह एवं नौवहन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी, सड़क परिवहन, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और तेल मंत्रालयों/विभागों के सदस्य शामिल हैं। इन समूहों की अध्यक्षता डीपीआईआईटी के सचिव करेंगे। ये समूह ऐसे उत्पादों की पहचान करेंगे जो या तो भारत में निर्मित नहीं होते या देश की जरूरतों के अनुसार पर्याप्त मात्रा में उत्पादित नहीं हो रहे हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का आयात 7.5 प्रतिशत बढ़कर 775 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

10 महीनों में लागू होंगे 9 मुक्त व्यापार समझौते

भारत बनेगा दुनिया का भरोसेमंद मैन्युफैक्चरिंग हब

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार अगले 10 महीनों में पिछले तीन वर्षों के दौरान किए गए नौ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को लागू करने की तैयारी में है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इन समझौतों से भारत की वैश्विक व्यापारिक पहुंच बढ़ेगी और देश दुनिया के सबसे भरोसेमंद विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरेगा। मुंबई में आयोजित सिटी 2026 इंडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि ओमान के साथ एफटीए 1 जून से लागू होने के बाद अगले छह महीनों में दो से तीन और महत्वपूर्ण व्यापार समझौते प्रभावी हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि हाल के वर्षों में जिन नौ एफटीए पर हस्ताक्षर किए गए हैं, उनमें 38 विकसित अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं।

ये देश भारत के प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि उसकी आर्थिक वृद्धि के सहयोगी और पूरक हैं। गोयल ने कहा कि वैश्विक कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन कर रही हैं और इस प्रक्रिया में भारत सबसे विश्वसनीय विकल्प बनकर उभरा है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में लगभग 50 अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ उनकी चर्चा हुई, जिनमें से अधिकांश ने भारत को सुरक्षित, स्थिर और भरोसेमंद निवेश गंतव्य बताया। उनके अनुसार दुनिया भारत को केवल एक बड़े बाजार के रूप में नहीं बल्कि वैश्विक विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में देख रही है। इसी दृष्टि को आगे बढ़ाने के लिए सरकार ने 3.5 अरब डॉलर की लागत से 100 औद्योगिक पार्क विकसित करने का कार्यक्रम शुरू किया है।

इन पार्कों में उद्योगों को भूमि, बिजली-पानी, श्रमिक आवास, पर्यावरणीय मंजूरियां और डिजिटल कनेक्टिविटी जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी।गोयल ने कहा कि सरकार अब केवल नियामक की भूमिका तक सीमित नहीं है, बल्कि उद्योगों और निवेशकों के लिए सुविधाप्रदाता की भूमिका निभा रही है। इससे भारत में निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

राजेश एक्सपोर्ट्स के शेयर में भारी गिरावट

सेबी ने लगाया कारोबार पर प्रतिबंध

15 लाख करोड़ से ज्यादा का घपला घोटाला

मुंबई ।

स्वर्ण आभूषण एवं बुलियन कारोबार से जुड़ी राजेश एक्सपोर्ट्स के शेयरों में सेबी की कड़ी कार्रवाई के बाद भारी गिरावट देखने को मिली है। 2023 में इस कंपनी का शेयर 1,028 रुपये पर पहुंच चुका था। कंपनी का शेयर लगातार दबाव में रहा और अब इस कंपनी का शेयर 103 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा है। निवेशकों को 12000 करोड रुपए से ज्यादा का घाटा हुआ है। इसमें केनरा बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम को भी भारी नुकसान हुआ है। भारतीय जीवन बीमा निगम ने इसकी शेयर खरीद रखे हैं वही लगभग 600 करोड रुपए का कर्ज केनरा बैंक का है।

हालिया घटनाक्रम के बाद शेयर में बिकवाली और तेज हो गई। स्टॉक लोअर सर्किट पर पहुंच गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनी और उसके प्रबंधन पर वित्तीय खुलासों में कथित अनियमितताओं के आरोपों की जांच शुरू करते हुए कई प्रतिबंधात्मक कदम उठाए हैं। नियामक की कार्रवाई से निवेशकों का भरोसा प्रभावित हुआ है। जिसका असर सीधे कंपनी के बाजार पूंजीकरण और शेयर मूल्य पर दिखाई दे रहा है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है, किसी भी सूचीबद्ध कंपनी के लिए पारदर्शिता और नियामकीय अनुपालन अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारोबार करने वाली कंपनी का यह घपला घोटाला सभी को चौंका रहा है। सेबी की जांच पूरी होने और तथ्यों के स्पष्ट होने तक निवेशकों में असमंजस की स्थिति बन गई है। फिलहाल बाजार की नजर सेबी की आगे की कार्रवाई और कंपनी के स्पष्टीकरण के इंतजार पर टिकी हुई है। शेयर बाजार के घपले-घोटाले अब एक-एक करके सामने आ रहे हैं। राजेश एक्सपोर्ट के सामने सेबी जैसी संस्था भी बौनी साबित हो रही है। बार-बार जानकारी मांगने के बाद भी यदि उसके द्वारा जानकारी नहीं दी जा रही है।

आरबीआई ने खुदरा महंगाई दर का अनुमान बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत किया

इसके पहले 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ईंधन की बढ़ती कीमतों से कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी होने से शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा महंगाई दर का अनुमान बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया। पहले इसके 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। पेट्रोल की खुदरा कीमतों में मई से अब तक कुल 7.4 प्रतिशत और डीजल में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आरबीआई ने मौद्रिक नीति बयान में कहा कि इस बढ़ोतरी का कुल महंगाई पर करीब 0.36 प्रतिशत का सीधा असर पड़ेगा। इसके साथ दूसरे दौर के प्रभाव आने वाले महीनों में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में दिखाई देंगे। इसमें कहा गया कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी का असर वाणिज्यिक एलपीजी, औद्योगिक कच्चे माल, रसायन, रबड़ और प्लास्टिक उत्पादों जैसे अन्य कच्चे माल पर भी दिख रहा है। कच्चे माल की लागत बढ़ने के दूसरे चरण के प्रभाव आगे चलकर महंगाई पर दबाव डाल सकते हैं।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने जून मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, जिंस कीमतों में झटके, मानसून को लेकर अनिश्चितता और अल नीनो जैसी परिस्थितियों के कारण महंगाई बढ़ने का जोखिम बना हुआ है। फरवरी में 3.2 प्रतिशत से थोड़ा बढ़ने के बावजूद मार्च और अप्रैल 2026 में कुल खुदरा महंगाई लक्ष्य से नीचे (क्रमशः 3.4 प्रतिशत और 3.5 प्रतिशत) रही। खाद्य महंगाई में कुछ बढ़ोतरी हुई, जबकि मार्च और अप्रैल में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर रहने से ईंधन की महंगाई दर नियंत्रित रही। मुख्य महंगाई मार्च-अप्रैल के दौरान 3.7 प्रतिशत पर स्थिर रही। कीमती धातुओं को छोड़कर मुख्य महंगाई इसी अवधि में और कम होकर 2.1-2.2 प्रतिशत रही।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें (भारत पर भार) अप्रैल-मई, 2026 के दौरान औसतन लगभग 110 डॉलर प्रति बैरल रही हैं।

ऐसे संकेत हैं कि 2026-27 में औसत कीमतें पिछली नीति में अनुमानित स्तर से काफी अधिक रहेंगी।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा की ऊंची कीमतों और कई कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी के कारण अप्रैल, 2026 में थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई) में तेज उछाल देखा गया।

अन्नामलाई का नई पार्टी बनाने का निर्णय आवेश में लिया गया फैसला नहीं, लंबे चिंतन का निष्कर्ष दिखाई देता है

नीरज कुमार दुबे

अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है।

तमिलनाडु की राजनीति में एक नया भूचाल उस समय आ गया जब भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देकर अपने नए राजनीतिक आंदोलन की घोषणा कर दी। यह फैसला तमिलनाडु की जमी हुई राजनीतिक संस्कृति को चुनौती देने वाला एक बड़ा संदेश है। अन्नामलाई ने जिस साफगोई, साहस और वैचारिक दृढ़ता के साथ अपने फैसले को सामने रखा है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अब किसी दल के सीमित दायरे में नहीं, बल्कि तमिल समाज की व्यापक आकांक्षाओं के प्रतिनिधि के रूप में उभरना चाहते हैं। अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि चार दिसंबर 2025 को ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व को इस्तीफे का फैसला बता दिया था, लेकिन उनसे चुनाव तक रुकने का अनुरोध किया गया। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उनकी लोकप्रियता और प्रभाव को लेकर कितना सजग था।

पूर्व पुलिस अधिकारी रहे अन्नामलाई ने भारतीय जनता पार्टी में सकारात्मक बदलाव के उद्देश्य से प्रवेश किया था। उन्होंने कहा कि पार्टी में रहते हुए उन्होंने कभी तमिलनाडु की पहचान से समझौता नहीं किया। पिछले अठारह महीनों में संगठनात्मक मामलों को लेकर उनकी असहमति लगातार बढ़ती गई। यही कारण है कि उन्होंने अब एक स्वतंत्र राजनीतिक रास्ता चुनने का फैसला किया है। यह निर्णय किसी आवेश का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे चिंतन और रणनीतिक तैयारी का हिस्सा दिखाई देता है।

अन्नामलाई ने अपने नए आंदोलन ₹वी द लीडर₹ की घोषणा करते हुए साफ कर दिया कि उनका उद्देश्य केवल एक और राजनीतिक दल खड़ा करना नहीं, बल्कि राजनीति की भाषा

और संस्कृति को बदलना है। उन्होंने परिवारवाद और व्यक्तिपूजा की राजनीति पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि किसी भी विधायक, सांसद या मंत्री का पद स्थायी नहीं होना चाहिए। यह बयान तमिलनाडु की उस परंपरागत राजनीति पर करारा प्रहार है जिसमें कुछ परिवारों और सीमित चेहरों के इर्दगिर्द सत्ता घूमती रही है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अन्नामलाई ने राजनीति में तकनीकी विशेषज्ञों, युवाओं और सामान्य नागरिकों की भागीदारी पर जोर दिया है। उन्होंने युवाओं से राजनीति में आने की अपील करते हुए कहा कि अब आम आदमी की नई पीढ़ी की राजनीति की नींव रखी जा रही है। यह सोच उन्हें पारंपरिक नेताओं से अलग करती है। देखा जाये तो तमिलनाडु में जहां लंबे समय से भावनात्मक नारों और जातीय समीकरणों के आधार पर राजनीति चलती रही है, वहां अन्नामलाई प्रशासनिक दक्षता, नैतिकता और प्रतिभा आधारित नेतृत्व की बात कर रहे हैं। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

उनके आंदोलन के अंतर्गत कोयंबटूर में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फोर एथिक्स एंड पॉलिटिक्स की स्थापना का फैसला भी बताता है कि वह केवल चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक और नैतिक प्रशिक्षण की स्थायी व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। यह दृष्टिकोण तमिलनाडु की राजनीति में एक नई बौद्धिक धारा पैदा कर सकता है। उनके आह्वान के कुछ ही समय बाद हजारों लोगों का उनके राजनीतिक आंदोलन से जुड़ना यह संकेत देता है कि जनता के एक हिस्से में बदलाव की बेचैनी पहले से मौजूद थी।

बताया जा रहा है कि अन्नामलाई ने भाजपा नेतृत्व के सामने दो स्पष्ट विकल्प रखे थे। एक तो उन्हें पर्याप्त स्वायत्तता और अधिकारों के साथ कम से कम सात वर्षों तक प्रदेश नेतृत्व दिया जाए, या फिर उन्हें स्वतंत्र राजनीतिक राह चुनने दी जाए। यह मांग उनके आत्मविश्वास और दूरदृष्टि दोनों को दशार्ती है। साथ ही इस्तीफे का ऐलान करने से पहले दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से उनकी मुलाकात तथा पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें मनाने की कोशिश इस बात का प्रमाण है कि अन्नामलाई की अहमियत से भाजपा नेतृत्व वाकिफ है।

वैसे तमिलनाडु की मौजूदा राजनीति भी अन्नामलाई के लिए अवसर लेकर आई है। हालिया विधानसभा चुनावों में द्रविड दलों को झटके लगे और अभिनेता विजय की पार्टी ने अप्रत्याशित सफलता हासिल की। इससे यह स्पष्ट हो गया कि राज्य की जनता अब पारंपरिक राजनीतिक ढांचे से बाहर विकल्प तलाश रही है। अन्नामलाई का मानना है कि राष्ट्रीय दलों के लिए यहां सीमित राजनीतिक जगह है, इसलिए एक मजबूत क्षेत्रीय विकल्प ही जनता की आकांक्षाओं को सही दिशा दे सकता है। उनकी यह समझ राजनीतिक रूप से बेहद व्यावहारिक और दूरदर्शी मानी जा रही है।

उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने भले ही कहा हो कि अन्नामलाई के जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन राजनीतिक वास्तविकता इससे अलग दिखाई देती है। अन्नामलाई ने तमिलनाडु में भाजपा को ऊर्जा, आक्रामकता और जनस्वीकार्यता दी थी। अब उनके अलग होने से भाजपा के सामने नेतृत्व और जनाधार दोनों की चुनौती खड़ी होगी। दूसरी ओर, अन्नामलाई यदि अपने आंदोलन को संगठित ढंग से आगे बढ़ाते हैं तो वह तमिलनाडु की राजनीति में तीसरी शक्ति के रूप में तेजी से उभर सकते हैं।

बहरहाल, यह स्पष्ट है कि अन्नामलाई ने केवल पार्टी नहीं छोड़ी, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति को नई दिशा देने की चुनौती स्वीकार की है। उनकी राजनीति में साहस है, वैचारिक स्पष्टता है और बदलाव की बेचैनी भी है। आने वाले वर्षों में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि क्या उनका यह आंदोलन तमिलनाडु की राजनीति में वैसा ही परिवर्तन ला पाएगा जिसकी वह कल्पना कर रहे हैं। फिलहाल इतना तय है कि अन्नामलाई ने राजनीति के मैदान में एक नई बहस छेड़ दी है और इस बहस को नजरअंदाज कर पाना किसी के लिए आसान नहीं होगा।

संपादकीय

बूढ़ी पटरियों पर

न ट्रेन की आवाज में अंतर और न ही गति में कोई फर्क, फिर भी हरी झंडियों ने नैरो गेज लाइन पर कांगड़ा घाटी रेल की तारीफ कर दी। फिलहाल दो ही रेल गाडि?ां पठानकोट से बैजनाथ तक के सफर को आबाद करेंगी। कांगड़ा रेलवे स्टेशन पर हुआ ह्यझंडी समारोहह्न बताता है कि हम पुरानी ईंटों से घर बनाते हैं, जश्न को कंधों पर उठाते हैं। वाकई जश्न के अधिकारी हमारे सांसद थे, जिनके प्रयास चार साल मेहनत करने के बाद, समझ पाए कि कांगड़ा की जनता क्या चाहती है। कहां तो ब्रॉड गेज रेल की सीटियां सुनाई गईं और कहां हवाला यह कि मात्र दो रेलगाडि?ां बंधकों की तरह सुबह सवेरे ही पठानकोट के सुख चैन को नुकसान पहुंचाए बिना निकल आएंगी। एक ट्रेन सुबह पांच तो दूसरी सात बजे पठानकोट से चलेगी, जबकि जनता का आग्रह तो कुछ भिन्न है। उसे दिन में दौड़ती ट्रेने चाहिएं और वापसी भी सारा दिन चाहिए। गनीमत यह कि अंग्रेजों की पटरी पर हम पुनः अपने सफर की रवानगी करते हुए दिखाई दिए। यह ट्रेन अपने नए उद्घाटन को याद रखेगी और खुश होगी कि राजनीतिक मंच बूढ़ी पटरियों पर भी पसर सकता है। इस दौरान हम गुमराह होने के लिए इसी ट्रेन पर गौरव हासिल करते रहेंगे। हमें याद है पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्र में मंत्री रहे शांता कुमार खाका खींचते रहे कि पठानकोट से ब्रॉडगेज पटरी पर नया आसमान खुलेगा। उनके नक्शे सेना की योल छावनी व होल्टा कैंप से निकलकर, रेल विस्तार का बड़ा चित्र पेश करते रहे। इतना ही नहीं वर्तमान सांसद डा. राजीव भारद्वाज भी सपनों की रेल चलाने की कामना में राजनीतिक पत्ते खेलते रहे। वाकई हमारे नेता जादूगर हैं और हम हैं भोली भाली जनता जिसे फख्र होता है कभी कांग्रेस के पल्ले और कभी भाजपा की महफिल में नाच देख कर। सही में कहें तो हमारी योजनाओं का कूड़ेदान बदलता रहता है, लेकिन जनता एक स्थायी दर्शक की तरह इंतजार करती है कि कभी तो मंचों से हकीकत के फासले कम होंगे। कांगड़ा अब विडंबनाओं का चिडि?घर है और जहां नेताओं के असफल अध्याय इस क्षेत्र के सपनों को बार-बार बर्बाद करते रहे हैं। राज्य की राजनीति हो या केंद्र की भागीदारी हो, कांगड़ा-चंबा का मुकद्दमा यहां के नेता ही हार रहे हैं। जिन्हें रत्ती भर भी संदेह हो, वे पठानकोट-मंडी या कांगड़ा-शिमला फोरलेन के हिस्से देख लें। कब जसूर या मलां के फ्लाईओवर बन जाएंगे, किस सांसद या किस विधायक से पूछें। कांगड़ा सुरंग पर अटकीं फोरलेन की सांसें कौन बहाल करेगा। ट्रेन के हवाले से हिमाचल को अगर गौरव हासिल हुआ है तो हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के ऊना से गुजरती ब्रॉडगेज लाइन पर देखना पड़ेगा। देखना पड़ेगा कि अंब-अंदौरा तक आ पहुंची वंदे भारत ट्रेन का महत्त्व क्या है। इतना ही नहीं सांसद अनुराग ठाकुर के प्रयासों से अब अंब-अंदौरा से हिमाचल पूरे देश से जुड़ता है। ऐसे में पठानकोट से ब्रॉडगेज का गर्द उड़ाने वाले कांगड़ा के सांसद व नेता सोच लें कि अगर वंदे भारत ट्रेन चाहिए, तो अंब-अंदौरा से रेलवे की उस ब्रांच की मांग करें, जो चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, कांगड़ा, चामुंडा तथा बैजनाथ जैसे तीर्थ स्थलों को जोड़ दे।

चिंतन-मनन

दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं

मनुष्य-जीवन नाना प्रकार के प्रपंचों और प्रवृत्तियों का पुंज है। हम सब में अनेक भाव-कुभाव प्रत्येक पल मन-हृदय से टकराते रहते हैं। हमारा जीवन इन्हीं अच्छाइयों-बुराइयों के बीच व्यतीत होता रहता है। प्रेम और घृणा, उपकार और अपकार भी हमारे जीवन के अनिवार्य अंश हैं। जीवन में उपकार की प्रवृत्ति का अत्यंत महत्व है। दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं। इन्हीं से उपकार की भावना जाग्रत होती है। उपकार से व्यक्ति श्रेष्ठ बनता है। किसी आपदा में पड़े व्यक्ति का आप उपकार करके देखें। उसका तो कल्याण होगा ही, किंतु इससे आपका मन प्रसन्नता से भर जाएगा। आपका रोम-रोम प्रफुल्लित हो उठेगा और आपके अंग-अंग में सैकड़ों सुमन खिलकर मुस्कराने लगेंगे। 1निःस्वार्थ उपकार में मिला सुख आपके जीवन को सार्थक कर देगा। कभी-कभी आप हम देखते हैं कि अचानक संकट की घड़ी में जब केवल भगवान का सहारा होता है, तब कोई आकर आपकी ऐसी सहायता कर देता है जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होती। सहायता करने वाला व्यक्ति मात्र भगवत प्रेरणा के चलते ही अयाचित उपकार करके आपको चकित कर देता है, किंतु ऐसा करके उसे जो संतुष्टि मिलती है वही उसका समुचित पुरस्कार है। सच्चे मन और बिना किसी लालच के किया गया उपकार श्रेष्ठ माना गया है। इस उपकार के बदले में किसी प्रकार के प्रतिउपकार से आप यदि ऐसा कुछ करते हैं तो उसे श्रेष्ठता की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। हमारे यहां संतों ने कहा है कि यदि कोई आपका अपकार भी करे तो भी आप उसका उपकार ही करें। अपकार की भावना में हिंसा की अभिव्यक्ति होती है और उपकार में प्रेम और त्याग की। यह प्रेम आपको ईश्वरीय पथ की ओर ले जाता है और अपकार की भावना से मन में प्रतिशोध उत्पन्न होता है जो पतन का परिचायक है। यह हमें ईश्वर से विमुख करता है। उपकार की सहज प्रवृत्ति सब में कुछ न कुछ अंश में होती है। यह साधु-पुरुषों की संगति से बढ़ती है। यदि हम किसी का उपकार करते हैं तो यह मानव-जीवन की बड़ी उपलब्धि है। किसी के दुख में सहायक बनकर आप उससे जो आशीर्वाद प्राप्त करते हैं वह आपके दोनों लोकों को संवारता है। यह जीवन क्षण भंगुर है। इसमें आप यदि अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी व्यथित व्यक्ति की सहायता करके उसे उबार लेते हैं तो इसका फल ईश्वर की ओर से आपको अवश्य मिलेगा।

आँकड़ों की कसौटी पर खरा उतरा 'पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना'

विनोद कुमार सिंह

हरित ऊर्जा,आर्थिक बचत और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सफल जनआंदोलन...

भारत आज जिस विकसित राष्ट्र के स्वप्न को साकार करने की दिशा में अग्रसर है,उसमें ऊर्जा आत्मनिर्भरता एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधारशिला के रूप में उभर रही है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति,औद्योगिक विकास, पर्यावरणीय संतुलन और नागरिक जीवन की गुणवत्ता काफी हद तक उसकी ऊर्जा व्यवस्था पर निर्भर करती है। बीते वर्षों में भारत ने ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं,लेकिन बढ़ती जनसंख्या,तीव्र शहरीकरण और निरंतर बढ़ती बिजली मांग ने नीति निमार्ताओं के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं,बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में जनभागीदारी पर आधारित एक व्यापक परिवर्तनकारी अभियान के रूप में सामने आई है।जून 2026 में इस योजना के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उपलब्ध आधिकारिक आँकड़े, जमीनी अनुभव और लाभार्थियों की प्रतिक्रियाएँ इस बात की पुष्टि करती हैं कि यह योजना देश में स्वच्छ ऊर्जा क्रांति की मजबूत आधारशिला बन चुकी है। फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य केवल सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं था, बल्कि आम परिवारों को ऊर्जा उत्पादक बनाना,उनके बिजली व्यय को कम करना तथा देश को स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा व्यवस्था की ओर अग्रसर करना भी था। दो वर्षों के भीतर इस योजना ने जिस गति से प्रगति की है, वह इसे स्वतंत्र भारत की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा योजनाओं में स्थान दिलाती है।योजना की मूल अवधारणा अत्यंत सरल किंतु दूरगामी प्रभाव वाली है। देश के एक करोड़ परिवारों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर उन्हें अपने उपयोग की बिजली स्वयं उत्पन्न करने में सक्षम बनाना तथा अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर आय अर्जित करने का अवसर उपलब्ध कराना इसका प्रमुख लक्ष्य है।केंद्र सरकार ने इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के लिए 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। यह राशि केवल एक वित्तीय निवेश नहीं बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किया गया दीर्घकालिक राष्ट्रीय निवेश है।दो वर्षों के भीतर प्राप्त उपलब्धियाँ इस योजना की सफलता की कहानी स्वयं बयान करती हैं। मार्च 2026 तक देशभर में 26 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके थे और लाभार्थियों को लगभग 18 हजार करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी थी। इससे स्पष्ट है कि योजना केवल कागजों तक सीमित नहीं रही, बल्कि करोड़ों नागरिकों के जीवन में प्रत्यक्ष परिवर्तन का माध्यम बनी है। उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि देश में प्रतिदिन लगभग 4500 नए सौर संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। यह गति दशार्ती है कि आम जनता के बीच योजना की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है।यदि इस योजना की सफलता को केवल स्थापित संयंत्रों की संख्या से नहीं बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव से देखा जाए तो तस्वीर और भी प्रभावशाली दिखाई देती है। आज देश में लाखों परिवार ऐसे हैं जिनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। सरकारी सर्वेक्षणों से यह तथ्य सामने आया है कि योजना से जुड़े लगभग 71 प्रतिशत परिवारों ने अपने बिजली व्यय में स्पष्ट बचत का अनुभव किया है। यही नहीं, लाखों परिवार ऐसे भी हैं जिनका मासिक बिजली बिल शून्य या नगण्य स्तर तक पहुँच गया है।ऐसे समय में जब घरेलू बजट पर महंगाई का दबाव बना हुआ है, बिजली बिल में होने वाली यह बचत सीधे परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का कार्य कर रही है।

इस योजना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसने ऊर्जा क्षेत्र को लोकतांत्रिक स्वरूप प्रदान किया है। लंबे समय तक बिजली उत्पादन केवल बड़े बिजलीघरों, सरकारी संस्थाओं और निजी कंपनियों तक सीमित रहा। आम नागरिक बिजली का उपभोक्ता मात्र था।प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना ने इस व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया है।अब नागरिक केवल बिजली उपभोक्ता नहीं बल्कि ऊर्जा उत्पादक भी बन रहा है।यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।योजना की सफलता का एक बड़ा कारण इसकी पारदर्शी और डिजिटल कार्यप्रणाली भी है। आवेदन से लेकर स्वीकृति, स्थापना,निरीक्षण और सब्सिडी वितरण तक की अधिकांश प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है।इससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार तथा अनावश्यक देरी की संभावनाएँ कम हुई हैं।लाभार्थियों को सीधे बैंक खातों में सहायता राशि प्राप्त होने से व्यवस्था पर विश्वास भी मजबूत हुआ है।

राज्यों के प्रदर्शन पर दृष्टि डालें तो गुजरात इस योजना का सबसे सफल मॉडल बनकर सामने आया है। राज्य में पाँच लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं और लाखों परिवार इसका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। महाराष्ट्र तथा उत्तर प्रदेश भी तेजी से आगे बढ़े हैं। राजस्थान, केरल, तमिलनाडु और हरियाणा जैसे राज्यों ने भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।इन राज्यों की सफलता बताती है कि जहाँ प्रशासनिक सक्रियता, जनजागरूकता और वितरण कंपनियों का सहयोग बेहतर रहा, वहाँ योजना के परिणाम भी अधिक प्रभावशाली रहे हैं।हालाँकि उपलब्धियाँ जितनी उत्साहजनक हैं,चुनौतियाँ भी उतनी ही वास्तविक हैं।सर्वेक्षणों में पाया गया कि बड़ी संख्या में लोग अभी भी रूफटॉप सोलर प्रणाली की तकनीकी कार्यप्रणाली को पूरी तरह नहीं समझते। अनेक परिवार इसे बिजली कटौती के समय बैकअप स्रोत मानते हैं,जबकि सामान्य ग्रिड आधारित प्रणाली बिना बैटरी के ऐसा नहीं कर सकती। इसी प्रकार अनेक संभावित लाभार्थियों को उपलब्ध ऋण सुविधाओं और वित्तीय विकल्पों की जानकारी भी नहीं है। इसलिए योजना के अगले चरण में जागरूकता और तकनीकी परामर्श की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी इस योजना का महत्व असाधारण है। भारत ने वैश्विक मंचों पर स्वच्छ ऊर्जा विस्तार और कार्बन उत्सर्जन में कमी का संकल्प लिया है। यदि योजना अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुँचती है तो आने वाले वर्षों में अरबों यूनिट हरित बिजली का उत्पादन होगा और करोड़ों टन कार्बन उत्सर्जन कम करने में सहायता मिलेगी।यह केवल सरकारी लक्ष्य नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का प्रयास है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के दो वर्षों का मूल्यांकन करते समय यह स्पष्ट दिखाई देता है कि इसकी सफलता का आधार केवल सरकारी वित्तीय सहायता नहीं है।इसकी वास्तविक शक्ति जनविश्वास,तकनीकी विश्वसनीयता और प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ में निहित है।जब कोई परिवार अपने बिजली बिल में बचत अनुभव करता है, तब वह स्वयं इस योजना का सबसे प्रभावी प्रचारक बन जाता है।

नशाः राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

ललित गर्ग

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी सामर्थ्य, सबसे बड़ी पूंजी और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विज्ञान, तकनीक, उद्योग, शिक्षा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों के पीछे इसी युवा शक्ति का योगदान है। किंतु विडंबना यह है कि आज यही युवा वर्ग नशे के बढ़ते जाल में फंसता जा रहा है। नशा अब केवल व्यक्तिगत कमजोरी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर करोड़ों और अरबों रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की बरामदगी यह प्रमाणित करती है कि नशे का कारोबार संगठित अपराध का एक विशाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बन चुका है। विशेष रूप से पंजाब, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात तथा पूर्वोत्तर राज्यों में सीमापार से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार हेरोइन, अफीम, चरस, कोकीन तथा सिंथेटिक ड्रग्स की बड़ी खेपों को पकड़ा जाना इस बात का संकेत है कि भारत को नशे के बड़े बाजार के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो तथा विभिन्न सरकारी रिपोर्टों के अनुसार देश में लाखों युवा किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन के आदी हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कराए गए एक व्यापक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि करोड़ों भारतीय तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं तथा उनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। चिंता की बात यह है कि स्कूल और कॉलेज स्तर तक नशे की पहुंच बढ़ रही है। अनेक राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां किशोरों को ड्रग्स के वितरण और तस्करी में इस्तेमाल किया गया। नशे के बढ़ते संकट का एक राष्ट्रीय सुरक्षा पक्ष भी है। अनेक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष युद्ध में लगातार असफल होने के बाद भारत को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद, नकली मुद्रा और नशे की तस्करी जैसे छद्म युद्ध के हथियारों का उपयोग करता रहा है। पंजाब में लंबे समय से सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। अब जम्मू-कश्मीर में भी नशे के बढ़ते प्रभाव को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। आतंकवाद की कम होती गतिविधियों के बीच नशे का फैलाव एक नए खतरे के रूप में उभर रहा है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को कमजोर करना और समाज की ऊर्जा को नष्ट करना है। इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर में प्रारंभ किया गया 'नशामुक्त जम्मू-कश्मीर' अभियान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता पर भी बल देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक समूहों तथा आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया गया है। कुलगाम सहित कई क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों द्वारा इस अभियान को समर्थन दिया जाना इस बात का संकेत है कि नशे जैसी समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वास्तव में नशे का सबसे दुखद और भयावह प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। युवा जीवन ऊर्जा, सृजन और सपनों का प्रतीक होता है, किंतु नशा इन सभी संभावनाओं को नष्ट कर देता है। एक बार नशे की गिरफ्त में आने के बाद व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन, आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा खोने लगता है। उसका आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है और वह अवसाद, तनाव तथा अपराध की दुनिया की ओर बढ़ सकता है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं और सामाजिक जीवन में अस्थिरता बढ़ती है।

नशे के विस्तार के पीछे केवल तस्करी जिम्मेदार नहीं है। इसके सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। बेरोजगारी, भविष्य की अनिश्चितता, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक तनाव, सामाजिक विघटन, अकेलापन, मानसिक अवसाद और गलत संगति युवाओं को नशे की ओर धकेलती है। आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी कृत्रिम सुख और त्वरित आनंद की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। जब जीवन में लक्ष्य, दिशा और सकारात्मक प्रेरणा का अभाव होता है, तब व्यक्ति नशे जैसे विनाशकारी विकल्पों की ओर आकर्षित हो सकता है। नशे और अपराध का संबंध भी अत्यंत गहरा है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि चोरी, लूट, हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों के पीछे नशे की भूमिका बढ़ती जा रही है। नशे की डोज प्राप्त करने के लिए युवा अपराध की राह पर उतर जाते हैं। इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है और समाज में असुरक्षा का वातावरण बनता है। सरकारें इस चुनौती से निपटने के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास कर रही हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल तथा राज्य पुलिस की संयुक्त कार्रवाइयों से कई बड़े ड्रग नेटवर्क ध्वस्त किए गए हैं। पंजाब, राजस्थान, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में विशेष अभियान चलाकर तस्करों पर शिकंजा कसा गया है।

इस संदर्भ में सामाजिक और आध्यात्मिक आंदोलनों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। कानून भय पैदा कर सकता है, लेकिन जीवन में सकारात्मक परिवर्तन केवल जागरूकता और आत्मानुशासन से ही आता है। आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नशामुक्ति को एक व्यापक सामाजिक अभियान का स्वरूप दिया था। उन्होंने संयम, सदाचार और आत्मनियंत्रण के आधार पर लाखों लोगों को व्यसनमुक्त जीवन की प्रेरणा दी। अनेक क्षेत्रों में उनके अभियान ने उल्लेखनीय परिणाम दिए। आचार्य महाश्रमण ने भी अपनी ऐतिहासिक अहिंसा यात्रा के दौरान भारत और पड़ोसी देशों में लाखों लोगों को नशा त्यागने की प्रेरणा दी। उनकी पदयात्राओं का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य समाज में नैतिक चेतना जगाना और युवाओं को व्यसनमुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना रहा। हजारों किलोमीटर की यात्राओं में उन्होंने गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों को यह संदेश दिया कि नशामुक्ति केवल स्वास्थ्य की सुरक्षा नहीं, बल्कि आत्मविकास, पारिवारिक सुख और राष्ट्र निर्माण का आधार है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के विरुद्ध बहुआयामी रणनीति अपनाई जाए। सीमाओं पर निगरानी और तकनीकी सुरक्षा को और मजबूत किया जाए। ड्रोन के माध्यम से होने वाली तस्करी को रोकने के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जाए। नशा तस्करों के विरुद्ध त्वरित न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए ताकि अपराधियों में कानून का भय पैदा हो। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को नियमित पाठ्यक्रम और गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाए। युवाओं के लिए रोजगार, खेल, कौशल विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों के अवसर बढ़ाए जाएं ताकि उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में प्रवाहित हो सके। इसके साथ ही पुनर्वास केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता में भी सुधार आवश्यक है।

आज पंजाब, जम्मू-कश्मीर और अन्य प्रभावित राज्यों के लिए नशामुक्ति केवल सामाजिक सुधार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण का विषय बन चुका है। यह लड़ाई केवल सरकार या पुलिस नहीं जीत सकती। परिवार, विद्यालय, धार्मिक संस्थाएं, सामाजिक संगठन, मीडिया और जागरूक नागरिकों को मिलकर इसे जनआंदोलन बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से सफलता प्राप्त की, उसी प्रकार नशामुक्त भारत का सपना भी सामूहिक संकल्प और निरंतर प्रयासों से ही साकार हो सकता है। भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी संपदा है। यदि यह शक्ति नशे की गिरफ्त में चली गई तो राष्ट्र की प्रगति बाधित होगी, लेकिन यदि इसे स्वस्थ, संस्कारित, जागरूक और लक्ष्यनिष्ठ बनाया गया तो भारत विश्व के सामने एक नई शक्ति के रूप में उभरेगा। इसलिए नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में फ्रांसीसी महिला से गैंगरेप करने वाले 2 दोषियों की फांसी की सजा बरकरार

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान की लाहौर हाईकोर्ट ने 2020 के चर्चित मोटरवे गैंगरेप केस में दो दोषियों की फांसी की सजा बरकरार रखी है। दोषियों ने फ्रेंच महिला पर्यटक को उसके तीन बच्चों के सामने कार से बाहर निकालकर गन पॉइंट पर गैंगरेप किया था। मार्च 2021 में एंटी टेररिज्म कोर्ट ने दोनों को गैंगरेप, अपहरण, लूट और आतंकवाद से जुड़े आरोपों में दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। इसके बाद दोनों आरोपियों ने लाहैर हाईकोर्ट में फैसले के खिलाफ अपील की। अब लाहौर हाईकोर्ट ने दोषी आबिद अली और शफकत अली की अपील खारिज कर दी है। यह घटना सितंबर 2020 में सियालकोट-लाहौर मोटरवे पर हुई थी। फ्रांसीसी मूल की महिला अपने तीन बच्चों के साथ सफर कर रही थी, तभी उसकी कार का पेट्रोल खत्म हो गया। जांच के मुताबिक, महिला कार के अंदर मदद का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान आरोपियों ने कार का शीशा तोड़ा, महिला को बाहर घसीटा और बंदूक की नोक पर बच्चों के सामने गैंगरेप किया। आरोपियों ने नकदी, गहने और बैंक कार्ड भी लूट लिए थे।

ट्रेनिंग के दौरान ब्रिटिश नेवी का हेलिकॉप्टर क्रैश, तीन सैनिकों की मौत

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की रॉयल नेवी का एक हेलिकॉप्टर बुधवार को ट्रेनिंग के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में हेलिकॉप्टर में सवार तीन सैनिकों की मौत हो गई। यह दुर्घटना इंग्लैंड के डेवोन इलाके में सुबह करीब 4 बजे हुई, जब हेलिकॉप्टर एक खेत में गिरा। रॉयल नेवी के प्रमुख जनरल ग्विन जेनकिंस ने कहा कि मर्लिन एमके-4 हेलिकॉप्टर में सवार तीन क्रू मेंबर इस हादसे में जान गंवा बैठे। हादसा कैसे हुआ, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है। रॉयल नेवी के मुताबिक मर्लिन एमके-4 हेलिकॉप्टर में आमतौर पर चार लोग सवार होते हैं और यह 24 सैनिकों को ले जा सकता है। इसका इस्तेमाल समुद्र में गश्त, बचाव अभियान, सामान पहुंचाने और पनडुब्बियों की निगरानी जैसे कामों में किया जाता है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मृत जवानों के परिवारों को घटना की जानकारी दे दी गई है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस हादसे को बेहद दुखद बताया और जवानों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सीट नहीं मिलने के पीछे रूस का विरोध : जर्मन विदेश मंत्री

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता के चुनाव में जर्मनी को हार का सामना करना पड़ा है। जर्मन विदेश मंत्री योहान वाडेफुल ने इस नतीजे को 'कड़वी हार' बताते हुए कहा कि यूक्रेन और इजराइल के समर्थन में जर्मनी के रुख तथा रूस के विरोध की वजह से उसे पर्याप्त समर्थन नहीं मिल सका। बुधवार को हुए मतदान में पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों के समूह की दो सीटों के लिए चुनाव हुआ। इसमें पुर्तगाल को 134 और ऑस्ट्रिया को 131 वोट मिले, जबकि जर्मनी को केवल 104 वोट मिले। वाडेफुल ने कहा कि रूस नहीं चाहता था कि जर्मनी की आवाज सुरक्षा परिषद तक पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस ने जर्मनी के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश की। हालांकि, रूस ने इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। जर्मन विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि मध्य पूर्व संघर्ष में इजराइल के प्रति जर्मनी की विशेष जिम्मेदारी और उसके समर्थन का भी चुनावी परिणाम पर असर पड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जर्मनी कई मुद्दों पर स्पष्ट और सिद्धांत आधारित रुख अपनाता है, जिससे सभी सदस्य देश सहमत नहीं होते। चुनाव में किर्गिस्तान, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा जिम्बाब्वे भी सुरक्षा परिषद के नए अस्थायी सदस्य चुने गए। जर्मनी की हार को चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के लिए एक झटका माना जा रहा है। विपक्षी दलों का कहना है कि मर्ज अंतरराष्ट्रीय मंच पर जर्मनी की भूमिका मजबूत करने का केवल दावा करते रहे हैं। दूसरी ओर मर्ज ने चुनाव परिणाम को स्वीकार करते हुए ऑस्ट्रिया और पुर्तगाल को बधाई दी और कहा कि जर्मनी बहुपक्षीय व्यवस्था का भरोसेमंद स्तंभ बना रहेगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने किया टॉड ब्लैंच को अटॉर्नी जनरल बनाने का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि वह टॉड ब्लैंच को अटॉर्नी जनरल के पद पर नामित करेंगे। ब्लैंच, जो ट्रंप के पूर्व निजी वकील रह चुके हैं, ने कार्यवाहक भूमिका में न्याय विभाग का नेतृत्व करते हुए रिपब्लिकन राष्ट्रपति के एजेंडे को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। व्हाइट हाउस में एक रात्रिभोज के दौरान, ट्रंप ने कहा कि उनकी योजना गुरुवार को औपचारिक रूप से ब्लैंच को नामित करने की है। यह जानकारी व्हाइट हाउस के एक सहायक द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो के अनुसार है।

ट्रंप के खिलाफ बागी हुए उनके ही सांसद, विपक्षी दल से मिलाया हाथ; अब रुकेगा ईरान युद्ध?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने एक ऐसा प्रस्ताव पास कर दिया है, जो ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध में ट्रंप की शक्तियों को सीमित कर देगा। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस प्रस्ताव को पास कराने के लिए ट्रंप की अपनी रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी बगावत कर दी और विपक्षी दल डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर वोट किया।

क्या है प्रस्ताव में और कैसे हुई वोटिंग : प्रतिनिधि सभा में इस 'वॉर पॉवर्स रेजोल्यूशन' (युद्ध शक्ति प्रस्ताव) के पक्ष में 215 और विरोध में 208 वोट पड़े। ट्रंप के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह रही कि चार रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी लाइन से हटकर डेमोक्रेट्स के पक्ष में वोट किया। वहीं, किसी भी डेमोक्रेट सांसद ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट नहीं किया।

ट्रंप को क्या निर्देश : इस प्रस्ताव के तहत राष्ट्रपति ट्रंप को साफ निर्देश दिया गया है कि जब तक अमेरिकी संसद (कांग्रेस) औपचारिक तौर पर युद्ध की घोषणा नहीं करती या सैन्य बल के इस्तेमाल की मंजूरी नहीं देती, तब तक अमेरिकी सैनिकों को ईरान से वापस बुलाया जाए। प्रस्ताव के प्रायोजक प्रतिनिधि ग्रेगरी मीक्स ने इसे एक 'बड़ा टर्निंग पॉइंट' बताते हुए कहा कि अब रिपब्लिकन सांसद भी उन स्थानीय लोगों की आवाज सुन रहे हैं, जो मिडिल ईस्ट में एक और अंतहीन युद्ध नहीं चाहते।

क्या अब सच में रुक जाएगा ईरान युद्ध : भले ही यह प्रस्ताव पास हो गया है, लेकिन इसे फिलहाल 'प्रतीकात्मक' ही माना जा रहा है। इसे कानून बनने और पूरी तरह लागू होने के लिए अभी सीनेट से भी पास होना होगा। सबसे बड़ी बाधा खुद व्हाइट हाउस है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के पास वीटो का अधिकार है जिससे वह इस बिल को ब्लॉक कर सकते हैं।

हालांकि, यह वोटिंग दिखाती है कि तीन महीने से चल रहे इस युद्ध को लेकर खुद रिपब्लिकन पार्टी में कितनी चिंता बढ़ गई है। बता दें कि इसी साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर संयुक्त हमले शुरू किए थे, जिसके बाद जून में अब यह युद्ध अपने चौथे महीने में प्रवेश कर चुका है।

इन फैसलों पर भी ट्रंप के खिलाफ गए अपने ही सांसद : ईरान युद्ध ही नहीं, कई अन्य मुद्दों पर भी रिपब्लिकन सांसद ट्रंप के खिलाफ खड़े नजर आ रहे हैं।

यूक्रेन को सैन्य मदद: प्रतिनिधि सभा ने 'यूक्रेन सपोर्ट एक्ट' पर वोटिंग का रास्ता साफ कर दिया है। रूस के खिलाफ लड़ रहे यूक्रेन को सैन्य मदद देने वाले इस कदम के समर्थन में भी 6 रिपब्लिकन और एक निर्दलीय सांसद ने वोट किया।

वेपनाइजेशन' फंड का विरोध: राजनीतिक सहयोगियों को फायदा पहुंचाने के लिए ट्रंप द्वारा बनाए जा रहे 'वेपनाइजेशन' फंड की योजना के खिलाफ भी रिपब्लिकन सांसदों ने बगावत की। खुफिया प्रमुख की नियुक्ति पर नाराजगी: बिल पुल्टे को नेशनल इंटेलिजेंस का कार्यवाहक निदेशक बनाने पर भी रिपब्लिकन सांसदों ने ट्रंप की तीखी आलोचना की है। सांसदों का कहना है कि पुल्टे के पास राष्ट्रीय सुरक्षा का कोई अनुभव नहीं है।

चुनाव से पहले विपक्ष को मिला बड़ा हथियार : डेमोक्रेट्स का कहना है कि अमेरिकी संविधान के मुताबिक सिर्फ संसद ही युद्ध की घोषणा कर सकती है, राष्ट्रपति नहीं। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि बिना किसी साफ रणनीति के ट्रंप ने देश को एक लंबे युद्ध में धकेल दिया है।

इस युद्ध का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी दिख रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका में गैस, खाने-पीने की चीजों और अन्य उत्पादों की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। अप्रैल में थोक महंगाई दर चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले डेमोक्रेट्स ने इस महंगाई को अपना सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बना लिया है।

दूसरी तरफ, ट्रंप प्रशासन लगातार इस बात पर अड़ा है कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए और ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए यह युद्ध बेहद जरूरी है। वहीं, रिपब्लिकन समर्थकों का कहना है कि डेमोक्रेट्स यह सब सिर्फ राजनीतिक फायदे और ट्रंप को कमजोर करने के लिए कर रहे हैं।

कुवैत ने मिसाइल और ड्रोन हमलों को किया नष्ट, ईरान का अमेरिकी बेस पर हमले का दावा

कुवैत सिटी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी शांतिवार्ता खटाई में पड़ती जा रही है. एक बार फिर दोनों देशों के बीच शांति प्रयासों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है. जानकारी के मुताबिक ईरान ने बुधवार 3 जून को कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सेना के ठिकानों को निशाना बनाया. ड्रोन और मिसाइलों से जमकर हमले किए. वहीं, जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी सेना ने भी ईरान के कुछ ठिकानों पर बमबारी की.

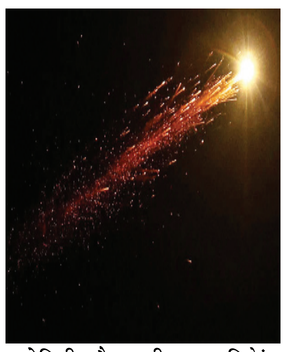

दोनों देशों के हालातों पर बात करते हुए एक कुवैती आर्मी के जनरल स्टाफ ने कंफर्म किया कि लोगों ने जिन धमाकों की रिपोर्ट की है, वे सीधे तौर पर टैक्टिकल यूनिट्स के डिफेंसिव ऑपरेशन से जुड़े थे, जो आने वाले वेक्टर्स को न्यूट्रलाइज कर रहे थे. मिलिट्री कमांड ने पुष्टि करते हुए कहा कि कुवैती एयर डिफेंस अभी दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहे हैं. आर्मी के जनरल स्टाफ ने कहा कि अगर धमाके की आवाजें सुनाई देती हैं, तो वे एयर डिफेंस सिस्टम के दुश्मन के हमलों को रोकने का नतीजा हैं.

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अधिकारी ने बताया कि तेहरान के ड्रोन और मिसाइलों से किए हमले सफल नहीं हुए. उन्हें बीच रास्ते में ही नष्ट कर दिया गया. वे अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके. बता दें, बहरीन पर भी 3 मिसाइलें दागी गईं, लेकिन अमेरिकी और बहरीन एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी को इंटरसेप्ट कर लिया. सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत करते हुए, रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने नागरिकों और विदेशी निवासियों, दोनों से बहुत ज्यादा सावधानी बरतने और कोई भी अजीब मलबा मिलने पर तुरंत 112 हॉटलाइन पर इमरजेंसी सर्विस को बताने की अपील की.

कर्नल अल-ओतैबी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की, और कहा कि वे सिर्फ सरकार के मंजूर इन्फॉर्मेशन नेटवर्क से ही खबरों की पुष्टि करें और सुरक्षा के नियमों का सख्ती से पालन करें. मिलिट्री लीडरशिप ने इस निर्देश पर फिर से जोर देते हुए कहा कि आर्मी का जनरल स्टाफ सभी से सहयोग करने और सभी की सुरक्षा और सेफ्टी बनाए रखने के लिए जारी गाइडलाइंस का पालन करने की अपील करता है. बता दें, हमले के बाद पूरे कुवैत में अलार्म बज रहे हैं।

ईरान के परमाणु हथियार प्रदर्शन की चेतावनी वाली खबरों को रुबियो ने बताया बेबुनियाद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उन खबरों को खारिज कर दिया है जिनमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान ने अमेरिका को एक संदेश भेजकर चेतावनी दी थी कि अगर मौजूदा संघर्ष और बढ़ा, तो ईरान अपनी परमाणु क्षमता का प्रदर्शन कर सकता है। रुबियो ने साफ कहा कि ट्रंप प्रशासन तक ऐसा कोई संदेश नहीं पहुंचा था। यह मामला बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी की सुनवाई के दौरान सामने आया। प्रतिनिधि स्कॉट पेरी ने रुबियो से पूछा कि क्या पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से यह संदेश दिया था कि यदि तनाव और बढ़ता है, तो ईरान परमाणु हथियार होने का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। ऐसी खबरें सार्वजनिक रूप से सामने आई हैं। इस पर रुबियो ने दावे को नकार दिया।

उन्होंने कहा, 'मैंने ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं देखी है और मुझे ऐसे किसी संदेश की जानकारी भी नहीं है।' जब पेरी ने दोबारा सवाल किया और मीडिया रिपोर्टों का हवाला दिया, तब भी रुबियो ने इस बात से खुद को अलग रखा। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा कोई संदेश भेजा गया होता, तो मुझे हैरानी होती। अगर ऐसा हुआ होता, तो मुझे इसकी जानकारी जरूर होती।' यह बातचीत उस समय हुई जब कांग्रेस में ईरान के साथ चल रही बातचीत को लेकर भी सवाल पूछे जा रहे थे। कई महीनों के सैन्य तनाव के बाद अमेरिका एक नए समझौते की कोशिश कर रहा है, जिसका उद्देश्य ईरान की परमाणु गतिविधियों पर सीमाएं तय करना है। पेरी ने यह भी पूछा कि अगर कूटनीतिक बातचीत विफल हो जाती है और ईरान परमाणु क्षमता का प्रदर्शन करने या परीक्षण करने की धमकी देता है, तो प्रशासन की प्रतिक्रिया क्या होगी। रुबियो ने कहा कि ऐसा कदम ईरान की मंशा को लेकर पहले से मौजूद चिंताओं को सही साबित करेगा। उन्होंने कहा कि? मुझे लगता है कि इससे वही साबित होगा जो हम पहले से उनके बारे में मानते रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति को दूसरे विकल्पों पर विचार करना पड़ सकता है। रुबियो ने कहा, 'मुझे लगता है कि तब राष्ट्रपति को इस परिस्थिति में उपलब्ध दूसरे विकल्पों पर आगे बढ़ना होगा।

बेरूत पर हमला हुआ तो ईरान सैन्य जवाब देने को तैयार : अराघची

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने चेतावनी दी है कि अगर इजरायल बेरूत पर हमला करता है, तो ईरान जवाबी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि तेहरान ने सभी पक्षों को साफ बता दिया है कि वह लेबनान की राजधानी पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और ऐसा कदम फिर से युद्ध शुरू होने की वजह बन सकता है। बुधवार को (स्थानीय समयानुसार) लेबनान के टीवी चैनल अल मयादीन को दिए गए एक इंटरव्यू में अराघची ने कहा कि ईरान की सेना पूरी तरह तैयार है और अगर बेरूत पर हमला होता है तो वह इजरायल के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। सि्न्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने आरोप लगाया कि इजरायल ने हाल के दिनों में ईरान और लेबनान दोनों जगह युद्धविराम का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संघर्ष में ईरान और लेबनान की स्थिति एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, इसलिए किसी भी युद्धविराम या समझौते में दोनों देशों को शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच संदेशों के आदान-प्रदान के जरिए बातचीत जारी है, लेकिन अभी तक कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई है। दोनों पक्ष आपस में भेजे गए मसौदों की समीक्षा कर रहे हैं और अंतिम समझौते का रूप तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने दोहराया कि ईरान 'सम्मान और गरिमा पर आधारित शांति और सुरक्षा' चाहता है और युद्ध नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि तेहरान ने बातचीत के प्रस्तावों का सकारात्मक जवाब दिया है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की सेना किसी भी समय फिर से सैन्य अभियान शुरू करने के लिए तैयार है और लंबे समय तक युद्ध लड़ने की क्षमता रखती है।

पिछले कुछ हफ्तों में ईरान और अमेरिका ने पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए शांति की शर्तों से जुड़े कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया है। दोनों देश युद्ध खत्म करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने सोमवार को रिपोर्ट दी थी कि लेबनान में इजरायल की ताजा कार्रवाइयों के विरोध में तेहरान ने वॉशिंगटन के साथ मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान रोक दिया है। कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस खबर का खंडन करते हुए कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत तेजी से जारी है।

कैपिटल हिंसा मामले में दोषी व्यक्ति पेंटागन में नियुक्त

पेंटागन, एजेंसी। अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल भवन पर हुए हमले के मामले में दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने पेंटागन में महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया है। इस फैसले को लेकर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। पेंटागन के अनुसार, एलियास इरिजारी को रक्षा विभाग के नीति कार्यालय में राजनीतिक नियुक्ति के तहत जिम्मेदारी दी गई है। यह कार्यालय रक्षा मंत्री को राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य रणनीति और रक्षा योजनाओं से जुड़े मामलों में सलाह देता है। इरिजारी 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन (कैपिटल) पर हुए हमले में शामिल था। उस समय वह दक्षिण कैरोलिना के एक सैन्य कॉलेज का छात्र था। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, वह टूटी हुई खिड़की से कैपिटल भवन में दाखिल हुआ, परिसर के अंदर घूमता रहा और तस्वीरें भी लीं। बाद में उसने अवैध प्रवेश के आरोप को स्वीकार कर लिया था। साल 2023 में अदालत ने उसे अवैध रूप से प्रवेश करने के मामूली अपराध में 14 दिन की जेल की सजा सुनाई थी। सजा से पहले उसने अदालत में अपने किए पर पछतावा जताते हुए कहा था कि उसके कार्यों से उसे, उसके परिवार और देश को शर्मिंदगी उठानी पड़ी।

पेंटागन के कार्यवाहक प्रेस सचिव ने कहा कि इरिजारी एक योग्य और देशभक्त युवा पेशेवर हैं तथा विभाग को उनकी नियुक्ति पर गर्व है। हालांकि, इस फैसले की आलोचना भी हो रही है। सीनेट की खुफिया समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेट सदस्य मार्क वार्नर ने सवाल उठाया कि कैपिटल हिंसा में दोषी व्यक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कार्य कैसे सौंपे जा सकते हैं। यह पहला मामला नहीं है। ट्रंप प्रशासन में कैपिटल हमले से जुड़े अन्य लोगों को भी सरकारी पद दिए गए हैं। जनवरी में व्हाइट हाउस लौटने के बाद ट्रंप ने 6 जनवरी हमले से जुड़े लगभग 1,600 आरोपियों के मामलों में माफी, सजा में राहत या मुकदमे खत्म करने जैसे कदम उठाए थे। इससे यह मुद्दा अमेरिकी राजनीति में फिर चर्चा का विषय बन गया है।

जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे राष्ट्रपति ट्रंप : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की है कि वह इस महीने फ्रांस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह सम्मेलन 15 से 17 जून तक फ्रांस के एवियन-ले-बैंस शहर में आयोजित किया जाएगा। ऐसे समय में यह बैठक हो रही है, जब ईरान को लेकर अमेरिका और उसके पारंपरिक सहयोगी देशों के बीच मतभेद बढ़े हुए हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर अपनी यात्रा की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि वह 14 जून को व्हाइट हाउस परिसर में आयोजित होने वाली यूएफसी विश्व चैंपियनशिप फाइट्स देखने के बाद सीधे फ्रांस रवाना होंगे। ट्रंप ने इस आयोजन को अमेरिकी इतिहास की सबसे मनोरंजक रातों में से एक बताया। हाल के दिनों में ट्रंप ने जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे प्रमुख जी-7 देशों की आलोचना की थी। इसी कारण शुरुआत में उनके जी-7 सम्मेलन में शामिल होने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। यह सम्मेलन ट्रंप के लिए खास माना जा रहा है, क्योंकि फरवरी में अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान शुरू किए जाने के बाद यह पहली बार होगा जब वह कई वैश्विक नेताओं से आमने-सामने मुलाकात करेंगे।

इमरान खान की रिहाई को लेकर उनकी ही पार्टी में बगावत, कई विधायक बोले- बयानबाजी से नहीं आएंगे जेल से बाहर

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान तारीक-ए-इंसाफ में आंतरिक कलह खुलकर सामने आ गई है। खैबर पख्तूनख्वा के कई नाराज विधायकों ने पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए जेल में बंद संस्थापक इमरान खान की रिहाई के लिए प्रभावी प्रयास नहीं करने का आरोप लगाया है।

विधायकों ने की आपात बैठक : डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, हालिया कैबिनेट विस्तार में पद नहीं मिलने से नाराज विधायकों ने पेशावर में एक आपात बैठक की और पार्टी अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली को एक पत्र भेजा। पत्र में कहा गया कि इमरान खान की रिहाई और उनके स्वास्थ्य को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में गहरी चिंता है।

पार्टी नेतृत्व पर क्या आरोप लगे : विधायकों ने आरोप लगाया कि इमरान खान की रिहाई के लिए चलाया जा रहा आंदोलन केवल बयानबाजी, सीमित विरोध प्रदर्शनों और प्रतीकात्मक गतिविधियों तक सिमटकर रह गया है। उन्होंने नेतृत्व से अधिक प्रभावी, संगठित और परिणाम देने वाली नई रणनीति बनाने की मांग की।

खैबर पख्तूनख्वा सरकार के कामकाज पर उठे सवाल : पत्र में खैबर पख्तूनख्वा सरकार के कामकाज पर भी गंभीर सवाल उठाए गए। विधायकों ने भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, संसाधनों के कथित अनुचित वितरण और निर्वाचित प्रतिनिधियों से बिना सलाह लिए फैसले करने के आरोप लगाए। उन्होंने प्रशासन में पारदर्शिता, योग्यता आधारित व्यवस्था और संस्थागत अनुशासन लागू करने की मांग की।

नाराज नेताओं ने स्पष्ट किया कि वे इमरान खान की विचारधारा और पार्टी के विजन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं व किसी गुट या व्यक्ति विशेष के एजेंडे का हिस्सा नहीं हैं। साथ ही उन्होंने इमरान खान समेत जेल में बंद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए प्रभावी कानूनी सहायता तथा उनके परिवारों के समर्थन की व्यवस्था करने की भी मांग की।

कैबिनेट में जगह नहीं मिलने से विधायक असंतुष्ट : रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 20 विधायक कैबिनेट में जगह नहीं मिलने से असंतुष्ट हैं। इन विधायकों ने मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी द्वारा बुलाई गई संसदीय बैठक का बहिष्कार किया और इसके बजाय रावलपिंडी स्थित अदियाला जेल के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे।वहीं, पार्टी अध्यक्ष बरिस्टर गोहर अली ने फिलहाल इस आंतरिक विरोध पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। बताया जा रहा है कि वे इन दिनों पाकिस्तान-अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान में पार्टी के चुनाव अभियान में व्यस्त हैं।

स्थानीय चुनाव में 12 प्रांत जीते, फिर भी अधूरी रही खुशी; सियोल में मात खा गई ली की पार्टी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में बुधवार को हुए स्थानीय चुनावों में राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी ने अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज की। लेकिन राजधानी सियोल के मेयर पद की सबसे अहम लड़ाई हार गई। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह परिणाम राष्ट्रपति ली के लिए मिला-जुला संदेश है, क्योंकि उनकी पार्टी ने बड़ी सफलता हासिल की, लेकिन सबसे प्रतिष्ठित चुनावी मुकाबला गंवा दिया।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने 12 पदों पर जीत हासिल की : करीब सभी मतों की गिनती पूरी होने तक डेमोक्रेटिक पार्टी ने 16 में से 12 मेयर और प्रांतीय गवर्नर पदों पर जीत दर्ज की। वहीं मुख्य विपक्षी पीपल पावर पार्टी (क्कक्क) ने चार सीटें जीतीं, जिनमें सियोल मेयर का पद भी शामिल है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जंग चुंग-राय ने सियोल में हार को दर्दनाक बताया, हालांकि अन्य क्षेत्रों में मिली जीत के लिए मतदाताओं का आभार जताया।

राष्ट्रपति ली के एक वर्ष पूरे होन के दिन हुआ चुनाव : यह चुनाव राष्ट्रपति ली के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के दिन हुआ। ली को अभी भी 60 प्रतिशत से अधिक जनसमर्थन प्राप्त है। उनकी सरकार को अमेरिका और जापान के साथ संबंधों को संतुलित रखने वाली व्यावहारिक कूटनीति, मजबूत शेयर बाजार और सरकारी फैसलों में पारदर्शिता बढ़ाने के प्रयासों का लाभ मिला है।

सियोल पर किसने जीत हासिल की : हालांकि सियोल मेयर पद पर डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ शुरुआती रुझानों में आगे थे, लेकिन मतगणना आगे बढ़ने के साथ मौजूदा मेयर ओह से-हून ने बढ़त बना ली और अंततः जीत दर्ज की।

जीत के बाद ओह से-हून ने कहा कि सियोल के नागरिकों ने यह सुनिश्चित किया है कि देश किसी एक दिशा में अत्यधिक न झुके और लोकतंत्र का संतुलन बना रहे। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि वे जनता के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करते हैं।

चुनाव के दौरान क्या गड़बड़ी हुई : चुनाव के दौरान सियोल के कुछ मतदान केंद्रों पर मतपत्रों की कमी के कारण मतदान अस्थायी रूप से रोकना पड़ा, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। पीपीपी ने इस घटना को मतदाताओं के अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए जांच के आधार पर दोबारा चुनाव कराने की मांग की, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसे खारिज कर दिया।

सबसे चर्चा में किसकी जीत रही : इस बीच, संसद के उपचुनावों में भी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 14 में से नौ सीटें जीतकर अपनी संसदीय बढ़त और मजबूत कर ली। हालांकि सबसे चर्चित जीत पूर्व पीपीपी नेता हान डोंग-हून की रही, जिन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में बुसान से जीत दर्ज की। हान डोंग-हून ने जीत के बाद कहा कि वे दक्षिण कोरिया के रूढ़िवादी खेमे का पुनर्निर्माण करेंगे और सरकार पर लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने का दबाव बनाए रखेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि स्थानीय स्तर पर डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़ती पकड़ राष्ट्रपति ली को क्षेत्रीय नीतियों को लागू करने में मदद करेगी, लेकिन सियोल की हार यह संकेत देती है कि विपक्ष अभी भी देश की राजनीति में महत्वपूर्ण ताकत बना हुआ है।

कैलिफोर्निया में 10 लोगों को बंधक बनाया, FBI ने संदिग्ध को किया ढेर

बेकर्सफील्ड , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के बेकर्सफील्ड शहर में एक व्यक्ति ने कार्यालय भवन के भीतर 10 लोगों को बंधक बना लिया। यह गतिरोध 15 घंटे से अधिक समय तक चला। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध ने बैंक भवन में खुद को लोगों के साथ बंद कर लिया था। घटना की सूचना बम की धमकी मिलने के बाद मिली थी। बुधवार तड़के एफबीआई की कार्रवाई के दौरान संदिग्ध मारा गया। पुलिस ने बताया कि सभी बंधकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी को चोट नहीं पहुंची। मामले की जांच जारी है।

भरपूर मात्रा में दही खाएं, चिंता से मुक्ति मिलेगी

एक शोध के मुताबिक, दही जैसे प्रोबायोटिक्स का सेवन करने से न सिर्फ आंत में बैक्टीरिया को नियंत्रित करने में मदद मिलती है, बल्कि यह चिंता कम करने के साथ-साथ मस्तिष्क की कार्यक्षमता में सुधार भी करती है। आजकल की बदलती जीवनशैली, व्यस्तता और खराब सामाजिक जीवन के चलते अक्सर चिंता और बेवजह का तनाव होने लगता है, जो धीरे-धीरे अवसाद के तौर पर गंभीर समस्या बन सकता है। इसलिए, जिंदगी में शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बेहद जरूरी हो गया है। हालांकि, चिंता से मुक्ति पाना आसान नहीं है। लेकिन शोध के मुताबिक,खाने में भरपूर मात्रा में दही शामिल करके चिंता व तनाव से राहत मिल सकती है। शोध में पता चला है कि प्रोबायोटिक्स आंत के बैक्टीरिया को नियंत्रित करने के अलावा मस्तिष्क की कार्यक्षमता को सुधारने में भी अहम भूमिका निभाते हैं, जो चिंता के लक्षणों को कम करती है। प्रोबायोटिक्स को अच्छे बैक्टीरिया होते हैं, क्योंकि ये हानिकारक बैक्टीरिया से लड़ते हैं। शोध यह भी बताता है कि आंतों के माइक्रोबायोटो को नियंत्रित करके मानसिक विकारों का उपचार हो सकता है। इसका समर्थन करने वाला अभी कोई ठोस सबूत नहीं है।

शरीर सुन्न हो जाने पर घरेलु नुस्खे

पपीता और सरसों

पपीते या शरीफे के बीजों को पीसकर सरसों के तेल में मिलाकर सुन्न होने वाले अंगों पर धीरे-धीरे मालिश करें।

सोंठ, लहसुन और पानी

सुबह के समय शौच आदि से निपट कर सोंठ तथा लहसुन की दो कलियों को चबाकर ऊपर से पानी पी लें।

यह प्रयोग आठ-दस दिनों तक लगातर करने से सुन्न स्थान ठीक हो जाता है।

अजवायन, लहसुन और तिली तेल

तिली के तेल में एक चम्मच अजवायन तथा लहसुन की दो पूतियां कुचलकर डालें। फिर तेल को पका-छानकर शीशी में भर लें। इस तेल से सुन्न स्थान की मालिश करें।

बादाम

बादाम घिसकर लगाने से त्वचा स्वाभाविक हो जाती है। और बादाम का तेल मलने से सुन्न स्थान ठीक हो जाता है।

पीपल और सरसों

पीपल के पेड़ की चार कोंपलें सरसों के तेल में मिलाकर आंच पर पकाएं। फिर छानकर इस तेल को काम में लाएं।

सोंठ, पीपल, लहसुन और पानी

सोंठ, पीपल तथा लहसुन सभी बराबर की मात्रा में लेकर सिल पर पानी के साथ पीस लें। फिर इसे लेप की तरह सुन्न स्थान पर लगाएं।

कालीमिर्च और इलायची

कालीमिर्च तथा लाल इलायची को पानी में पीसकर त्वचा पर लगाएं।

नारियल और जायफल

100 ग्राम नारियल के तेल में 5 ग्राम जायफल का चूर्ण मिलाकर त्वचा या अंग विशेष पर लगाएं।

लहसुन और पानी

एक गांठ लहसुन और एक गांठ शुंठी पीस लें। इसके बाद पानी में घोलकर लेप बना लें। इस लेप को त्वचा पर लगाएं।

घी

रात को सोते समय तलवों पर देशी घी की मालिश करें। इससे पैर का सुन्नपन खत्म हो जाएगा।

चोपचीनी, पीपरामूल, मक्खन और दूध

5 ग्राम चोपचीनी, 2 ग्राम पीपरामूल और 4 ग्राम मक्खन तीनों को मिलाकर सुबह-शाम दूध के साथ सेवन करें।

बेल, पीपल, चित्रक और दूध

बेल की जड़, पीपल और चित्रक को बराबर की मात्रा में लेकर आधा किलो दूध में औटाएं। फिर रात को सोते समय उसे पी जाएं।

सैन्धव तेल

सैन्धव तेल की मालिश से सुन्नपन में काफी लाभ होता है।

शरीर सुन्न हो जाने का कारण

शरीर के किसी अंग के सुन्न होने का प्रमुख कारण वायु का कुपित होना है। इसी से वह अंग भाव शून्य हो जाता है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि खून के संचरण में रुकावट पैदा होने से सन्नता आती है। यदि शरीर के किसी विशेष भाग को पूरी मात्रा में शुद्ध वायु नहीं मिलती तो भी शरीर का वह भाग सुन्न पड़ जाता है।

शरीर सुन्न हो जाने की पहचान

जो अंग सुन्न हो जाता है, उसमें हल्की झनझनाहट होती है। उसके बाद लगता है कि वह अंग सन्न हो गया है। सुई चुभने की तरह उस अंग में धीरे-धीरे लपकन-सी पड़ती है, लेकिन दर्द नहीं मालूम पड़ता।

रेसिपी

पनीर कोरमा

सामग्री

- 300 ग्रम पनीर
- 1 कप पानी
- 1 प्याज
- 1 टमाटर
- 4 तेज पत्ता
- 5 काजू
- 1 टी स्पून अदरक लहसुन पेस्ट
- 1 टी स्पून गरम मसाला
- 1/2 टी स्पून हल्दी
- 1/2 टी स्पून लाल मिर्च
- 1/2 टी स्पून हरी मिर्च पेस्ट
- 2 टी स्पून खसखस
- 2 टी स्पून नारियल
- 2 टी स्पून धनिया पत्ता
- 2 टी स्पून तेल
- नमक स्वादानुसार

विधि

पनीर कोरमा बनाने के लिए सबसे पहले प्याज और टमाटर को बारीक काट लें। अब खसखस, काजू और नारियल को मिक्सी में पीस लें। साथ ही थोड़ा पानी डालकर एक पेस्ट तैयार कर लें। अब एक कढ़ाई में तेल डालकर गरम करें। गरम तेल में तेज पत्ता और इलायची डालकर भूनें। अब इसमें कटा हुआ प्याज डालें और धीमी आंच पर उसे भूनें। प्याज का रंग हल्का ब्राउन होने लगेगा। इस मिश्रण में हरी मिर्च का पेस्ट, अदरक लहुसन का पेस्ट डालें और इसी मिश्रण के साथ भूनें। इतना करने के बाद इसमें कटा हुआ टमाटर डालें साथ ही नमक, लाल मिर्च और हल्दी डालकर मिश्रण को भूनें। 2 मिनट तक मिश्रण को पकने के लिए छोड़ दें। अब इसमें पिसा हुआ खसखस का पेस्ट और पानी डालकर पकने के लिए छोड़ दें। 5 मिनट तक सब्जी को पकने दें। इस मिश्रण में पनीर के कटे हुए टुकड़े डालें, साथ ही गरम मसाला डालें और 2 मिनट तक सब्जी को पकाएं। आपका स्वादिष्ट पनीर कोरमा बनकर तैयार है। इसे बाउल में निकालें ऊपर से धनिया पत्ता डालें और सभी को गरम-गरम सर्वे करें।

शाही मशरूम

सामग्री

- मशरूम 200 ग्राम
- प्याज 4
- टमाटर 5
- अदरक 1 टुकड़ा
- हरी मिर्च 2
- नमक स्वादानुसार
- लाल मिर्च पाउडर 1/2 चम्मच
- गरम मसाला पाउडर 1/2 चम्मच
- चीनी 1 चम्मच
- क्रीम 1 कप
- काजू 1 कप
- घी 3 चम्मच

विधि

मशरूम को धोकर दो टुकड़ों में काट लें। प्याज और टमाटर को भी छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। कढ़ाही में दो चम्मच घी गर्म करें और प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। फिर टमाटर, अदरक और हरी मिर्च डालें। जब टमाटर मुलायम होने लगे तो गैस बंद कर दें और मिश्रण के ठंडा होने पर उसका घोल बना लें। अब उसी कढ़ाही में बचा हुआ घी डालें और गर्म करें। तैयार घोल को घी में डालें। लाल मिर्च पाउडर, सभी मसाले, चीनी और काजू का घोल डालें। चार से पांच मिनट तक धीमी आंच पर भूनें ग्रेवी के लिए आधा कप पानी डालें। जब ग्रेवी उबलने लगे तो कड़ाही में मशरूम डालकर धीमी आंच पर पांच से सात मिनट तक पकाएं। सबसे अंत में नमक और क्रीम डालकर मिलाएं। लगातार चलाते हुए पांच मिनट तक पकाएं और गैस बंद कर दें। लो तैयार हो गया आपका शाही मशरूम। इसे मेहमान के सामने गर्मागर्म परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेंगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

लॉफिंग ज़ौन

बेटा (मां से)- मां, क्या पीला रंग महंगा मिलता है ?

मां- नही तो।

बेटा- मगर पडोस वाली आंटी तो कह रही थी, कि बेटी के हाथ पीले करने में लाख रूपए लगेंगे।

□ □ □

प्रदीप- मेरा मुंह मत घोओ बहुत ठंड है।

दादी- बेटे जब मैं तेरी उम्र की थी, तो दिन में चार बार मुंह घोआ करती थी।

प्रदीप- इसलिए तो तुम्हारा मुंह इतना सिकुड गया है।

□ □ □

मां- बेटे तू यह कैसी माचिस लाया है। इसमें एक भी तीली नही है ?

बेटा- मां आपने ही तो कहा था कि माचिस देखकर लाना, तीलियां सीली हुई मत लाना। इसलिए मैंने माचिस की सारी तीलियां जलाकर देख ली।

□ □ □

जज (चोर से)- तुमने सुनार की दुकान से गहने क्यों चुराए ?

चोर- जज साहब, दुकान के बाहर लिखा था 'सुनहरे मौके का लाभ उठाएं'।

काकुरो पहेली - 4076

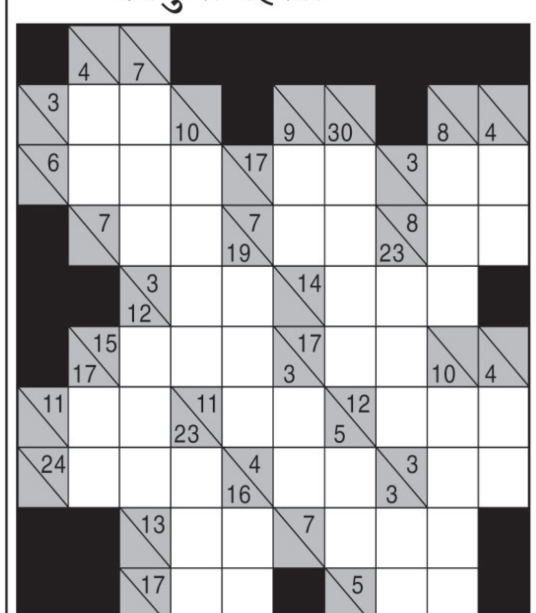

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

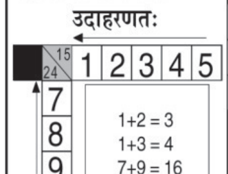

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -4075 का हल

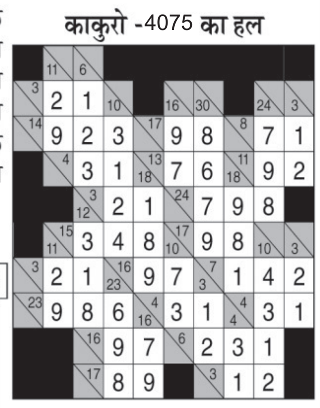

फिल्म वर्ग पहेली- 4076

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4075

सूडोकु 4076

6					7			
		8	2				7	5
	4			3				6
	7	1			2		5	
8				4				3
	2		8			9	6	
2				8			3	
4	3				9	8		
			3					9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4075 हल

7	4	6	9	1	5	8	3	2
1	5	2	8	3	7	4	6	9
9	3	8	2	6	4	7	1	5
8	6	4	7	9	1	5	2	3
5	2	7	3	4	6	9	8	1
3	9	1	5	8	2	6	7	4
2	7	9	1	5	8	3	4	6
6	1	5	4	7	3	2	9	8
4	8	3	6	2	9	1	5	7

शब्द पहेली - 4076

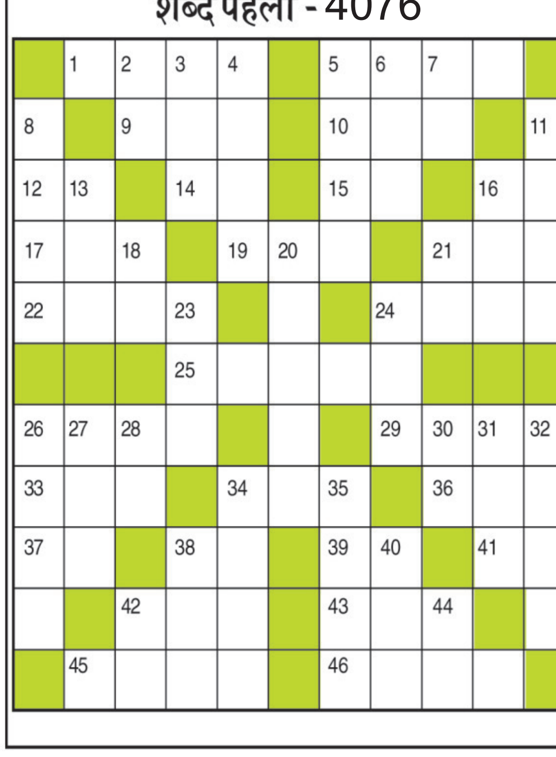

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली 4075 का हल

कछार में 4.5 करोड़ की मादक पदार्थ बरामद, तीन महिला समेत छह ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

कछार (असम)। असम के विभिन्न जिलों में नशा-विरोधी अभियान लगातार जारी है। इस कड़ी में पुलिस ने कछार जिले की विभिन्न इलाकों में चलाए गये अलग-अलग अभियानों में तीन महिला समेत छह ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। वहीं, लगभग 4.5 करोड़ मूल्य की मादक पदार्थ भी बरामद किया है। कछार जिला पुलिस मुख्यालय ने गुरुवार को बताया कि उदारबंद पुलिस स्टेशन के अंतर्गत, विश्वसनीय जानकारी के आधार पर, इंट्रा बी-10 ट्रक (एएस-11डीसी-8629) से कुल 8010 बोतलें (100 एमएल) कोडीन कफ सिरप और 150 पैकेट ट्रामाडोल टैबलेट (प्रत्येक पैकेट में 10 स्ट्रिप और एक स्ट्रिप में 24 टैबलेट, यानी कुल 36,000 टैबलेट) बरामद की गईं। एक ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया,

जिसकी पहचान ग्यासुद्दीन लस्कर के रूप में हुई है। एक अन्य अभियान में कलाइन पुलिस स्टेशन के अंतर्गत दिगोरखाल क्षेत्र में नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले में, कलाइन की ओर आ रहे एक ट्रक (एएस-01ईसी-2533) को रोका गया। ट्रक से 14 साबुनदानी में रखी 170 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई। इस मामले में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान आजाद उद्दीन के रूप में की गयी है। इसी बीच जिला मुख्यालय शहर सिलचर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत, फतोक बाजार के पास, नशीले पदार्थों की छोटी-मोटी तस्करी करने वाले एक व्यक्ति (तस्कर) अजीम उद्दीन लस्कर उर्फ 'काला' को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान, उसके कब्जे से संदिग्ध हेरोइन से भरी कुल 35 शीशियां बरामद की गईं, जिनका वजन लगभग 1.7 ग्राम था। जबकि, सिलचर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत, सिलचर रेलवे स्टेशन के पास, नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाली एक महिला- गुल निहार बेगम लस्कर को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 15 साबुनदानी में रखी 298 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई। इस बीच सोनाई पुलिस स्टेशन के अंतर्गत रश्मीना बेगम (31) और ममताज बेगम चौधरी (37) को गुप्त सूचना के आधार पर सोनाई बाजार से गिरफ्तार किया गया।

नबी करीम में एलपीजी सिलेंडर में लगी आग, चार लोग झुलसे

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के नबी करीम इलाके में स्थित घर में सुबह एलपीजी सिलेंडर में आग लग जाने से चार लोग झुलस गए। सभी घायलों को तुरंत राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 9:29 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को अमरपुरी, नबी करीम स्थित हाउस नंबर ए-88 से सिलेंडर में आग लगने की सूचना मिली। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। घटना एक छोटे से 4म6 फीट के कमरे में हुई, जहां सरिता चाय, दाल-चावल और साधारण भोजन बनाकर बेचने का काम करती थीं। पुलिस जांच में पता चला कि सरिता के कहने पर कृष्णा नामक व्यक्ति पुराना एलपीजी सिलेंडर बदल रहा था। रेगुलेटर खोलते समय अचानक गैस लीक हो गई और उसमें आग लग गई। इस दौरान आग तेजी से फैल गई। इस घटना में कुल चार लोग घायल हुए। इनमें सरिता (35), कृष्णा (37) और चाय पीने के लिए वहां मौजूद अजय (19) और जाफिर (35) नामक राहगीर शामिल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने उन्हें वहां से निकाला और आरएमएल अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना एलपीजी सिलेंडर बदलते समय सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण हो सकती है। रेगुलेटर खोलने से पहले मुख्य वाल्व बंद न करने या गैस लीक होने पर तुरंत सावधानी न बरतने से यह हादसा हुआ।

ममता बनर्जी के खिलाफ हिंदू महासभा ने दर्ज कराई शिकायत

कोलकाता। बांग्लादेश में हादी उस्मान की हत्या में कथित तौर पर केंद्रीय गृह मंत्रालय की कथित संलिप्तता को लेकर किए गए विवादित दावे पर ममता बनर्जी के खिलाफ अब कोलकाता पुलिस मुख्यालय लाल बाजार में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। अखिल भारत हिंदू महासभा ने यह शिकायत दर्ज कराई है। अखिल भारत हिंदू महासभा की ओर से साइबर अपराध शाखा में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत सौंपी गई। संगठन ने उनके खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी और उदाहरणात्मक कार्रवाई की मांग की है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रचूड़ गोस्वामी ने शिकायत में आरोप लगाया कि गत धर्मतल्ला स्थित वाई चैनल से दिए गए बयान के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचा है। इस बयान से पश्चिम बंगाल सहित पूरे देश में सांप्रदायिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका है।संबंधित बयान को गंभीरता से लेते हुए पुलिस को तत्काल जांच करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि ममता बनर्जी ने अपने धरना मंच से दावा किया था कि बांग्लादेश में हादी की हत्या के बाद हत्यारे भारत की सीमा में घुसकर पश्चिम बंगाल आए, जिसके बाद उन्हें पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने गिरफ्तार किया था। उन्होंने इशारे-इशारे में कहा था कि केंद्रीय गृह मंत्रालय को सारी जानकारी थी।

मप्र के इंदौर में ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियां अंतिम चरण में, कृषि सचिव ने लिया जायजा

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में आगामी 9 जून से प्रारंभ होने वाले अंतरराष्ट्रीय महत्व के ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न स्तरों पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में प्रदेश के कृषि विभाग के सचिव निशांत वरवड़े गुरुवार को इंदौर पहुंचे और आयोजन से जुड़े विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान वरवड़े ने सम्मेलन से संबंधित तैयारियों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आयोजन स्थलों पर अतिथियों के स्वागत, आवास, परिवहन, सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा सभी व्यवस्थाएं समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मंडी एमडी कुमार पुरुषोत्तम, पर्यटन एमडी दिलीप यादव, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, स्मार्ट सिटी के सीईओ अर्थ जैन, कृषि विभाग के उप सचिव रोहित सिसोनिया, संयुक्त संचालक आलोक मीणा, उप संचालक सी.एल. केवड़ा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश को मिले ई-गवर्नेंस क्षेत्र में दो राष्ट्रीय पुरस्कार, मुख्यमंत्री ने दी बधाई

भोपाल। ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए मध्य प्रदेश को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर प्रदेश के नागरिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के अंतर्गत मध्य प्रदेश को दो राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त होना हम सभी के लिए गौरव का विषय है। प्रदेश को मिली राष्ट्रीय स्तर पर दोनों उपलब्धियां ई-गवर्नेंस, नवाचार और तकनीक आधारित जनसेवा के क्षेत्र में मध्य प्रदेश शासन की आम जनता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार के अंतर्गत दो पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। शहरी विकास एवं आवास विभाग की ई-नगर पालिका में सायबर सुरक्षा व्यवस्था के लिए स्वर्ण पुरस्कार तथा त्रिनेत्र-महाकालेश्वर मंदिर सहित महाकाल रुद्रसागर एकीकृत विकास क्षेत्र की एआई आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली के लिए रजत पुस्कार की घोषणा हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसमें योगदान देने वाले सभी अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं।

सलीम डोला के अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ सिंडिकेट पर ईडी की कार्रवाई, 21 ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2 और 3 जून को मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम, 2002 के तहत मुंबई, सूरत, अंकलेश्वर और राजकोट में 21 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई सलीम इस्माइल डोला और उसके सहयोगियों द्वारा संचालित अंतरराष्ट्रीय संगठित मादक पदार्थ तस्करी सिंडिकेट की जांच से जुड़े मामले में की गई है। ईडी की तलाशी में सलीम डोला के नेटवर्क को कवर किया गया जिसमें रसायन आपूर्तिकर्ता, रसायन व्यापारी, मेफेड्रोन (एमडी) नामक सिंथेटिक मादक पदार्थ के निर्माता और वितरक, हवाला ऑपरेटर और करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्तियों के धारक शामिल हैं। इस कार्रवाई का उद्देश्य अवैध आपूर्ति श्रृंखला और मनी लॉन्ड्रिंग तंत्र की अहम कड़ियों को निशाना बनाकर सिंडिकेट की परिचालन क्षमता और वित्तीय ढांचे को बाधित करना था। तलाशी के दौरान लगभग 1.33 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी, विदेशी मुद्रा, सोने की ईंटें और बैंक बैलेंस जब्त व फ्रीज किए गए। इसके अलावा भारत और दुबई स्थित करोड़ों रुपये मूल्य की अचल संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए गए। एजेंसी ने बताया कि जांच विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा मुंबई में दर्ज कई प्राथमिकी पर आधारित है। अब तक की जांच से स्पष्ट हुआ है कि यह एक अत्यधिक संगठित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क है, जो रसायनों की खरीद, मेफेड्रोन का गुप्त निर्माण, अंतरराज्यीय परिवहन और वितरण, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी, हवाला चैनलों के माध्यम से अपराध की आय का संग्रह और परतदार निवेश तथा सहयोगियों और अन्य व्यक्तियों के नाम पर चल-अचल संपत्तियों के अधिग्रहण में संलिप्त है।

तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक कलह के बीच भाजपा 'झूठे मित्रों' से सतर्क रहें : स्वपन दासगुप्ता

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर जारी आंतरिक कलह और कथित टूट के बीच वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और केबिनेट मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने पार्टी कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा को उन लोगों से सावधान रहना चाहिए जो अपने पुराने कृत्यों से बचने के लिए पार्टी में शरण लेने की कोशिश कर सकते हैं।

राज्य में राजनीतिक घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वपन दासगुप्ता ने कहा कि टीएमसी में चल रही स्थिति को 'टूट' के रूप में देखा जाना चाहिए और भाजपा कार्यकर्ताओं को इसे लेकर अत्यधिक उत्साहित होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी को किसी भी प्रकार के 'अच्छे या बुरे टीएमसी' के बीच अंतर नहीं करना चाहिए। दासगुप्ता ने कहा, 'जो भी घटनाक्रम सामने आ रहे हैं, वे टीएमसी के भीतर विभाजन को दर्शाते हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं को इस पर अनावश्यक उत्साह नहीं दिखाना चाहिए। हमें स्पष्ट रूप से सतर्क रहना होगा। ' उन्होंने आगे दावा किया कि हालिया चुनावी परिणामों के बाद जनता

का जनादेश भाजपा के पक्ष में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि 'मतगणना के बाद यह साफ हो गया कि जनता क्या चाहती है। ' भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि टीएमसी से जुड़े कई नेता और कार्यकर्ता अब पार्टी में आना चाह रहे हैं, जिसे उन्होंने संदिग्ध बताया। दासगुप्ता ने कहा कि ऐसे लोगों को पार्टी में शामिल करने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने टीएमसी पर कट-मनी और सिंडिकेट राजनीति के आरोप भी लगाए और कहा कि यह पार्टी अब एक राजनीतिक संगठन से अधिक 'अपराध तंत्र' की तरह काम कर रही है। इससे पहले दिन में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए दासगुप्ता ने कहा था कि उन्हें टीएमसी के आंतरिक संकट से कोई सहानुभूति नहीं है, लेकिन भाजपा को 'झूठे मित्रों' से सावधान रहना चाहिए, जो अपने अतीत को छिपाने के लिए पार्टी में प्रवेश करना चाहते हैं।

म्यांमार से बढ़ती शरणार्थियों की आमद मिजोरम पर बन रहे बोझ : मुख्यमंत्री लालदुहोमा

एजेंसी

शिलांग (मेघालय)। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने गुरुवार को कहा कि म्यांमार से विस्थापित लोगों का लगातार राज्य में आना अब मिजोरम के लिए एक बड़ा बोझ बनता जा रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि पड़ोसी देश में जारी राजनीतिक और सुरक्षा संकट के कारण आने वाले महीनों में और अधिक लोग शरण लेने के लिए मिजोरम पहुंच सकते हैं।

मेघालय की राजधानी शिलांग में एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि म्यांमार की मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों के चलते बड़ी संख्या में विस्थापित लोग मिजोरम में शरण ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि वहां की स्थिति के कारण आजकल हमारे यहां बहुत से विस्थापित लोग आ रहे हैं। संभावना है कि सुरक्षा की तलाश में और भी लोग आएंगे। यह हमारे लिए एक बोझ बन गया है। मिजोरम, जिसकी म्यांमार के साथ एक खुली अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है और दोनों ओर रहने वाले समुदायों के बीच लंबे समय से जातीय और सांस्कृतिक संबंध रहे हैं। यही कारण

है कि म्यांमार में राजनीतिक अस्थिरता और सशस्त्र संघर्ष के बाद हजारों लोग सीमा पार कर मिजोरम में शरण ले चुके हैं। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब राज्य लंबे समय से शरणार्थी संकट से उत्पन्न मानवीय, प्रशासनिक और वित्तीय चुनौतियों का सामना कर रहा है। राज्य सरकार का कहना है कि विस्थापितों की बढ़ती संख्या के कारण स्थानीय संसाधनों, बुनियादी ढांचे और जनकल्याण सेवाओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। हालांकि, चुनौतियों के बावजूद मिजोरम सरकार मानवीय आधार पर म्यांमार से आए लोगों को सहायता और आश्रय उपलब्ध करा रही है। राज्य सरकार का मानना है कि सीमा के दोनों ओर रहने वाले समुदायों के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को देखते हुए उनकी मदद करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री लालदुहोमा के बयान के बाद केंद्र सरकार से अतिरिक्त सहायता और शरणार्थी संकट से निपटने के लिए समन्वित रणनीति की मांग एक बार फिर चर्चा में आ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि म्यांमार की स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ, तो मिजोरम पर शरणार्थियों का दबाव और बढ़ सकता है।

भाजपा ने गुजरात से राज्यसभा के चार उम्मीदवारों की घोषणा की

एजेंसी

गांधीनगर। गुजरात से राज्यसभा की चार सीटों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहे चार नेताओं राजू शुक्ला, डॉ. मुकेश राठवा, मानसिंह परमार और जितेंद्र कंजारिया को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा के प्रचंड बहुमत को देखते हुए चारों उम्मीदवारों के निर्वाचित होने की संभावना लगभग तय मानी जा रही है।

भाजपा की उम्मीदवार सूची में उत्तर गुजरात, मध्य गुजरात और सौराष्ट्र क्षेत्र के साथ-साथ सामान्य, ओबीसी और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग का भी संतुलित प्रतिनिधित्व दिखाई देता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी ने इस बार संगठन में वर्षों से काम कर रहे कार्यकर्ताओं को सम्मान देने का संदेश दिया है।62 वर्षीय राजू शुक्ला उत्तर गुजरात के कड़ी क्षेत्र से आते हैं और वर्तमान में गांधीनगर में निवास करते हैं। एम.कॉम. और एलएलबी की शिक्षा प्राप्त राजू शुक्ला दो पुत्रों के पिता हैं। ब्राह्मण समाज से आने वाले शुक्ला वर्तमान में सुरेंद्रनगर जिले के भाजपा प्रभारी हैं।

वे कड़ी नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष, महेसाणा भाजपा जिला महामंत्री, अरवल्ली भाजपा जिला प्रभारी तथा गुजरात पब्लिक सर्विस कमीशन (जीपीएससी) के पूर्व सदस्य रह चुके हैं। इसके अलावा वे विद्या भारती कड़ी एवं गांधीनगर संकुल के ट्रस्टी हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षित स्वयंसेवक रहे शुक्ला ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में भी विभिन्न जिम्मेदारियां निभाई हैं। 39 वर्षीय डॉ. मुकेश राठवा छोटा उदेपुर जिले के कवांट तालुका स्थित रायसिंगपुरा गांव के निवासी हैं। पीएचडी, एलएलबी, एमए और एमएड जैसी उच्च शैक्षणिक योग्यता रखने वाले राठवा अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय से आते हैं। उनके परिवार में पत्नी और एक पुत्री हैं। वर्तमान में वे छोटा उदेपुर जिला भाजपा के महामंत्री हैं। वर्ष 2001 से 2012 तक उन्होंने आरएसएस में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाई। इसके बाद भाजपा युवा मोर्चा में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, जिला अध्यक्ष और प्रदेश उपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। उन्होंने छह राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी संगठनात्मक जिम्मेदारियां निभाई हैं। 45 वर्षीय मानसिंह परमार गिर सोमनाथ जिले से आते हैं। केमिकल इंजीनियरिंग और एलएलबी की शिक्षा प्राप्त परमार के परिवार में एक पुत्र और एक पुत्री हैं। वे ओबीसी वर्ग के कारड़िया राजपूत समाज से संबंध रखते हैं और वर्तमान में भाजपा बक्षीपंच मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हैं। उन्होंने 1999 में एबीवीपी से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की। इसके बाद भाजपा युवा मोर्चा, जिला संगठन और पार्टी के विभिन्न पदों पर जिम्मेदारियां निभाई। वे गिर सोमनाथ जिला पंचायत सदस्य, भाजपा जिला महामंत्री और जिला अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वर्ष 2022 में उन्होंने तालाला विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। वे गुजरात के पूर्व मंत्री और तालाला के पूर्व विधायक गोविंदभाई परमार के भतीजे हैं। 39 वर्षीय जितेंद्र कणजारिया देवभूमि द्वारका जिले के खंभालिया क्षेत्र से आते हैं। एमसीए और बी.कॉम की शिक्षा प्राप्त कणजारिया ओबीसी वर्ग के सतवारा समाज से संबंध रखते हैं। उनके परिवार में दो बच्चे हैं। वे देवभूमि द्वारका जिला पंचायत की कार्यकारी समिति के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। उनके पिता स्वर्गीय मेघजीभाई कणजारिया खंभालिया विधानसभा क्षेत्र से विधायक और जिला भाजपा अध्यक्ष रह चुके हैं। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय कणजारिया को संगठन के जमीनी कार्यकर्ता के रूप में पहचान मिली है।

कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची जारी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पवन खेड़ा समेत 7 नाम घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली। : कांग्रेस ने देश के विभिन्न राज्यों में होने वाले राज्यसभा के आगामी द्विवार्षिक एवं उप-चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल की ओर से गुरुवार को जारी आधिकारिक सूची के अनुसार, पार्टी ने वरिष्ठ नेताओं और संगठनात्मक चेहरों पर भरोसा जताया है। कर्नाटक से पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा और मंसूर अली खान को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश की सीट से पूर्व सांसद मीनाक्षी नटरजन को प्रत्याशी घोषित किया गया है। इसके अलावा, कांग्रेस ने राजस्थान से नीरज डांगी, तमिलनाडु से पार्टी के डेटा एनालिटिक्स विभाग के प्रमुख प्रवीण

चक्रवर्ती और झारखंड से प्रणव झा को अपना राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। चुनावी मैदान में उतर रहे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पार्टी के सबसे वरिष्ठ और कद्दावर नेताओं में शुमार हैं। वर्तमान में वे राज्यसभा में विपक्ष के नेता की भूमिका भी निभा रहे हैं। वहीं, कर्नाटक से उम्मीदवार बनाए गए पवन खेड़ा पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया अध्यक्ष हैं और मीडिया व रणनीतिक मोर्चे पर कांग्रेस का प्रमुख चेहरा हैं। मध्य प्रदेश से उम्मीदवार बनीं मीनाक्षी नटरजन को राहुल गांधी की कोर टीम का हिस्सा माना जाता रहा है और वे मंदसौर से लोकसभा सांसद रह चुकी हैं।

जितेंद्र सिंह ने पेटेंट फाइलिंग, रिसर्च पेपर लेखन प्रशिक्षण के लिए एएनआरएफ पोर्टल की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने देश के शोधकर्ताओं, छात्रों और नवाचारकर्ताओं को पेटेंट फाइलिंग तथा शोधपत्र लेखन में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से एएनआरएफ समर्थित एक डिजिटल पोर्टल शुरू करने की घोषणा की है।

डॉ. सिंह ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की संयुक्त समीक्षा बैठक में यह घोषणा की। बैठक में विभिन्न वैज्ञानिक पहलों, संस्थागत समन्वय, विज्ञान प्रशासन सुधारों, जनसंपर्क गतिविधियों और आगामी राष्ट्रीय विज्ञान कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि नया पोर्टल शोधकर्ताओं और युवा नवाचारकर्ताओं को वैज्ञानिक लेखन, प्रकाशन प्रक्रिया, बौद्धिक संपदा संरक्षण और पेटेंट संबंधी प्रक्रियाओं पर संरचित प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगा। इससे शोध की गुणवत्ता बढ़ेगी, नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और वैज्ञानिक कार्यों को प्रकाशनों तथा बौद्धिक संपदा संपत्तियों में परिवर्तित करने में मदद मिलेगी। डॉ. सिंह ने विभिन्न वैज्ञानिक विभागों और संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय की

आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि अनुसंधान एवं नवाचार से अधिकतम राष्ट्रीय लाभ प्राप्त करने के लिए सभी वैज्ञानिक संगठनों को एकीकृत और सहयोगात्मक तरीके से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई संस्थान समान प्रकृति के कार्य कर रहे हैं, लेकिन विभागों के बीच जानकारी के आदान-प्रदान की कमी के कारण उपलब्ध विशेषज्ञता का पूरा लाभ नहीं मिल पाता। उन्होंने प्रमुख परियोजनाओं, तकनीकी उपलब्धियों और संस्थागत क्षमताओं की नियमित साझेदारी के लिए संरचित व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए। मंत्री ने वैज्ञानिक संस्थानों की उपलब्धियों और सफलता की कहानियों को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने की आवश्यकता भी बताई। उन्होंने सुझाव दिया कि समीक्षा बैठकों में विभिन्न प्रयोगशालाओं और संस्थानों की उल्लेखनीय उपलब्धियों की प्रस्तुति को नियमित रूप से शामिल किया जाए, ताकि परस्पर सीखने और सहयोग को बढ़ावा मिले। विज्ञान संचार के महत्व पर बल देते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक उपलब्धियों को नागरिकों, छात्रों, स्टार्टअप्स और शोधकर्ताओं तक सरल एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और आधुनिक संचार माध्यमों का अधिक उपयोग किया जाना चाहिए।

बैठक में विज्ञान प्रशासन के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम, मिशन कर्मयोगी के साथ उसके एकीकरण, फाइल निपटान, शिकायत निवारण, मुकदमा प्रबंधन और व्यय संबंधी प्रदर्शन संकेतकों की भी समीक्षा की गई। उन्होंने प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। डॉ. सिंह ने ईएसटीआईसी-2026 की तैयारियों की भी समीक्षा करते हुए कहा कि यह आयोजन भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों, नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र और उभरती प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच बने। उन्होंने इसमें वैज्ञानिक संस्थानों, स्टार्टअप्स, उद्योग जगत, छात्रों और युवा नवाचारकर्ताओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया।

पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाना समय की आवश्यकताः सुखविंदर सिंह सुक्खू

एजेंसी

शिमला । विश्व पर्यावरण दिवस पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को याद दिलाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को प्रकृति ने अनमोल उपहारों से नवाजा है। यहां के घने वन, स्वच्छ नदियां, हिमाच्छादित पर्वत और समृद्ध जैव विविधता प्रदेश की पहचान हैं। इन प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने और पर्यावरण संरक्षण के अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। सुक्खू ने कहा कि एक पौधा लगाना केवल पर्यावरण की रक्षा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की नींव रखना है। सीएम सुक्खू ने लोगों से प्रकृति के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता विकसित करने का आग्रह करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाना समय

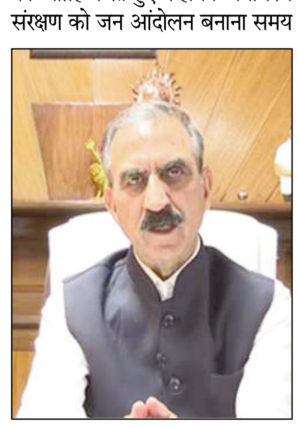

की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश के लोगों के सहयोग से हिमाचल प्रदेश पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में देश के लिए एक आदर्श राज्य बन सकता है।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'हिमाचल की पहचान विशाल पर्वतों, निर्मल जलधाराओं और शुद्ध वायु में बसती है। प्रकृति ने हमें यह अनुपम धरोहर सौंपी है। इसे सहेजना हमारा केवल दायित्व ही नहीं, यह आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा संकल्प भी है। आइए, मिलकर इस विरासत की पवित्रता और समृद्धि को अक्षुण्ण बनाए रखें। '

वहीं, रिज मैदान में आयोजित मिनी मैराथन में हिस्सा लेने पहुंचे हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कवींद्र गुप्ता ने मीडिया से बातचीत के दौरान लाउडस्पीकर और शोर-शराबे के संबंध में पूछे गए सवाल पर कहा कि किसी भी अभियान को सफल बनाने के लिए समाज का सहयोग आवश्यक है। जब तक समाज स्वयं आगे बढ़कर भागीदारी नहीं निभाएगा, तब तक ऐसे प्रयासों को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकती। विभिन्न विभागों और अधिकारियों ने जिस प्रकार समाज को इस अभियान से जोड़ा है, उसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। राज्यपाल ने कहा कि समाज की सक्रिय भागीदारी से ही ऐसे जन-जागरूकता अभियानों को आगे बढ़ाया जा सकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर फैले कूड़े-कचरे और प्लास्टिक प्रदूषण के मुद्दे पर राज्यपाल ने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। उन्होंने लोगों से अपने घर और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने की अपील करते हुए कहा कि बदलाव की शुरुआत स्वयं से करनी चाहिए। उन्होंने आयोजकों से भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया।

जनगणना के विषय में राज्यपाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने 1 जून से 15 जून तक स्व-गणना की सुविधा प्रदान की है। उन्होंने नागरिकों से स्वयं अपना सत्यापन कर पंजीकरण करवाने की अपील की। राज्यपाल ने कहा कि भविष्य में देश की विकास योजनाओं और प्रगति को आगे बढ़ाने में जनगणना के आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी, इसलिए सभी लोगों को इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।

हेलीकॉप्टर के सामने गर्लफ्रेंड को प्रपोज करने पर कैप्टन से सेना ने मांगी सफाई

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नासिक में पासिंग आउट परेड के बाद सेना की वर्दी में हेलीकॉप्टर के सामने अपनी गर्लफ्रेंड के समक्ष शादी का प्रस्ताव रखने वाले कैप्टन भारत भारद्वाज पर सेना ने नाराजगी जताई है। सैन्य हेलीकॉप्टर के ठीक सामने घुटनों के बल बैठकर आरुषि को सगाई की अंगूठी पहनाने को सेना ने सैन्य प्रोटोकॉल एवं नियमों का उल्लंघन माना है। सख्त रुख अपनाते हुए सेना ने इस युवा अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा है। नासिक के कॉम्बैट आर्मी एविएशन ट्रेनिंग स्कूल से कैप्टन भारत भारद्वाज ने अपनी फ्लाइट ट्रेनिंग पूरी की और आधिकारिक तौर पर आर्मी एविएशन पायलट के रूप में ग्रेजुएट हुए। पासिंग आउट परेड के दौरान 02 जून को सेना की वर्दी पहने इस युवा अधिकारी ने वहां खड़े एक सैन्य हेलीकॉप्टर के ठीक सामने घुटनों के बल बैठकर आरुषि को सगाई की अंगूठी पहनाई। इस बेहद भावुक पल का यह वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर आया, तो लोगों ने सैन्य उपलब्धि और व्यक्तिगत जीवन के इस खूबसूरत मिलाप की जमकर तारीफ की। वीडियो में आरुषि इस प्रपोजल को स्वीकार करती नजर आ रही हैं और आसपास मौजूद लोग तालियां बजाकर दोनों का उत्साह बढ़ा रहे हैं। रक्षा सूत्रों के अनुसार सेना ने सैन्य वर्दी और सैन्य हेलीकॉप्टर के इस इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है, क्योंकि इस तरह सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत प्रदर्शन करना उचित नहीं है। भारतीय सेना ने इस वायरल वीडियो को बेहद गंभीरता से लेते हुए नए-नवेले कैप्टन से जवाब देने को कहा है। वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि इस आचरण से सैन्य परिसर के उपयोग और सैन्य संपत्तियों के प्रदर्शन से जुड़े सेना के कुछ तय नियमों और प्रोटोकॉल का उल्लंघन हुआ है। अधिकारियों को युवा अधिकारी की व्यक्तिगत खुशी से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन खुशी का इजहार करने के लिए जिस जगह का चुनाव किया गया, उस पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। कैप्टन भारत भारद्वाज ने बाद में अपनी मंगेतर के साथ एक सैन्य हेलीकॉप्टर पर बैठकर फोटो भी खिंचवाई, जिसको लेकर सेना विशेष रूप से इस बात को लेकर बेहद सतर्क है कि आधिकारिक समारोहों या सैन्य उपकरणों का उपयोग ऐसे कंटेंट के लिए न किया जाए, जो बाद में सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो। वर्दी बहुत सम्मान का प्रतीक होती है और इसकी गरिमा बनाए रखना हर अधिकारी व जवान का कर्तव्य है।

अश्विन को उम्मीद, अफगानिस्तान के खिलाफ हर्ष को मिलेगा डेब्यू का अवसर

चेन्नई । दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को उम्मीद है कि अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से मुल्लांपुर में शुरू हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में बाएं हाथ के युवा स्पिनर हर्ष दुबे को अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी। अश्विन के अनुसार पिछले कुछ समय में हर्ष ने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। इसके अलावा अश्विन को उम्मीद है कि शुभमन गिल की कप्तानी में टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी। अश्विन के अनुसार जिस प्रकार से शुभमन ने अब तक बल्लेबाजी की है उससे मुझे उम्मीद है कि वह बेहतर प्रदर्शन करेंगे। अश्विन ने कहा, हालांकि मेरी नजरें हर्ष पर टिकी हुई हैं और मैं यह जानने के लिए बेहद उत्सुक हूँ कि उन्हें इस बड़े प्रारूप में अवसर मिलता है या नहीं। गौरतलब है कि टीम प्रबंधन को मानव सुथार और हर्ष दुबे के बीच किसी एक को चुनना होगा पर हर्ष ने जिस प्रकार से पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, उससे मेरा मानना है कि उसे ही अवसर मिलना चाहिये। अश्विन ने इस स्पिनर के आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन को भी एक कारण बताया है। अश्विन के अनुसार वह हर्ष को भारतीय टेस्ट कैप पहने देखना चाहते हैं। साथ ही कहा ये स्पिनर टीम में जगह का अधिकारी है।

लॉर्ड्स टेस्ट: ओली रॉबिन्सन ने इंग्लैंड को पहली पारी में दिलाई बढ़त, न्यूजीलैंड पिछड़ी

लॉर्ड्स।

लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की पहली पारी 113 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 27 रन की अहम बढ़त मिली है। न्यूजीलैंड को पहली पारी में 113 रन पर समेटने में इंग्लैंड के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन का अहम योगदान रहा। रॉबिन्सन ने 10.5 ओवर में 39 रन देकर 5 विकेट लिए। इसके अलावा, जोश टंग ने 10 ओवर में 40 रन देकर 3 विकेट लिए। गस एटकिंसन को 5 ओवर में 9 रन खर्च कर 2 विकेट मिले। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी पर गौर करें तो कीवी टीम पहली पारी में इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना मात्र 29.5 ओवर कर सकी और 113 रन पर सिमट गई। कीवी टीम के लिए नौवें नंबर पर आए काइल जैमिसन ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। इसके अलावा ग्लेन फिलिप्स ने 34 रन बनाए। नाथन स्मिथ ने 15 रन बनाए। न्यूजीलैंड के शीर्ष 6 बल्लेबाज सिर्फ 20 रन का योगदान दे सके। इसके पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम टेस्ट के पहले दिन की 140 रन पर सिमट गई थी। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने सर्वाधिक 56 रन बनाए थे। बेन डकेट 19 रन बनाकर दूसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। इंग्लैंड के भी 6 बल्लेबाज 2 अंकों में नहीं पहुंच सके थे। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमिसन ने शानदार गेंदबाजी की थी और 14 ओवर में 62 रन देकर 5 विकेट झटके थे।

नाथन स्मिथ ने 3 और विल ओरूर्के ने 2 विकेट लिए थे। टेस्ट मैच के पहले दिन (गुरुवार) और दूसरे दिन (शुक्रवार) के पहले सत्र में विकेटों का पतझड़ देखने को मिला है। दूसरे दिन के बचे दो सत्र में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के प्रदर्शन पर नजर रहेगी।

एशिया कप अंडर-18 हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम के जीतने की अधिक संभावना पाक अधिकारी

लाहौर।

पाकिस्तान टीम के एक अधिकारी का मानना है कि एशिया अंडर-19 हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। दोनो देशों के बीच होने वाले सेमीफाइनल से पहले पाक अधिकारी ने ये बात कही है। इस अधिकारी का कहना है कि भारतीय टीम की तैयारियों उससे बेहतर हैं। इसके अलावा भारतीय टीम के पास उसने कही बेहतर सुविधाएं हैं। इस टूर्नोमेंट पाक टीम ने अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में चीन को 5-2 से जबकि भारतीय टीम ने कजाकिस्तान को 13-0 से हराया। इससे अंदाज होता है कि भारतीय टीम कितनी अधिक हावी है। इसके अलावा भारतीय टीम ने दक्षिण कोरिया की मजबूत टीम को भी 4-1 से हराया था। टूर्नामेंट में मेजबान जापान ने भी दमदार प्रदर्शन किया है। जापान ने भारत, चीनी

इस पाक अधिकारी का मानना है कि टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम की तैयारी काफी अधिक अच्छी थी, क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रेलियनई जूनियर टीम से हाल में पांच मैच खेले थे और इसके बाद यूरोप का भी दौरा किया था। वहीं हमारी टीम के खिलाड़ी पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उतरे हैं। इसके अलावा दोनो की ट्रेनिंग के स्तर में भी अंतर हैं।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयर अय्यर बनेंगे भारतीय टी20 टीम के कप्तान

तिलक को मिलेगी उपकप्तानी

मुम्बई।

बल्लेबाज श्रेयस अय्यर अब भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गत दिवस भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की एपेक्स कमेटी की बैठक में श्रेयस को कप्तान बनाने पर अंतिम फैसला हो गया। श्रेयस को शनिवार को सूर्यकुमार यादव की जगह पर कप्तान बनाये जाने की घोषणा होगी। अय्यर शनिवार को बीसीसीआई की चयन बैठक में शामिल होंगे। इसमें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम के साथ-साथ एशियाई खेलों के लिए भी टीम चयन होगा। ध्यान रहे कि श्रेयस ने अंतिम बार दिसंबर 2023 में बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की ओर से 498 रन बनाये थे। भारतीय टीम का लक्ष्य अब आयरलैंड के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उसे आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलने हैं। इसके बाद टीम इंग्लैंड में पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। आयरलैंड के खिलाफ पहला टी20 मैच 26 जून को और दूसरा 28 जून को खेला जाएगा.एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई चयन समिति के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर, मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाने तैयार है।

पोलैंड की माजा च्वालिंस्का फ्रेंच ओपन टेनिस के फाइनल में पहुंची

खिताबी मुकाबले में एंड्रीवा का सामना करेंगी

पेरिस ।

पोलैंड की माजा च्वालिंस्का ने फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 के फाइनल में पहुंच गयी हैं। च्वालिंस्का ने इसी के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इसी के साथ ही वह किसी ग्रैंड स्लैम के खिताब मुकाबले में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर खिलाड़ी बन गयी हैं। च्वालिंस्का ने महिला एकल सेमीफाइनल में रूस की डायना श्नाइडर को दो घंटे से अधिक समय तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में सीधे सेटों में 7-6(4), 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी। च्वालिंस्का ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल नौ मैच जीते हैं। इनमें तीन मैच क्वालिफाइंग और छह मैच मुख्य ड्रॉ के हैं।

इस प्रकार वह ओपन युग में किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल तक पहुंचने वाली केवल दूसरी क्वालिफायर बनी हैं। इससे पहले, यह रिकार्ड ब्रिटेन की महिला टेनिस स्टार एम्मा राडुकानू ने साल 2021 अमेरिकी ओपन में किया था। सेमीफाइनल मुकाबले में च्वालिंस्का ने अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

जीत के बाद च्वालिंस्का बेहद उत्साहित दिखीं। अब फाइनल में च्वालिंस्का का मुकाबला 8वीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा से होगी।

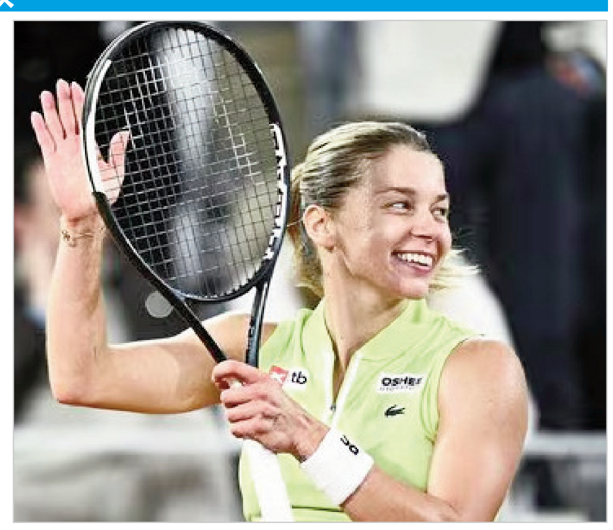

संक्षिप्त समाचार

ऋषभ का ध्यान अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना

उपकप्तानी से हटाये जाने से नाराज नहीं : टेन डोशेट

मोहाली ।

पिछले कुछ समय से खराब दौर से गुजर रहे भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का ध्यान अब शनिवार से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरु हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना है। ऋषभ इस मैच में लय हासिल कर आने आने वाली सीरीज के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे। इससे पहले आईपीएल में वह कप्तानी और बल्लेबाजी दोनो में असफल रहे थे जिसके बाद उनको लखनऊ सुपरजायंट्स की कप्तानी से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद उन्हें टेस्ट टीम की उपकप्तानी से भी बाहर कर दिया गया है हालांकि वह इससे निराश नहीं हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में वह विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर ही उतरेंगे। वहीं इस मैच से पहले भारत के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहा कि 28 साल के इस बल्लेबाज से चयनकर्ताओं से कोई समस्या नहीं है पर टीम प्रबंधन चाहता है कि वह अपनी बल्लेबाजी में पुरानी लय हासिल करें। डोशेट ने कहा, ÷लीडर बनने के लिए औपचारिक पद की जरूरत नहीं होती। हमें उनसे उम्मीद है कि वह अपनी बल्लेबाजी को हालातों के अनुसार ढालेंगे। उन्होंने उपकप्तानी से हटाए जाने पर कोई शिकायत भी नहीं की है।÷इस क्रिकेटर ने टेस्ट उपकप्तानी के साथ-साथ लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दूसरे टेस्ट में चोटिल शुभमन गिल के नहीं होने पर कप्तानी की थी। इस टेस्ट में भारतीय टीम को 408 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं हाल ही में खत्म हुए आईपीएल में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी थी क्योंकि उनकी टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10 वें स्थान पर रही थी। टेस्ट क्रिकेट में हालांकि उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के अंत में इस बल्लेबाज ने कुछ जबरदस्त पारियां खेलीं. इसमें सिडनी में अर्धशतक भी शामिल है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में उन्होंने लीड्स टेस्ट में दोनों पारियों में शतक लगाये थे।

वैभव बन सकते हैं सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले भारतीय

मुम्बई।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम से डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति शनिवार को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी जाने वाली टी20 टीम में उन्हें शामिल कर सकती है। वैभव की उम्र 15 साल और 70 दिन है। वहीं भारतीय क्रिकेट में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी तेंदुलकर हैं। उन्होंने 16 साल 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ 1989 में डेब्यू किया था। इस रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को नया कप्तान बना रहा है। वैभव ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 776 रन बनाए जिसमें स्ट्राइक रेट 237.30 का रहा था। जिसके बाद से ही उन्हें टी20 प्रारुप के लिए टीम में शामिल किये जाने की मांग तेज होने लगी थी। भारत 26 और 28 जून को बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगा, फिर 1 से 11 जुलाई तक इंग्लैंड में पांच टी20 मैच होंगे। वैभव को आयरलैंड सीरीज के लिए टीम में शामिल किया जा सकता है। वहीं सबसे कम उम्र में अपने देश की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों की सूची में पाकिस्तान के हसन रजा नंबर एक पर हैं।

उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में केवल 14 साल और 227 दिन में जिम्बाब्वे के खिलाफ 1996 में डेब्यू किया था।

इंग्लैंड न्यूजीलैंड पहले टेस्ट में गेंदबाज रहे हावी, दिन भर में गिरे 16 विकेट

मेजबान टीम के 140 रनों के जवाब में कीवी टीम ने 61 रनों पर गंवाये 6 विकेट

लॉर्ड्स ।

यहां इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच लॉर्ड्स में शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन गेंदबाज हावी रहे। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दिन भर में कुल 16 विके गिरे। मैच में मेहमान न्यूजीलैंड टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम का पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंग्लैंड के बल्लेबाज कीवी टीम के तेज गेंदबाजों विशेषरुप से काइल जैमिसन के सामने टिक नहीं पाये और पूरी टीम अपनी पहली पारी मे 140 रन पर ही पेवेलियन लौट गयी। जैमिसन ने पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी ढ़हा दी। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी कीवी टीम का हाल तो इससे भी खराब रहा।

ओली रॉबिन्सन के सामने कीवी बल्लेबाज टिक नहीं पाये और दिन का खेल समाप्त होने के समय तक टीम ने पहली पारी में 61 रनों पर ही छह विकेट खो दिये। रॉबिन्सन ने शुरुआती ओवर में तीन विकेट लेकर न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया, जिससे टीम स्टंप्स तक भी उबर नहीं सकी. न्यूजीलैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक 61 रन पर 6 विकेट गंवा दिए हैं। इस प्रकार मेजबान इंग्लैंड टीम अभी भी पहली पारी के आधार पर 79 रन आगे है। अब देखना है कि कीवी बल्लेबाज दूसरे दिन रन बना पाते हैं या नहीं

कीवी कप्तान टॉम लैथम का पहले गेंदबाजी करने का फैसला बिल्कुल सही था। कीवी टीम के चारों तेज गेंदबाजों ने इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को कोई अवसर नहीं दिया। . जैमिसन ने पिच से मिल रही अतिरिक्त उछाल और सीम का पूरा फायदा उठाया। . इंग्लैंड की आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति पूरी तरह से विफल रही। टीम पहले 10 ओवरों में केवल 24 रन ही बना पायी। बेन डकेट ने 19, जैकब बेथेल ने 6 और जो रूट ने केवल 1 रन बनाया। मैच में बारिश से भी बाधा आई। इंग्लैंड की ओर से केवल हैरी ब्रूक ही टिक पाये। ब्रूक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 56 रन बनाये।

वैभव का आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए चयन तय

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बनेंगे

मुम्बई ।

15 साल के भारते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में चुना जाना तय नजर आ रहा है। वैभव ने पिछले कुछ समय में जैसी बल्लेबाजी की है। उससे उनको टीम से बाहर रखना संभव नजर नहीं आता। इंडियन प्रीमियर लीग वैभव ने सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतकर अपने को साबित कर दिया है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनकर्ता शनिवार शनिवार को मुंबई में होने वाली बैठक में टीम चयन के दौरान ही उनके नाम पर भी मोहर लगा सकते हैं। माना जा रहा है कि उन्हें इन दोनों टीमों के लिए शामिल किया जाएगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, ÷वैभव को पहली बार टीम इंडिया में मौका मिलने जा रहा है। चयनकर्ता 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक और उसी साल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए टीम तैयार कर रहे हैं।÷वैभव ने आईपीएल से पहले अंडर 19 विश्वकप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया था।

2007 टी20 विश्वकप खेलने से सचिन, द्रविड और गांगुली ने इंकार कर दिया था : ललित मोदी

मुम्बई । आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने खुलासा किया है कि साल 2007 में जब पहली बार आईपीएल शुरु हुआ था तो सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने उसमें खेलने से इंकार कर दिया था। इन लोगों ने इस प्रारुप को बेवकूफी बताया था। वहीं आज टी20 क्रिकेट इतना बड़ा खेल बन गया है कि इसके आगे टेस्ट और वनडे की चमक फीकी पड़ गई है।ललित मोदी के अनुसार टी20 विश्व कप 2007 से पहले भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर थी, जहां उन्हें तीन टेस्ट मैच और 7 एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलनी थी। इसके बाद टी20 विश्वकप शुरु होना था। तब इंग्लैंड दौरे के लिए राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली जैसे सीनियर स्टार टीम का हिस्सा थे।

फीफा विश्वकप के अभ्यास मुकाबले में कोटे डी आइवर ने फ्रांस को हराकर किया उलटफेर

इराक और स्पेन का मुकाबला बराबरी पर रहा

मैड्रिड ।

11 जून से शुरु हो रहे फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के अभ्यास मुकाबले जारी हैं। पूर्व चैम्पियन फ्रांस को 2-1 से हराकर सनसनी फैला दी। वहीं इराक ने अपने से कही बेहतर टीम स्पेन को 1-1 की बराबरी पर रोककर सभी को हैरान कर दिया। वहीं स्वीडन और यूनान का मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा। में स्पेन और इराक के मुकाबले की बात करें तो जहां स्पेनिश टीम कई बदलावों के साथ उतरी। वहीं इराक ने अपनी अनुभवी टीम उतारी। मैच की शुरुआत से ही स्पेन ने हमले शुरु कर दिये। 16वें मिनट में ही फेरान टोरेस ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। वहीं 27वें मिनट में इराक ने एक गोली कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। ये गोल मर्चास डोस्की ने दागा। इसके बाद दोनो ही टीमों ने कई प्रयास किये पर गोल करने में सफल नहीं हुईं। वहीं स्वीडन और यूनान के बीच खेला गया दूसरा अभ्यास मैच भी 2-2 से बराबरी पर रहा। दोनों ही टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। यूनान की ओर से कोस्टास सिमि कास ने 10वें मिनट में ही एक गोल कर पहला गोल दागा। इसके बाद स्वीडन की ओर से आर्सेनल के स्ट्राइकर विक्टर ग्योकेरेस ने डिफ्लेक्टेड फ्री-किक पर गोल कर टीम को बराबरी पर ला दिया। स्वीडन की ओर से गुस्ताफ निल्सन ने मैच के 69वें मिनट में दूसरा गोल किया। वहीं इंजरी टाइम में जॉर्जोस मासौरास ने गोलदागकर यूनान को बराबरी पर ला दिया। वहीं ।

राहुल को व्यस्त कार्यक्रम के कारण किसी टीम ने नहीं खरीदा

मुम्बई ।

बल्लेबाज केएल राहुल को व्यस्त कार्यक्रम होने से किसी भी टीम ने महाराजा टी20 ट्रॉपी (केएससीए) टी20 लीग के लिए शामिल नहीं किया है। ये लीग , 20 जून से शुरु होने जा रही है। इस लीग के लिए राहुल पर भी सभी की नजरें लगीं थीं पर उन्हें किसी भी टीम ने नहीं खरीदा। इसका कारण उनका उनकी बल्लेबाजी या फॉर्म नहीं बल्कि व्यस्त कार्यक्रम है। राहुल को शनिवार से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरु हो रहे टेस्ट मैच में खेलना है। इसके लिए उन्हें टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। वहीं टेस्ट मैच के बाद राहुल को अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज भी खेलनी है। इसके बाद भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरे पर जाना है। ऐमें लगातार खेलने जा रहे राहुल के पास किसी भी लीग में खेलने का समय नहीं है। इस कारण से वह केएससीए लीग से बाहर हैं और किसी टीम ने उनपर बोली नहीं लगायी। लीग के लिए राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा दोनों के नाम सामने रखे गये थे। इसमें कृष्णा को मैसूर वॉरियर्स ने 2.6 लाख रुपये में खरीदा। राहुल ने हाल ही में हुए आईपीएल 2026 में काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 14 मैचों में उन्होंने 45 से अधिक की औसत के साथ 593 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट काफी अच्छा रहा था। इस कारण केएससीए लीग के लिए उनकी अच्छी मांग थी।

यूके की गलियों में शूटिंग कर रहे अहान पांडे, साथ में नजर आई शरवरी वाघ

पिछले साल आई सफल फिल्म 'सैयारा' ने अहान पांडे को रातोंरात स्टार बना दिया। अब अहान अली अब्बास जफर के साथ अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभी तक फिल्म का टाइटल सामने नहीं आया है। अब फिल्म की शूटिंग के दौरान का एक वीडियो सामने आया है। इसने फिल्म को लेकर फैंस में उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो कथित तौर पर फिल्म के यूके शूटिंग शेड्यूल का है। इसमें अहान पांडे के साथ फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ नजर आ रही हैं। हालांकि, यह वीडियो कुछ ही सेकंड का है, लेकिन अहान और शरवरी को पहली बार पर्दे पर देखने के लिए फैंस उत्साहित हो गए हैं। वीडियो में अहान पूरी तरह से काले रंग के कपड़ों में नजर आ रहे हैं। वहीं शरवरी मैरून शर्ट और नारंगी मिनी स्कर्ट में दिखाई दे रही हैं। फिल्म की 27 दिनों की शूटिंग इस साल की शुरुआत में मुंबई के वाईआरएफ स्टूडियो में पूरी हुई थी। इसके बाद टीम एक लंबे इंटरनेशनल शूट के लिए विदेश रवाना हुई, जिसके लगभग दो महीने तक चलने की उम्मीद है।

ऐश्वर्य ठाकरे भी निभाएंगे प्रमुख भूमिका

अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को एक एक्शन-लव स्टोरी फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म में रोमांस के साथ-साथ जबरदस्त एक्शन और टकराव भी देखने को मिलेगा। इस फिल्म में 'निशानची' फेम ऐश्वर्य ठाकरे के भी मुख्य भूमिका में नजर आने की खबरें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐश्वर्य फिल्म में विलेन के किरदार में नजर आएंगे।

ईमानदारी से बनी फिल्म दर्शकों तक जरूर पहुंचती है

आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने फिल्म, दर्शकों और साउथ सिनेमा को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म की सफलता उसकी ईमानदारी, मेहनत और अच्छे इरादे पर निर्भर करती है। जाह्नवी कपूर ने कहा, 'अगर कोई फिल्म पूरी ईमानदारी और मेहनत से बनाई जाती है, तो वह अपने दर्शकों तक जरूर पहुंचती है। लोग जल्दी जज कर लेते हैं, लेकिन आखिरकार हम फिल्म दर्शकों के मनोरंजन के लिए बनाते हैं। हम उनके लिए काम करते हैं, इसलिए उनकी भावनाओं और राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मेरे लिए दर्शक भगवान की तरह हैं, और हम सिर्फ उनकी सेवा करने की कोशिश करते हैं।' साउथ फिल्मों में अपने अनुभव को साझा करते हुए जाह्नवी ने कहा कि उन्हें तेलुगु फिल्मों में काम करने में काफी मजा आ रहा है। हालांकि, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब शायद वह मलयालम भाषा में काम करने की कोशिश नहीं करेंगी, क्योंकि यह उनके लिए काफी कठिन है। उन्होंने कहा, 'मलयालम बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन मेरे लिए यह काफी मुश्किल है। तमिल और तेलुगु भाषा से मैं थोड़ा परिचित महसूस करती हूं, इसलिए तेलुगु फिल्मों में काम करना मुझे बेहद पसंद आ रहा है। आगे चलकर मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।'

कार्यक्रम के दौरान जाह्नवी कपूर ने अभिनेता राम चरण की लोकप्रियता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें हर जगह राम चरण का नाम सुनने को मिला। जाह्नवी ने कहा, 'मैं अभी अमेरिका से लौटी हूं, और वहां भारतीयों की पहचान के तौर पर लोग राम चरण का नाम लेते हैं। यहां तक कि इमिग्रेशन पर भी मुझसे पूछा गया कि क्या मैं भारत से अभिनेत्री हूं, और फिर उन्होंने तुरंत कहा– राम चरण!'

राजेश-विक्रांत की फिल्म अंडर 18 में किच्चा सुदीप की एंट्री

ऐश्वर्या साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी की नई फिल्म 'अंडर 18' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी को लेकर लोगों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता थी, लेकिन अब इसमें सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एंट्री ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसका आधिकारिक ऐलान किया। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही एसआर प्रोडक्शंस ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किच्चा सुदीप का स्वागत किया। पोस्ट में लिखा, ''बादशाह आ चुके हैं। पावरहाउस परफॉर्मर किच्चा सुदीप का 'अंडर 18' में स्वागत है। सफर में एक बड़ा बदलाव अब शुरू होता है।'' फिल्म से उनके जुड़ने के ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। लोग अब यह जानने के लिए और ज्यादा उत्सुक हैं कि फिल्म में किच्चा सुदीप का किरदार कैसा होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी उनके रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है।

बॉलीवुड के माहौल को शेखर ने बताया टॉक्सिक

शेखर सुमन बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड के बारे में चौंकाने वाली बातें कही हैं। शेखर ने बताया कि किस तरह से यहां लोगों में जलन की भावना भरी है। इंडस्ट्री का माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है। इसके अलावा भी वह कई और बातें बॉलीवुड के लोगों और सेलेब्स को लेकर शेयर करते हैं। फिल्मफेयर को दिए गए हालिया इंटरव्यू में शेखर सुमन कहते हैं, 'देखिए जब कोई फेल होता है, किसी की फिल्म फ्लॉप होती है, शादी टूटती है तो कुछ लोगों को बहुत अच्छा लगता है। ऐसे लोग दूसरों को सफलता और खुशी देखकर दुखी होते हैं। हम बॉलीवुड में भी एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, यहां पर माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है।

शेखर सुमन आगे अपने इंटरव्यू में कहते हैं, 'बॉलीवुड के लोगों में बहुत जलन है। यह सामने पर एक-दूसरे को गले लगाते हैं लेकिन बाद में पीठ में छुरा घोंप देंगे। ये लोग एक-दूसरे की लाश पर चढ़कर आगे बढ़ जाएंगे। यह बहुत दुखी करने वाली बात है। इस कंडीशन के बावजूद शेखर सुमन के मन में बॉलीवुड के लिए बहुत सम्मान है। वह कहते हैं, 'हमारी इंडस्ट्री इसलिए बची है, टिकी है क्योंकि यहां पर अच्छे लोग अब भी बाकी हैं। इस इंडस्ट्री ने ही दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे स्टार्स हमें दिए हैं।' शेखर सुमन मल्टीटैलेंटड हैं, एक्टिंग के अलावा एंकरिंग, सिंगिंग, प्रोडक्शन तक में उन्होंने हाथ आजमाया है। साल 2024 में वह एक वेब सीरीज 'हीरामंडी' में दिखे थे। जल्द ही 'द पिरामिड स्कीम' में नजर आएंगे।

पेद्दी की कहानी ने मुझे प्रेरित किया

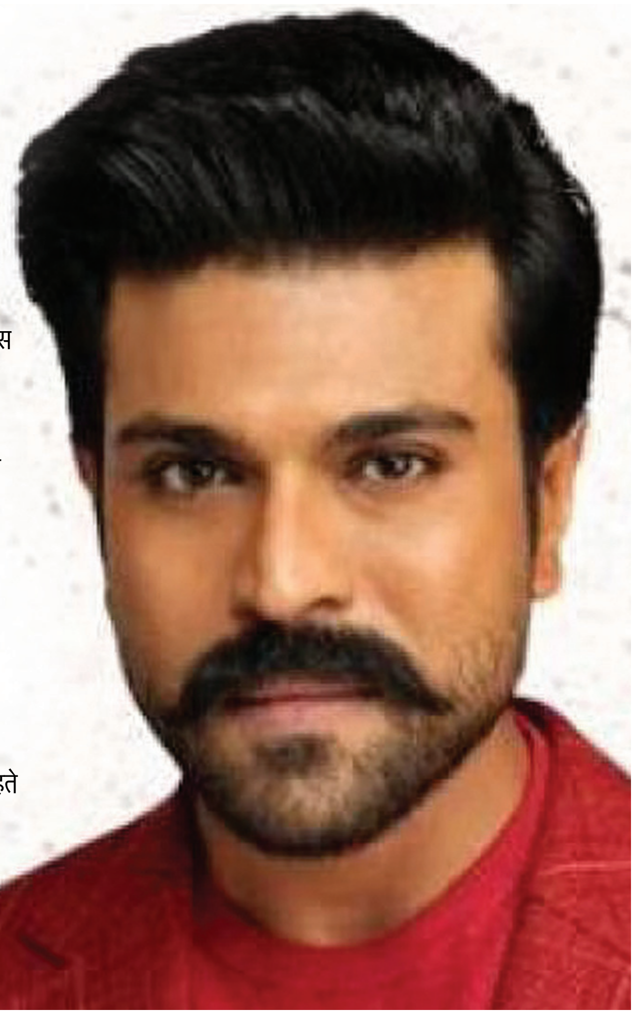

राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे, जो गांव, आत्मसम्मान, संघर्ष और पहचान की कहानी कहता है। उनसे हुई बातचीत...

'पेद्दी' चुनने की बड़ी वजह क्या रही?

ईमानदारी और समर्पण से की गई फिल्म है। यह भारत की मिट्टी की कहानी है। यह उन लोगों की कहानी है, जो अपनी पहचान और आत्मसम्मान के लिए जीते हैं। आज भी देश में कई गांव ऐसे हैं, जो ठीक तरह से नक्शे पर दर्ज नहीं हैं। वहां रहने वाले लोगों के पास बुनियादी सुविधाएं तक सीमित हैं। 'पेद्दी' ऐसे ही एक युवक की कहानी है, जो अपनी पहचान खोजते हुए अपने पूरे गांव और समुदाय को पहचान दिलाने की कोशिश करता है।

इसके लिए कितनी तैयारी करनी पड़ी?

यह किरदार शारीरिक और मानसिक स्तर पर चुनौतीपूर्ण था। उत्तर भारत यूपी, हरियाणा और बिहार में कुश्ती सिर्फ खेल नहीं, बल्कि भावना है। मुझसे पहले सलमान खान ने 'सुल्तान' और आमिर खान ने 'दंगल' में कुश्ती को बड़े परदे पर दिखाया। मुझे सलमान बेहद पसंद हैं। उनकी फिल्मों की सफलता ने भरोसा दिया कि भारत की मिट्टी से जुड़ी कहानियां लोगों तक गहराई से पहुंचती हैं। करीब 200 दिनों की शूटिंग में मुझे कड़ी ट्रेनिंग और लगातार शारीरिक मेहनत करनी पड़ी।

आप हमेशा रिस्क लेते रहे हैं। क्या चोटों से डर नहीं लगता?

डर हर किसी को लगता है, लेकिन मुझे अपने स्टंट्स खुद करना पसंद है। आज तकनीक पहले से काफी बेहतर हो गई है, इसलिए रिस्क कम हुआ है। मुझे लगता है कि दर्शक समझ जाते हैं कि कौन-सा एक्शन असली है और कौन-सा बॉडी डबल ने किया है। जब आप खुद करते हैं, तो दर्शकों से अलग कनेक्शन बनता है। मेरे पिता आज भी खुद स्टंट्स करते हैं। मैं उन्हें मना करता हूं, लेकिन उसमें एक अलग आकर्षण होता है। 'पेद्दी' ने मुझे भीतर से बहुत प्रेरित किया है।

पिता चिरंजीवी ने कहा कि ऐसी फिल्में दशकों में एक बार बनती हैं। यह सुनकर क्या महसूस हुआ?

जब इतने बड़े कलाकार और आपके पिता ऐसा कहते हैं, तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसा लगता है कि कंधों पर वजन और बढ़ गया है। मैंने इस फिल्म के लिए करीब 13-14 महीने मेहनत की। कई महीनों तक पूरी तरह वेजिटेरियन डाइट फॉलो की।

खुद को स्वीकार करना ही सच्ची स्प्रिचुअलिटी है

सारा अली खान बेबाक हैं, बिंदास हैं, साथ ही प्रतिभा की धनी भी। अभिनय के मामले में उन्होंने अपनी खानदानी परंपरा को आगे बढ़ाया और खुद को साबित किया। कई भूमिकाओं में सराही गई सारा को उनकी पिछली फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में उनके काम को खूब तारीफ मिली थी। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर। इस खास मुलाकात में उन्होंने अपने अध्यात्म, होने वाले जीवनसाथी, अपनी मां, ट्रोल्स, अपने बेबाक अंदाज जैसे कई मुद्दों पर बेधड़क होकर बात की।

सारा इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो अपनी स्प्रिचुअल जर्नी के लिए भी जानी जाती हैं। आप अकसर उन्हें मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में अपना भक्तिभाव लुटाते देखते हैं। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में वह कहती हैं, 'हां, मैं स्प्रिचुअल हूं, मगर इसी के साथ आपको अपने आप को भी स्वीकार करना जरूरी होता है। फिर आप वो चाहे जैसे करो। आप अपने माता-पिता के जरिए करो, अपने वर्कआउट के जरिए करो या किसी और रास्ते, मगर खुद को स्वीकारना और स्वयं के साथ सहज होना बहुत आवश्यक है। देखिए, वही मेरी निजी जिंदगी है। मैं मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में जाकर बेहतर महसूस करती हूं, इसीलिए बार-बार जाती हूं। मुझे पहाड़ों पर जाकर बहुत सुकून मिलता है। कई बार वो पहाड़ रिलिजियस भी होते हैं, मगर पहाड़ मुझे हमेशा अपनी ओर आकर्षित करते हैं।'

अपनी मां जैसी तिनका भर बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात

अपने करियर में सारा कई फिल्मों में पत्नी और प्रेमिका की भूमिका निभा चुकी हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि जीवनसाथी के रूप में वह किस तरह के शख्स को चाहेंगी? तो वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, 'एक अच्छे इंसान की तलाश है मुझे। अगर आप बहुत अच्छे इंसान हैं, तो मुझे इंप्रेस कर सकते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए अच्छे इंसान की परिभाषा यही है कि वह अपने आप में संतुष्ट हो, आत्मविश्वासी हो और अपने काम से प्यार करने वाला हो। मेरे लिए ये अहम है। बाकी के और गुण भी हों, तो बढ़िया है। मगर साथ में सही समय का होना जरूरी है।' मां अमृता सिंह को लेकर सारा अली खान भावुक सभी जानते हैं कि सारा की जिंदगी में उनकी मां अमृता सिंह अहम स्थान रखती हैं। अपनी मां के बारे में बात करते हुए वह थोड़ी भावुक हो जाती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'मुझे लगता है, हम सब इस दुनिया में अपनी मांओं की वजह से हैं। मैं तो यही उम्मीद करती हूं कि अपनी मॉम की तिनके भर जितनी भी इंसान बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात होगी। वे मेरी ताकत हैं, जिंदगी हैं।'

कोई बेरोजगार बंदा ही ट्रोलिंग करता होगा

दूसरे कई कलाकारों की तरह सारा भी ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। मगर अब सारा ने हेटर्स से डील करना सीख लिया है। वह कहती हैं, 'मैं भी मानती हूं कि सोशल मीडिया की अकाउंटेबिलिटी के लिए यूजर्स को अपने आधार कार्ड या कोई भी ऑफिशियल पेपर्स जमा कराने चाहिए, मगर दूसरी तरफ मुझे ये भी पता है कि ऐसा नहीं होने वाला, तो जब ऐसा नहीं होने वाला, तो दूसरों के बजाय खुद को रेगुलेट करना मेरे लिए आसान है। सुनने में बुरा लगे, मगर यह कोई बेरोजगार बंदा है, जो अपनी जिंदगी में खुश नहीं है और इसीलिए वो ऊटपटांग चीजें कह रहा है।

मैं इनसिक्योर अभिनेत्री नहीं हूं

आम तौर पर जब भी कोई कलाकार मल्टीस्टारर फिल्म में काम करता है, तो एक सवाल तो रहता ही है कि उसे कितना स्क्रीन स्पेस मिलेगा? क्या सारा को ऐसी कोई इंसिक्योरिटी सताती है? इस पर वह कहती हैं, 'मैं इन मामलों में कभी इनसिक्योर नहीं होती। मेरा सीधा-सा फंडा है कि आपको खुद पर यकीन होना चाहिए और अपने निर्देशक पर भी। आपको ये विश्वास होना चाहिए कि आप अपने किरदार के साथ न्याय कर पाएंगी। आपको साथ ही ये भी सोचना होता है कि सब अपना-अपना काम अच्छे ढंग से करें, ताकि फिल्म को फायदा हो। एक्टर्स को ये सिक्योरिटी और विश्वास रखना जरूरी है।' 'पति पत्नी और वो दो' से पहले मैंने 'मेट्रो...' जैसी कई कलाकारों वाली फिल्म में भी काम किया और तब भी मैं सिर्फ अपने रोल के बारे में नहीं सोचा। मैं कभी ऐसा नहीं सोचती कि मुझे एक हीरोइन वाली फिल्म में ही काम करना है।

हेयर स्पा बालों में डाले जान

प्रदूषण, धूल-मिट्टी और तनाव बालों की जडों को नुकसान पहुंचाते हैं और बाल बेजान होने लगते हैं। ऐसे में जब बालों की देखभाल ठीक से नहीं होती तो उनसे संबंधित तमाम समस्याएं पैदा हो जाती हैं मसलन डैंड्रफ, बालों का गिरना, बेजान और दोमुंहे होना। जिस प्रकार त्वचा को पोषण देने के लिए क्लींजिंग, टोनिंग, मॉयस्चराइजिंग और कंडिशनिंग की जरूरत होती है उसी प्रकार बालों को भी विशेष देखभाल की जरूरत होती है। दूसरी अहम बात है बालों के लिए उपयोगी और उचित हेयर केयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल। अलग-अलग प्रकार के बालों के लिए अलग तरह के हेयर प्रोडक्ट्स की जरूरत होती है। गलत प्रोडक्ट के इस्तेमाल से सिर की त्वचा और बालों को हानि पहुंच सकती है।

इसके अलावा बालों को नियमित रूप से साफ करना भी जरूरी है ताकि सिर की त्वचा पर जमा अतिरिक्त तेल और फॉलिकल्स साफ हो जाएं। मृत कोश भी निकल जाएं और बालों को विकसित होने के लिए जरूरी पोषण मिल सके। बालों से जुडी समस्याओं को दूर करने के लिए हेयर स्पा एक बेहतर और आधुनिक उपाय है।

हेयर स्पा

इसमें बालों से जुडी विभिन्न समस्याएं जैसे तैलीय बाल, डैंड्रफ, फंगल इन्फेक्शन, बालों का झडना, डीप स्टैंड कंडिशनिंग ट्रीटमेंट आदि का उपचार किया जाता है। बालों पर आपके खानपान का बहुत प्रभाव पडता है। हेयर स्पा ट्रीटमेंट के दौरान आपके दैनिक आहार पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

स्वस्थ बालों के लिए विटमिन ए, बी और सी के साथ कैल्शियम और कार्बोहाइड्रेट की विशेष जरूरत होती है और यह सभी आपके आहार में शामिल होना जरूरी है। हेयर स्पा ट्रीटमेंट बालों की किस्म को ध्यान में रखकर किया जाता है। किस तरह के बाल और किस समस्या को कैसे ट्रीटमेंट की जरूरत है यह एक्सपर्ट आपको पहले ही बता देते हैं। इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन स्कैल्प एनेलाइजर के जरिये सिर की त्वचा की जांच होती है, जिससे यह पता चल जाता है कि बालों की क्या समस्या है और सिर की त्वचा के पोर खुले हैं या बंद। साथ ही आपको कैसे ट्रीटमेंट की जरूरत है। इसके बाद डीप क्लींजिंग, हेयर पैक, हेयर ऑयल, सक्शन मशीन का इस्तेमाल किया जाता है। स्कैल्प एनेलाइजर की सहायता से यह जाना जाता है कि अगर फंगल इन्फेक्शन है तो वह किस तरफ ज्यादा है और डैंड्रफ रूखी है या तैलीय। कहीं आपको ज्यादा तनाव या सिरदर्द तो नहीं होता है, इन सभी बातों की सही-सही जानकारी एक्सपर्ट को देनी जरूरी होती है ताकि ट्रीटमेंट का पूरा लाभ मिल सके।

तरह-तरह के स्पा

बालों से जुडी हर प्रकार की समस्या को दूर करके उन्हें स्वस्थ और उनके टेक्सचर को मजबूत बनाती हैं। हर स्पा में अलग-अलग मसाज दी जाती है।

मॉयस्चराइजर बूस्ट

प्रदूषित वातावरण धूल-मिट्टी, खराब मौसम, ब्लो ड्रायर्स और स्ट्रेटनिंग प्रोडक्टस के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान को दूर करने के लिए मॉयस्चर बूस्ट हेयर थेरेपी का प्रयोग किया जाता है। इस थेरेपी में मिल्क प्रोटीन और पैंथेनॉल कॉम्प्लेक्स से युक्त प्रोडक्ट का प्रयोग किया जाता है, जो सिर की त्वचा को प्राकृतिक नमी भी प्रदान करता है और नमी के संतुलन को बनाने में मदद करता है।

एक्स्ट्रा केयर

को स्टाइल में रखना आज की जरूरत है। लेकिन स्टाइल के लिए बालों को तमाम रसायनों और तकनीकी प्रक्रियाओं से गुजरना पडता है, जो उन्हें कमजोर बना देते हैं। एक्स्ट्रा केयर हेयर स्पा ऐसे बेजान और कमजोर बालों को पोषण देने के लिए किया जाता है। यह प्रोटीन और सिलिकॉन ऑयल के नए मिश्रण से तैयार किया जाता है, जो बालों को मजबूत और चमकदार बनाने में मदद करता है।

स्मूद एंड सॉफ्ट

यह स्पा सिर की त्वचा को पोषण देकर उसे नर्म मुलायम बनाने के साथ ही बेजान बालों में जान डालता है। उनकी उलझन को आसानी से दूर करता है। यह बालों को मजबूत बनाता है।

डैंड्रफ कंट्रोल

अपने नाम के अनुसार यह स्पा डैंड्रफ की समस्या से निजात दिलाने में मदद करता है। इस थेरिपी में ऑक्टीपिरॉक्स मौजूद है जो रूसी से मुकाबला करने के लिए सबसे असरदायक होता है। इससे सिर की त्वचा लंबे समय तक स्वस्थ और साफ रहती है।

ग्रोथ एनहैंसिंग

यह स्पा बालों की जडों के मेटाबॉलिज्म को ऊर्जा प्रदान करता है और उसे संचालित करता है। जिससे बालों की ग्रोथ अच्छी होती है। साथ ही बालों के असमय सफेद होने की समस्या से भी बचाता है।

इस मौसम में मन को भाएं
कॉटन साड़ियां

साड़ियां परंपरागत भारतीय परिधान है जो महिलाओं को सौम्य, सुंदर और शालीन छवि प्रदान करता है। बात गर्मियों की हो तो इस मौसम में कॉटन साड़ियों से बेहतर विकल्प नहीं। मार्केट में इन दिनों कॉटन साड़ियों की बेहतरीन वैरायटी मौजूद हैं

समर सीजन में हर महिला की यह चाहत होती है कि वह कुछ ऐसा पहनें जो उसे सौम्य और सुंदर दिखाने के साथ-साथ उसके लिए आरामदायक भी हो। इसलिए इस सीजन में कॉटन साड़ियों से बेस्ट कोई दूसरा ऑप्शन हो ही नहीं सकता। खासतौर से शादीशुदा महिलाएं, जो अमूमन साड़ियां पहनना ही पसं द करती हैं। ऐसे में आप एक बार कॉटन साड़ियों को जरूर ट्राई करें। इन दिनों मार्केट में काफी कलरफुल, कई वैरायटीज और प्रिंट्स में कॉटन साड़ियां मौजूद हैं। इन्हें पहनकर आप सिर्फ भीतरी ही नहीं बाहरी तौर पर भी कूल लगेंगी। फैशन डिजाइनर रीमा विस्तार से बता रही हैं कि कौन-सी साड़ियां इन दिनों ट्रेंड में बनी हुई हैं-

ऑरगेंडी साड़ियां

इस सीजन में आप एक बार प्लेन ऑरगेंडी साड़ियां पहन कर जरूर देंखें। लाइट मैटीरियल से बनी होने के कारण ये समर सीजन के लिए एकदम परफेक्ट हैं। वैसे ऑरगेंडी में प्लेन साड़ियों के लिए भी ढेरों ऑप्शन मौजूद हैं। यह कई सारे कलर और फैब्रिक में मार्केट में उपलब्ध है। डिजाइनर ऑरगेंडी साड़ी में बॉर्डर वाली साड़ी ट्राई करें, यह आपके लुक को सोबर और एलीगेंट बनाती है।

प्रिंटेड साड़ियां

डेली वियर और ऑफिस वियर के लिए प्रिं टेड क ॉ ट न साड़ियां भी काफी चलन में हैं। प्रिंटेड साड़ियों में आजकल कई वैरायटी मिलती है। खासकर दो शेड की कॉटन साड़ियां बेहतरीन लुक देती हैं। इसके अलावा प्लेन साड़ी में प्रिंटेड पल्ला भी आपको ग्रेसफुल लुक देता है।

तांत साड़ियां

पश्चिम बंगाल की तांत साड़ियां अपने ग्रेसफुल लुक, चौड़े और अट्रैक्टिव बॉर्डर, बूटीदार डिजाइंस की वजह से देशिवदेश में काफी पॉपुलर है। वैसे तो यह हर सीजन में काफी डिमांड में रहती हैं लेकिन गर्मियों के मौसम में इनकी लोकप्रियता काफी बढ़ जाती है। स्कूल- कॉलेज की टीर्चस या प्रोफेसर हों या फिर वर्किंग वुमेन, सभी की यह पहली पसंद बनती जा रही हैं। प्योर कॉटन के अलावा पार्टीवियर में भी तांत सिल्क की साड़ियां बेहद चलन में हैं।

चंदेरी कॉटन साड़ियां

चंदेरी कॉटन साड़ियां अब सिर्फ आम महिलाओं की पसंद बनकर ही नहीं रह गयी हैं, बल्कि बॉलीवुड स्टार्स भी इसका प्रयोग अपनी फिल्मों में जमकर कर रहे हैं। वैसे चंदेरी कॉटन और सिल्क दोनों ही फैब्रिक में काफी पसंद की जाती है। पारंपरिक चंदेरी डिजाइन में नाचता हुआ मोर, झाड़ पल्लू, चंदेरी बूटी, पटैला बूटी से सजी साड़ियां मार्केट में उपलब्ध हैं। साथ ही साथ आपको मार्केट में चंदेरी कॉटन और सिल्क पर बाघ, बटिक, दाबु और डिस्चार्ज प्रिंट की साड़ियां भी आसानी से मिल जाएंगी।

खासतौर से शादीशुदा महिलाएं, जो अमूमन साड़ियां पहनना ही पसंद करती हैं। ऐसे में आप एक बार कॉटन साड़ियों को जरूर ट्राई करें।

बनें आदर्श माता-पिता

आधुनिक दौर में बच्चों को संभालना और उनका सही मार्गदर्शन करना काफी मुश्किल होता जा रहा है। पैरेंट्स के लिए यह चैलेंज बन गया है। यदि बच्चों को समझदारी से हैंडल न किया जाए तो उनके दिलोदिमाग पर बुरा असर हो सकता है। यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे अनुशासित, जिम्मेदार और सबकी आंखों का तारा बनें और आप आदर्श माता-पिता कहलाएं तो आजमाएं ये टिप्स

- ***बच्चों*** की सभी बातों में मीन-मेख न निकालें और न ही बात-बात में उन्हें रोकें-टोकें। बच्चों को प्यार से समझाएं। उसके दोस्तों के सामने उसे डांटें नहीं, उसे इस बात का बुरा लगेगा।
- जब आपका बच्चा कोई अच्छा काम करे तो उसकी प्रशंसा करना न भूलें। माता-पिता की प्रशंसा बच्चों के अंदर आत्मविास जगाती है और भविष्य में वे और भी अच्छा परफॉर्म करते हैं।
- बच्चों को बचपन से ही 'सॉरी' और 'थैंक्यू' जैसे शब्दों का प्रयोग करना सिखाएं। घर आए मेहमानों और बड़े-बुजुर्गो का सम्मान करना सिखाएं। अच्छे आचरण के बीज बचपन में ही बोए जा सकते हैं।
- कभी-कभी बच्चों की जिद भी मान लें। जिद करना तो बाल सुलभ स्वभाव है । थोड़ी समझदारी से उसके इस स्वभाव को हैंडल करें तो उसकी यह आदत धीरे-धीरे स्वत: ही कम हो जाएगी।
- आमतौर पर पैरेंट्स बोलते हैं और बच्चों को उनकी बात सुननी पड़ती है। बच्चों को भी बोलने का मौका दें, उनकी बातों को ध्यान से सुनें। बाल मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, यदि बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दिया जाए तो उन्हें दिशा देना आसान हो जाता है।
- बच्चों से फ्रेंडली रहें लेकिन एक सीमा तक ही। अपना पैरेंटल अधिकार बनाए रखें और अनु शासन में रखकर बच्चों को जरूरी दिशा-निर्देश दें।
- दूसरे बच्चों से अपने बच्चों की तुलना न करें। इससे बच्चों में सुपीरियोरिटी कॉम्प्लेक्स या हीन भावना उत्पन्न हो सकती है। हर पैरेंटिंग बच्चा दूसरे से अलग होता है। उसके अच्छे गुणों को उभारना हर माता-पिता की जिम्मेदारी होती है।
- बच्चों में शुरू से ही शेयरिंग की आदत डालें। उसे अपने खिलौने या चॉकलेट अपने दोस्तों या भाई-बहनों के साथ मिल-बांटकर खेलना खाना सिखाएं। इस तरह वे बचपन से ही सोशल होना सीखेंगे।
- अपने बच्चों में ईर्ष्या-द्वेष की भावना न पनपने दें, न ही ओवर रिएक्ट करें।
- बच्चे अनुशासन घर से ही सीखते हैं। अत: बच्चों को जिम्मेदार और अनुशासित बनाने से पहले स्वयं अनुशासित व जिम्मेदार बनें।
- बच्चों को अपने पारिवारिक या आपसी झगड़ों का हिस्सा न बनाएं और न ही उन्हें मोहरे के तौर पर इस्तेमाल करें।
- बच्चों से बहुत अधिक अपेक्षाएं न करें। अक्सर पैरेंट्स अपनी अधूरी महत्वाकां क्षा बच्चों के जरिए पूरी करना चाहते हैं। इसके लिए वे बच्चों पर दबाव डालते हैं, जो सही नहीं है।
- बच्चों को अनुशासन सिखाएं, लेकिन उन्हें अनुशासन के दायरे में बांधकर न रखें। अनुशासन के दायरे में बां धकर रखने से बच्चों का समुचित विकास नहीं हो पाता।
- बच्चों के सामने गाली-गलौज या अपशब्दों का इस्तेमाल न करें और न ही बच्चों के सामने अनावश्यक झूठ बोलें क्योंकि जैसा आप बोलेंगे, उसका प्रभाव निश्चित रूप से आपके बच्चों पर पड़ेगा।
- बच्चों के लिए भी वक्त निकालें। बच्चों की दिनर्चया में शामिल होना भी बच्चों के संपूर्ण विकास का हिस्सा है।
- कोई भी फंक्शन या फैमिली गेट-टुगेदर हो तो बच्चों को साथ जरूर ले जाएं। इससे बच्चे सोशल बनते हैं। हमारी परंपराओं से बच्चे बहुत कुछ सीखते हैं।
- बच्चों के सवालों या उसकी किसी जिज्ञासा पर उसे डांटकर चुप न कराएं बल्कि समझदारीपूर्वक उसके सवालों का जवाब दें और उसकी जिज्ञासाओं को शांत करें। इससे बच्चा भ्रमित नहीं होगा।
- उन्हें इतनी छूट भी न दें कि वे लापरवाह बन जाएं। बच्चों को कोई भी स्वतंत्रता समय से पहले और जरूरत से ज्यादा न दें, ताकि वे चीजों व भावनाओं की कद्र करना जानें।
- बच्चों को आत्मनिर्भर बनना सिखाएं। उसके छोटे-छोटे काम उसे स्वयं करने दें। ऐसा करने से वे बचपन से ही जिम्मेदार और आत्मनिर्भर बनेगा।
- बच्चों की प्रथम पाठशाला उसका घर होता है। अत: अपने बच्चों के सामने सभ्यता से बोलें और अच्छा आचरण करें क्योंकि जैसा आप बोलेंगे और जैसा आचरण आप करें गे, वैसा ही आपका बच्चा सीखेगा।

इन सब बातों का ध्यान रखकर और उपरोक्त बातों को अपनी और अपने बच्चों की दिनर्चया में शामिल करके आप भी आदर्श माता पिता बन सकते हैं।